राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण सोमवार, 16 मई 2022 वर्ष–5,अंक–110 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

चिंतन शिविर : कांग्रेस में छोटे दलों से गठबंधन पर रार; बड़े नेताओं ने की वकालत, बिहार ने किया विरोध

एक नेता ने बताया कि अभिषेक मनु सिंघवी, प्रमोद तिवारी और पृथ्वीराज चव्हाण आदि ने सहित कई नेताओं की दलील थी कि 'एकला चलो' मॉडल अपनाने के लिए ज्यादा वक्त नहीं है।

नई दिल्ली। भविष्य की रणनीति का खाका तैयार के लिए कांग्रेस नव संकल्प की तैयारी में जुटी है। इसमें पार्टी नेता संगठन को मजबूत बनाने से ज्यादा चुनावी जीत पर ज्यादा जोर दे रहे हैं। ज्यादातर सदस्यों की राय है कि कांग्रेस को नए सहयोगियों की तलाश करनी चाहिए। राज्य स्तर पर गठबंधन करना चाहिए।

एक नेता ने बताया कि अभिषेक मनु सिंघवी, प्रमोद तिवारी और पृथ्वीराज चव्हाण आदि ने सहित कई नेताओं की दलील थी कि 'एकला चलो' मॉडल अपनाने के लिए ज्यादा वक्त नहीं है। इसलिए गठबंधन की संभावना तलाशनी चाहिए। हालांकि, गठबंधन पर सभी नेता एकमत नहीं है। कई नेताओं की राय थी कि अकेले चुनाव लड़ने के अलावा कोई विकल्प

नहीं है। नव संकल्प में सिर्फ पहले से तय विषयों पर चर्चा को लेकर भी कुछ सदस्यों ने नाराजगी जताई है। कई सदस्य हार के कारणों पर चर्चा चाहते हैं, पर उनसे कहा गया कि आगे की रणनीति पर बात करे।

गठबंधन का विरोध

पार्टी सूत्रों के मुताबिक, बिहार कांग्रेस के नेताओं ने गठबंधन का विरोध किया। उनकी दलील थी कि दीर्घकालिक लक्ष्यों के लिए कांग्रेस को मजबूत करने की जरूरत है। सबसे ज्यादा मतभेद हार के कारणों पर चिंतन को लेकर है। पार्टी नेता हार के कारणों पर अपनी राय रखना चाहते हैं।

ईवीएम का मुद्दा भी उठा

राजनीतिक समिति में चर्चा के दौरान ईवीएम का मुद्दा भी उठा। पार्टी के एक नेता ने कहा कि कई सदस्यों ने कहा कि इस पर भी विचार किया जाना चाहिए। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी और राहुल गांधी सभी समितियों की चर्चा में शामिल हो रहे हैं।

राहुल गांधी को अध्यक्ष बनाने की मांग–व संकल्प शिविर में हिस्सा ले रहे पार्टी के ज्यादातर नेताओं ने राहुल गांधी को कांग्रेस अध्यक्ष बनाने की मांग की है। पार्टी के एक नेता ने कहा कि रविवार को राहुल गांधी और पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी के भाषण के दौरान युवा नेता इस तरह की मांग उठा सकते हैं। शिविर में हिस्सा लेने वाले नेता पचास साल की कम उम्र के हैं।

चिंतन नहीं–कांग्रेस ने चिंतन शिविर से चिंतन शब्द हटा दिया है। पार्टी नव संकल्प शिविर के बैनर के साथ चर्चा कर रही है। पार्टी नेताओं का कहना है कि ऐसा इसलिए किया गया है ताकि, हार के कारणों पर कोई चर्चा न हो। सभी सदस्य सिर्फ भविष्य की रणनीति पर बात करें।

ऑस्ट्रेलिया से आए मोटिवेशनल स्पीकर पिता-पुत्र की भी मौत

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के मुंडका स्थित जिस फैक्ट्री में आग लगी थी, वहां शुक्रवार को कर्मचारियों के लिए एक मोटिवेशनल प्रोग्राम रखा गया था। इसमें कंपनी के बिजनेस को आगे बढ़ाने के लिए कर्मचारियों के सहयोग पर चर्चा करनी थी। इसके लिए बिजनेस ग्रोथ कोच और मोटिवेशनल स्पीकर कैलाश जयानी और उनके बेटे अमित को बुलाया गया था। एनआरआई अमित और उनके पिता ऑस्ट्रेलिया में रहते थे। पिता-पुत्र लोगों को मोटिवेट करने आए थे, लेकिन हादसे में अपनी जान गंवा बैठे। शनिवार देर शाम अस्पताल में परिजनों ने उनकी शव की पहचान कर ली।

यूट्यूब पर मशहूर– कैलाश जयानी ने यूट्यूब पर इनफिनिट कैलाश जयानी नाम से अपना चैनल बनाया हुआ था। वह अक्सर अपने बनाए वीडियो यूट्यूब पर डालते थे और लोग उनके वीडियो को काफी पसंद भी करते थे। सोशल मीडिया पर सफलता पाने के लिए लोग उनसे सवाल पूछा करते थे। सूत्रों ने बताया कि फैक्ट्री के मालिक गोयल बंधुओं ने लाखों रुपये देकर कैलाश और उनके बेटे अमित को अपनी कंपनी में बुलाया था। दूसरी मंजिल पर कार्यक्रम शुरू होने के कुछ देर बाद ही इमारत में आग लग गई। इस दौरान बड़ी संख्या में कंपनी कर्मचारी भी मौजूद थे। आग लगने के दौरान बाप-बेटे दोनों इसकी चपेट में आ गए और बाहर नहीं निकल पाए। इसके चलते वह इमारत में ही झुलस गए और दोनों की मौत हो गई।

फैक्ट्री मालिक भाई पिता को छोड़कर भाग निकले– मुंडका हादसे में फैक्ट्री के मालिक वरुण गोयल और हरीश गोयल के पिता भी हादसे के बाद से लापता हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, जब आग लगी तो वरुण और हरीश शीशा तोड़कर क्रेन की मदद से नीचे आ गए। दोनों ने अपने पिता को फैक्ट्री में ही छोड़ दिया।

देश के इन इलाकों में जारी रहेगी लू, आज से राहत की संभावना

नई दिल्ली। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने कहा है कि अगले दो दिनों के दौरान देश के उत्तर-पश्चिम और मध्य भागों में हीटवेव यानी लू की स्थिति बनी रहेगी और उसके बाद राहत मिलेगी। आईएमडी ने रविवार को दिल्ली में लू के लिए ऑरेंज अलर्ट भी जारी किया है। भविष्यवाणी की गई है कि पारा 46-47 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ सकता है। मौसम विभाग के अनुसार रविवार को लू के थपेड़े और खराब होने की संभावना है। आपको बता दें कि जम्मू में मौसम का सबसे गर्म दिन 43.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, वहीं राजस्थान के कई जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी किया गया है। शनिवार को धौलपुर में काफी गर्मी रही। पारा 48.5 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया।

हरियाणा में गुरुग्राम सबसे गर्म स्थान रहा। यहां अधिकतम तापमान 46.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं, अंबाला, हिसार, करनाल, रोहतक, नारनौल, भिवानी और सिरसा में अधिकतम तापमान 44, 46, 43.2, 46.6, 45.5, 45.4 और 46.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

पंजाब में बठिंडा में अधिकतम तापमान 46 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि अमृतसर, लुधियाना, पटियाला, पठानकोट और गुरदासपुर में अधिकतम तापमान 45.6, 45, 44, 43.8 और 43.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इस बीच आईएमडी के मौसम विज्ञान महानिदेशक मृत्युंजय महापात्र ने कहा, 16 मई से हीटवेव धीरे-धीरे कम होगी। 15 मई की रात को उत्तर पश्चिम भारत में एक पश्चिमी विक्षोभ होगा।

पंजाब सरकार ने दिल्ली पुलिस से की केजरीवाल की सुरक्षा बढ़ाने की मांग

नई दिल्ली। पंजाब पुलिस ने दिल्ली पुलिस को खालिस्तानी आतंकियों से मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की जान को खतरा बताया है। इसका हवाला देते हुए आम आदमी पार्टी के संयोजक को अतिरिक्त सुरक्षा कवर प्रदान करने के बारे में लिखा है। हालांकि, दिल्ली पुलिस ने फिलहाल इस मांग को खारिज कर दिया है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी है। दिल्ली पुलिस ने कहा है कि केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा स्वीकृत जेड प्लस श्रेणी के तहत केजरीवाल के पास पहले से ही उच्चतम स्तर की सुरक्षा है। दिल्ली पुलिस ने एक बयान में कहा है, इस संबंध में पंजाब पुलिस से एक पत्र प्राप्त हुआ था और इसे विधिवत गृह मंत्रालय को भेजा गया था। एमएचए ने इस विचार से सहमति व्यक्त की है कि दिल्ली पुलिस जेड+ सुरक्षा श्रेणी के अनुसार मुख्यमंत्री को सुरक्षा कवर प्रदान करना जारी

रखेगी। इसके अलावा, अगर पंजाब पुलिस के पास कोई प्रासंगिक खुफिया इनपुट है तो इसे तुरंत दिल्ली पुलिस और केंद्रीय एजेंसियों के साथ मूल्यांकन और कार्रवाई के लिए साझा किया जा सकता है। गृह मंत्रालय ने इस मामले पर आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। एक अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर कहा, दिल्ली के मुख्यमंत्री के लिए दिल्ली पुलिस की सुरक्षा में पर्याप्त संख्या में कर्मी हैं। प्रत्येक वीआईपी के लिए खतरे का आकलन नियमित आधार पर किया जाता है। अगर जरूरत पड़ी तो हम सुरक्षा को और बढ़ाएंगे। पंजाब के पुलिस महानिदेशक से भी इस मामले पर सवाल पूछा गया था, लेकिन उन्होंने इसका जवाब नहीं दिया है। पंजाब पुलिस के एक अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर इस बात की पुष्टि की है कि केजरीवाल को धमकी के बारे में दिल्ली पुलिस को एक पत्र भेजा गया था। उन्होंने यह नहीं बताया कि यह कब लिखा गया था।ठुभारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के युवा विंग के नेता तजिंदर बग्गा को राष्ट्रीय राजधानी में उनके घर से पंजाब पुलिस द्वारा हिरासत में लिए जाने के कुछ दिनों बाद यह मामला सामने आया है। पंजाब पुलिस ने केजरीवाल को धमकी देने की कथित टिप्पणी को लेकर दर्ज एक मामले में भाजपा युवा शाखा के राष्ट्रीय सचिव की गिरफ्तारी मांग की थी।

असम में मूसलाधार बारिश से बाढ़ जैसे हालात, हजारों लोग बुरी तरह प्रभावित

गुवाहाटी। असम में लगातार हो रही बारिश के कारण दीमा हसाओ के कई इलाकों में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। असानी चक्रवात के आने के बाद से असम में लगातार बारिश हो रही है, जिससे कई इलाकों में जलभराव हो गया है। बारिश और जलभराव से हजारों लोग बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के मुताबिक लगातार बारिश के कारण दीमा हसाओ जिले के 12 गांवों से अब तक भूस्खलन की खबर है। हाफलोंग इलाके में करीब 80 घर बुरी तरह प्रभावित है। दीमा हसाओ जिले के हाफलोंग इलाके में भूस्खलन से एक महिला सहित तीन लोगों की मौत हो गई है। दीमा हसाओ में पिछले कुछ दिनों से लगातार बारिश के कारण जनजीवन प्रभावित हुआ है और कई रिहायशी तथा वाणिज्यिक इमारतों को नुकसान पहुंचा है। असम के दीमा हसाओ जिले के हाफलोंग इलाके में मूसलाधार बारिश से सड़क का एक हिस्सा बह गया। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने बताया कि अब तक छह जिलों- कछार, धेमाजी, होजई, कार्बी आंगलोंग पश्चिम, नगांव और कामरूप (मेट्रो) के 94 गांवों के कुल 24,681 लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं।

ट्रेन सेवाएं प्रभावित–पिछले कुछ दिनों में लगातार बारिश के कारण जिले में भूस्खलन की कई घटनाएं हुई हैं, जिससे माईबांग और माहूर के बीच रेल मार्ग प्रभावित हुए हैं। ट्रेनें देरी से चल रही हैं। इसके अलावा पूर्वोत्तर फ्रंटियर रेलवे (एनएफआर) के लुमडिंग-बदरपुर खंड में कई ट्रेनों को रद्द कर दिया गया है। रेलवे के मुताबिक लगातार बारिश और भूस्खलन के कारण पूर्वोत्तर फ्रंटियर रेलवे (एनएफआर) के लुमडिंग-बदरपुर खंड में कई ट्रेनें रद्द कर दी गई हैं। भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन के चलते लुमडिंग मंडल के लुमडिंग-बदरपुर पर्वतीय खंड के अनेक हिस्सों में जलभराव को देखते हुए कई ट्रेन रद्द अथवा आंशिक तौर पर रद्द कर दी गई हैं।

दिल्ली के नरेला स्थित प्लास्टिक फैक्ट्री में लगी आग पर काबू पाने की कोशिश जारी

नई दिल्ली। उत्तरी दिल्ली के नरेला में शनिवार रात एक फैक्ट्री में भीषण आग लगने की खबर सामने आई है। समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक यह आग एक प्लास्टिक फैक्ट्री में लगी है। घटना की सूचना के बाद दमकल विभाग के कर्मचारी मौके पर पहुंचे हैं। जहां लगातार आग बुझाने का काम जारी है। दिल्ली दमकल सेवा के अधिकारियों द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक किसी के भी व्यक्ति के फैक्ट्री के अंदर फंसे होने की सूचना नहीं दी गई है। साथ ही घटना में फिलहाल किसी के हताहत होने की जानकारी नहीं है।

औद्योगिक क्षेत्र की प्लास्टिक फैक्ट्री में लगी है आग –दमकल

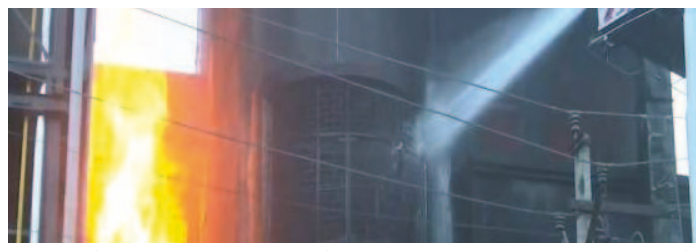

अधिकारी ने बताया कि शनिवार रात को नौ बजकर दस मिनट पर नरेला औद्योगिक क्षेत्र की एक फैक्ट्री में आग लगने की सूचना मिली थी। दमकल कर्मियों ने मौके पर पहुंचकर देखा तो प्लास्टिक के दाने बनाने वाली फैक्ट्री में आग लगी हुई थी। इस वजह से और गाड़ियां बुला ली गई। शनिवार रात को करीब 11 बजे तक दमकल विभाग की 23 गाड़ियां मौके पर भेजी जा चुकी हैं। आग पर काबू पाने की कोशिश की जा रही थी। खबर में अपडेट लगातार जारी है।

मुंडका अग्निकांड में अब तक 27 लोगों की मौत

दिल्ली के ही मुंडका इलाके में शुक्रवार को एक इलेक्ट्रानिक सामान के गोदाम में हुए भीषण अग्निकांड को अभी 24 घंटे भी नहीं बीते हैं। मुंडका में हुए अग्निकांड में 27 लोग मारे गए थे। वहीं करीब 12 लोग घायल हुए थे। मुंडका में हुए भीषण अग्निकांड को लेकर देश राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद, पीएम नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल समेत कई हस्तियों ने शोक व्यक्त किया था। हादसे में मारे गए 27 लोगों में से सात लोगों की पहचान अभी नहीं हो पाई है। वहीं करीब 29 लोग लापता बताए जा रहें हैं, इनमें 24 महिलाएं और 5 पुरुष शामिल हैं।

ऐक्शन में सीएम शिवराज की मध्य प्रदेश पुलिस; पुलिसवालों की हत्या करने वाले चार शिकारी ढेर

गुना। मध्य प्रदेश के गुना जिले में शिकारियों और पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ में इस समय पूरी सरकार अलर्ट मोड पर है। यही वजह है कि घटना के बाद से ही पुलिस ने एक के बाद एक आरोपियों का एनकाउंटर करना शुरू कर दिया है। पुलिस ने पहले आरोपी नौशाद खान, और फिर उसके बाद उसका भाई और मुख्य आरोपी शहजाद खान को एनकाउंटर में मार गिराया। उसके बाद रात मे तीसरे और चौथे आरोपी को भी एनकाउंटर में ढेर कर दिया। बताया जा रहा है कि देर रात पुलिस को सूचना मिली की आरोन की पहाड़ियों में दो आरोपी छिपकर बैठे हैं, जिसके बाद वहां पहुंचकर पुलिस ने उन्हें मार गिराया। पुलिस ने अभी तीसरे और चौथे आरोपी के नाम का खुलासा नहीं किया है। बता दें कि इस घटना के आरोपियों की धरपकड़ के लिए पुलिस की एक दर्जन से अधिक टीमें जंगलों की खाक छान रही हैं। इस पूरे घटनाक्रम पर खुद प्रदेश के गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा सहित पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी नजर बनाए हुए हैं। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, इस घटना

के मुख्य आरोपी शहजाद ने पुलिस की टीम पर हमला किया था और अपनी लाइसेंसी बंदूक से गोलियां चलाई थीं। पुलिस ने जिस आरोपी नौशाद खान और मुख्य आरोपी शहजाद खान का एनकाउंटर किया है, वे दोनों सगे भाई हैं। इन दोनों ने ही पुलिस पर गोलियां चलाई थीं।

यह बोला आरोपी का पिता

पुलिस की गिरफ्त में आरोपी नौशाद खान के पिता निसार खान ने बताया है कि शनिवार को आरोपी शहजाद खान की बेटी की शादी थी और देर रात तक घर में सभी सदस्यों ने नाच गाना किया और उसके बाद रात लगभग 10-00 बजे आरोपी शहजाद अपने छोटे भाई नौशाद और अन्य साथियों को लेकर जंगल में शिकार करने के लिए उतर गया। लेकिन रात में आरोन थाने की पुलिस वहां पहुंच गई और उसके बाद आरोपी शहजाद ने गोलियां चलाना शुरू कर दीं।

मामले में सात मुख्य आरोपी– मामले को लेकर स्थानीय पुलिस ने मीडिया से भी दूरी बनाई ली है। इसके साथ ही इस घटना की पूरी जानकारी खुद गृह मंत्रालय अपडेट कर रहा है। बताया जा रहा है इस घटना से जुड़े कुल 10 आरोपी है जिसमें 7 मुख्य आरोपी बताए जा रहे हैं।

भाजपा नेता ने लिखा 'हिसाब बराबर'– गुना की घटना के बाद से पूरी सरकार ऐक्शन मोड में आ गई थी। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने तत्काल आला अधिकारियों के साथ बैठक की थी। सूत्रों के मुताबिक, इस बैठक में शिवराज ने साफ निर्देश दिए थे कि किसी भी आरोपी को बख्सा ना जाए। इसबीत जब पुलिस ने एनकाउंटर शुरू किए तो मध्य प्रदेश भाजपा के प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद ने 'हिसाब बराबर' करने का ट्वीट कर डाला। हालांकि उन्होंने इस ट्वीट के साथ कुछ और नहीं लिखा है, लेकिन माना जा रहा है कि आरोपियों पर पुलिसिया कार्रवाई को लेकर ही यह ट्वीट किया गया है।

सुविचार

बिना उत्साह के आज तक कोई भी महान उपलब्धि पाई नहीं जा सकी है। - राल्फ वाल्डो एमर्सन

संपादकीय

रुपये की कसक

निस्संदेह, कोरोना संकट से उबरती अर्थव्यवस्था में रुपये का डॉलर के मुकाबले लुढ़कना हमारी गंभीर चिंता का विषय है, लेकिन खराब होती वैश्विक अर्थव्यवस्था में यह गिरावट स्वाभाविक है। एशिया की कई बड़ी अर्थव्यवस्थाएं फिलहाल मुश्किल दौर से गुजर रही हैं। इसके बावजूद रुपये का डॉलर के मुकाबले अब तक की बड़ी गिरावट के साथ 77 पार पहुंचना बड़ी फिक्र की बात ही कही जायेगी। इसके चलते भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट हुई है। मुश्किल बात यह है कि भारत का आयात निर्यात के मुकाबले अधिक है। खासकर अस्सी फीसदी से अधिक कच्चा तेल हमें विदेशों से आयात करना पड़ता है जिसके चलते पेट्रोलियम पदार्थों के दामों में वृद्धि होगी, जो कालांतर पहले से बढ़ी महंगाई को और बढ़ाएगी। जाहिर है रुपये के कमजोर होने का असर आम आदमी की जेब पर भी पड़ेगा। ऐसे वक्त में जब आरबीआई कह रहा है कि कोरोना काल से पहले स्तर की अर्थव्यवस्था पर लौटने में एक दशक से ज्यादा समय लग सकता है तो अर्थव्यवस्था को लेकर हमारी चिंताएं और गहरी हो जाती हैं। महंगाई दर ऊंची है, बेरोजगारी बेतहाशा बढ़ी हुई है तो ऐसे में रुपये के मूल्य में गिरावट से समस्याओं में और इजाफा ही होगा। निस्संदेह कोरोना महामारी से बाधित वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में रूस-यूक्रेन युद्ध ने आग में घी का काम किया है। जब भी वैश्विक अर्थव्यवस्था में गहरी अनिश्चितता उभरती है दुनिया का संपन्न वर्ग डॉलर की ओर दौड़ता है, जिससे उसके मूल्य में वृद्धि होती है। हाल ही में अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में वृद्धि से वैश्विक स्तर पर डॉलर मजबूत हुआ है। ऐसे में संस्थागत निवेशक अमेरिकी अर्थव्यवस्था में निवेश कर रहे हैं और भारतीय शेयर बाजार से पैसा निकाल रहे हैं जिससे भारतीय बाजार में विनिवेश की प्रक्रिया तेज हुई है और रुपये के मूल्य में गिरावट हुई है। कमोबेश दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में अंतर्राष्ट्रीय आपूर्ति श्रृंखला में बाधा व रूस-यूक्रेन युद्ध के चलते मौद्रिक नीतियां सख्त हुई हैं, जो कालांतर मुद्रा अवमूल्यन का कारक बनती हैं। निस्संदेह, रुपये में गिरावट का क्रम स्थायी नहीं है, देर-सवेर उसमें सुधार की संभावना है। लेकिन असली सवाल यह है कि हम इस संकट का मुकाबला मौद्रिक व अन्य नीतियों से कैसे करते हैं। इसमें विदेशी निवेशकों से भी सहारा मिल सकता है। लेकिन हमारी बड़ी चिंता यह है कि रुपये के मूल्य में गिरावट से हमारे तमाम आयात महंगे हो जायेंगे। उसके लिये हमें अधिक भुगतान करना होगा। वहीं एक दूसरा पहलू यह भी है कि हमारे निर्यात सस्ते हो जायेंगे। इससे हमारे निर्यात बढ़ सकते हैं। यदि सरकार निर्यातकों को बढ़ावा दे तो इससे निर्यात बढ़ने के साथ ही रोजगार के नये अवसर भी सृजित किये जा सकते हैं। साथ ही निर्यातकों को डॉलर के लिये अधिक रुपये मिलेंगे। लेकिन आम आदमी की चिंता यह है कि कच्चे तेल के दाम बढ़ने से ट्रांसपोर्ट व्यय बढ़ जायेंगे, जो कालांतर पहले से बढ़ी महंगाई को और बढ़ा सकता है। आवश्यक वस्तुओं के दाम बढ़ने से लोगों की क्रयशक्ति कम हो जायेगी। वहीं विदेशों में पढ़ रहे और पढ़ने जाने की तैयार कर रहे छात्रों की मुश्किलें भी बढ़ जायेंगी। उनकी पढ़ाई इससे और महंगी हो जायेगी। वहीं फार्मा व आईटी कंपनियां फायदे में रहने वाली हैं, रुपये के कमजोर होने उनकी कमाई बढ़ जायेगी। जाहिरा तौर पर रुपये के गिरने का एक संदेश दुनिया में यह भी जायेगा कि भारतीय अर्थव्यवस्था कमजोर है। वैसे कोरोना संकट में आय कम होने से लोगों की क्रय शक्ति में गिरावट आई है। इसके चलते मांग में आई गिरावट से हमारा उत्पादन भी प्रभावित हुआ है। दरअसल, सरकार को लोगों की मांग बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

आज के कार्टून

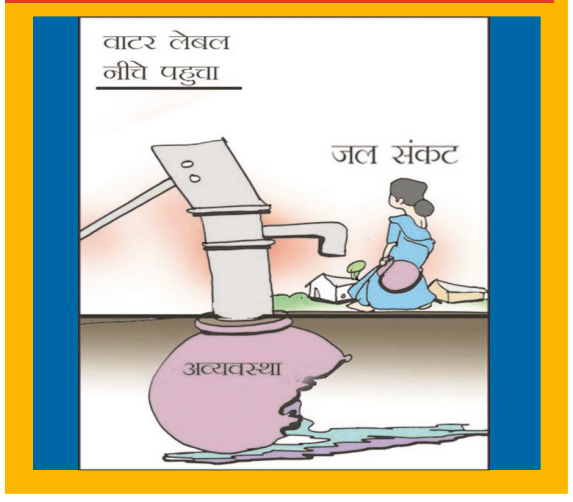

अध्यात्म और विज्ञान

सद्गुरु

आज आधुनिक विज्ञान अपने उपकरणों की मदद से आपको और बेहतर देखने की क्षमता देता है, और कह रहा है कि आसमान में खरबों तारे हैं। क्या आपको पता है कि विज्ञान ने सिर्फ आपके चेहरे की त्वचा पर ही अठारह खरब जीव खोज निकाले हैं? इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप अपना चेहरा कितनी बार साफ करते हैं, ये वहीं रहते हैं। तो विज्ञान आपको किसी चीज के जितना करीब लेकर जाता है, उतना ही चीजें पहले से ज्यादा जटिल होती जाती हैं। जाहिर है कि इससे स्पष्टता नहीं आती। दरअसल, विज्ञान का जो महत्त्व मिला है, तकनीक की वजह से मिला है। आप तकनीक का आनंद ले रहे हैं, लेकिन तकनीक विज्ञान नहीं है, एक नतीजा भर है। चूंकि आप इस तकनीक के फायदों का आनंद ले रहे हैं, इसलिए आप विज्ञान के साथ हैं। मान लीजिए, तकनीक नहीं होती और केवल वैज्ञानिक ही होते जो आपको बताते कि आकाश में दो खरब तारे और आपके चेहरे पर अठारह खरब जीव हैं, तो आप उन्हें सिरे से खारिज कर देते। शुरू में ज्यादातर वैज्ञानिकों को ऐसे ही मार दिया गया क्योंकि लोगों को लगता था कि वे पागल हैं, ऐसी बातें बता रहे हैं जो कोई और देख ही नहीं सकता। चूंकि विज्ञान और वैज्ञानिक आपको कई सारे गैजट्स या और भी बहुत सारी चीजें दे रहे हैं, इसलिए आप उन्हें इज्जत देते हैं। तकनीक नहीं होती तो कोई भी वैज्ञानिकों को महत्त्व नहीं देता। दरअसल, लोगों को बस इससे मतलब होता है कि उन्हें क्या मिलने वाला है। तो सृष्टि को कई तरह से खंगालने की कोशिशों से चीजें आसान नहीं हो रही हैं, बल्कि जटिल होती जा रही हैं। जैसे-जैसे हमें शरीर की हर कोशिका के बारे में पता चला, हमें लगा कि हम इंसान को पूरी तरह समझ गए हैं, लेकिन अब हमें अहसास हो रहा है कि हम शरीर के एक अणु को भी नहीं समझ सकते। यही सच है। तो विज्ञान आपको इस ब्रह्मांड की बारीकियों से तो अवगत करा रहा है, लेकिन चीजों में स्पष्टता नहीं ला रहा, बल्कि उन्हें और ज्यादा जटिल बना रहा है। तो रहस्यवाद या अध्यात्म कुछ और नहीं है। बस इतना है कि हम चीजों को दूसरे नजरिए से देख रहे हैं। यह भी वही है, जानने की चेष्टा। अध्यात्म और विज्ञान, दोनों ही ज्ञान पाने के मार्ग हैं, दोनों की चेष्टा जानने की है।

"भगवान बुद्ध का चिंतन आज भी प्रासंगिक"

बुद्ध पूर्णिमा / (लेखक--डॉ अशोक कुमार भार्गव, आईएएस)

भगवान बुद्ध भारत की सांस्कृतिक विरासत की अमूल्य धरोहर है। उनका समग्र जीवन दर्शन मानवीय कल्याण के हितार्थ ज्ञान की खोज के लिए मात्र 29 वर्ष की आयु में परम वैभव के साम्राज्य और सांसारिक सुखों के आकर्षण के परित्याग की पराकाष्ठा है। उनका जन्म 583 ईसा पूर्व नेपाल की तराई में लुंबिनी में हुआ था। इनके बचपन का नाम सिद्धार्थ था। जिसका अर्थ है अभिलाषा का पूर्ण हो जाना क्योंकि उनके जन्म से सभी की अभिलाषाएं पूर्ण हुई इसलिए उनका नाम सिद्धार्थ रखा गया। पिता शाक्य गणराज्य के राजा शुद्धोधन और माता महामाया थीं। इनके जन्म को हिमालय के तपस्वी ऋषि असिता ने अलौकिक असाधारण बताते हुए स्वयं जीवात्मा के दर्शन करते हुए कहा कि यह बालक समस्त मानव जाति के लिए सिद्धार्थ है। यह या तो चक्रवर्ती सम्राट बनेगा या लोक कल्याण के लिए धर्म चक्र प्रवर्तित करेगा जो इससे पहले संसार में कभी नहीं हुआ है। पिता चाहते थे कि सिद्धार्थ वैराग्य धारण नहीं करें सम्राट बने। इसलिए संसार की समस्त सुख सुविधाएं सिद्धार्थ को उपलब्ध कराई। रूपवती राजकुमारी यशोधरा से विवाह किया बाद में एक पुत्र राहुल की प्राप्ति हुई किंतु वे सांसारिक मोह में बंध न सके। एक दिन मार्ग में उन्होंने अति कृशकाय रोगी, वृद्ध पुरुष तथा एक मृतक को देखा तो सारथी छंदक ने बताया कि एक न एक दिन सभी की यही दशा होनी है। एक साधु को भी देखा। यद्यपि त्रिपिटक आदि ग्रंथों में इन घटनाओं का कोई उल्लेख नहीं है। संसार क्षणिक और दुखद है ये जान वे सब कुछ त्याग कर ज्ञान की खोज में निकल पड़े। 6 वर्षों तक घोर तपस्या की किंतु ज्ञान की पिपासा शांत नहीं हुई। जनश्रुति है कि स्त्रियों के एक गीत को उन्होंने सुना 'वीणा के तारों को ढीला मत छोड़ो, ढीला छोड़ देने से उनसे सुरीला स्वर ना निकलेगा। तारों को इतना कसो भी मत जिससे वे टूट जाएं।' उन्होंने गीत के मर्म को समझा कि किसी भी बात की अति ठीक नहीं। उन्होंने मध्यम मार्ग अपनाया। इसके बाद गया जाकर वट वृक्ष के नीचे इस संकल्प के साथ समाधिस्थ हो गए कि जब तक ज्ञान की प्राप्ति नहीं हो जाती तब तक वे समाधिस्थ ही रहेंगे। घोर तपस्या के सात दिनों पश्चात उन्हें ज्ञान की प्राप्ति हुई। वे तथागत और महात्मा बुद्ध हो गए। सबसे पहले बोधगया में बुद्ध ने अपना उपदेश तपस्यु एवं मल्लिक नामक दो बंजारों को दिया। जनसाधारण में ज्ञान की धर्म के रूप में दीक्षा दी। बुद्ध ने बौद्ध संघों की स्थापना की। लगभग 45 वर्षों तक जनसाधारण की भाषा में वे सतत भ्रमण करते हुए धर्म का प्रचार करते रहे। मगध के शासक बिंबिसार एवं अजातशत्रु, कौशल नरेश प्रसेनजीत, प्रसिद्ध गणिका आम्रपाली और स्वयं बुद्ध के पिता एवं पुत्र ने भी उनके धर्म को स्वीकार किया। स्त्रियों को भी धर्म की दीक्षा दी गई। 80 वर्ष की अवस्था में कुसिनारा में बुद्ध ने महापरिनिर्वाण को प्राप्त किया। यह संयोग ही है कि उनका जन्म, ज्ञान की प्राप्ति और मृत्यु वैशाख पूर्णिमा के दिन ही हुई। बुद्ध ने अपने धर्म की नैतिक व्याख्या की जो प्राणी मात्र की उन्नति के लिए प्रतिबद्ध है। इस धर्म में कर्मकांड, अनुष्ठान, पाखंड और अंधविश्वास नहीं है। उन्होंने जीव और जगत को माना। उनका पहला उपदेश धर्म चक्र प्रवर्तन के नाम से विख्यात है जिसके चार प्रमुख सूत्र ही चार आर्य सत्य हैं। पहला आर्य सत्य है कि इस जगत में दुख है। दूसरा तृष्णा के कारण दुख पैदा होता है। तीसरा दुख के निवारण का उपाय है तृष्णा से बचना और चौथा आदमी के स्वयं के प्रयास से ही दुख निवारण संभव है। बुद्ध दुख निवारण को भगवान या भाग्य के भरोसे नहीं छोड़ते। कोई भी व्यक्ति 'दुख निरोध गामिनी प्रतिपदा' के मार्ग का अनुसरण करते हुए दुखों पर नियंत्रण कर सकता है। यह अष्टांगिक मार्ग है सम्यक दृष्टि, सम्यक संकल्प, सम्यक वाणी, सम्यक कर्म, सम्यक आजीव, सम्यक व्यायाम, सम्यक स्मृति और सम्यक समाधि। बुद्ध ने मध्यम मार्ग अपनाते हुए किसी भी व्यक्ति को किसी भी प्रकार के अतिवादी व्यवहार से बचने का उपदेश दिया क्योंकि जीवन का सार विरोधी अतिवादों के बीच संतुलन की खोज करने में ही निहित है। उनका यह दर्शन आज के भौतिकवादी मूल्यों की चकाचौंध में भी जबकि व्यक्ति की इच्छाओं के अनियंत्रित विस्फोट का दौर रुकने का नाम ही नहीं ले रहा है तब यह और ज्यादा उपादेय व प्रासंगिक प्रतीत होता है। यदि लालसाओं का अंत हो जाए तो आदमी संत हो जाए। बुद्ध ने अपने धर्म में अपने लिए कोई स्थान नहीं रखा उन्होंने कभी किसी को मुक्त करने का आश्वासन नहीं दिया। वे कहते रहे कि वे मार्गदाता हैं मोक्ष दाता नहीं। उनका धर्म मनुष्यों के लिए एक मनुष्य द्वारा आविष्कृत धर्म था जो मौलिक और अलौकिक है। उन्होंने कभी नहीं कहा कि वे किसी धर्म की स्थापना कर रहे हैं या वे ईश्वर के पुत्र हैं, अवतार या पैगंबर हैं या उन्हें ज्ञान का इलहाम हुआ है। जो बात बुद्धि संगत है तर्कसंगत है वही बुद्ध वचन है। वे धर्म की असमानता और शोषण पर आधारित भेदभाव परक नीतियों और आचरण को छोड़ने के एवं व्यक्ति स्वातंत्रय और बंधुता के पक्षधर थे। उनकी दृष्टि में धर्म तभी सद्धर्म है जब वह सभी के लिए ज्ञान के द्वार खोल दें। ज्ञान केवल विद्वान बनने के लिए पर्याप्त नहीं है वरन उसके साथ प्रज्ञा, शील, करुणा, प्राणी मात्र के प्रति मैत्री, उदारता और अहिंसा की भावना विश्व की तरह व्यापक होनी चाहिए। यह तभी संभव है जब तमाम सामाजिक भेदभावों की दीवारों को गिरा दें और किसी भी आदमी का मूल्यांकन उसके जन्म से नहीं वरन कर्म से हो। जो धर्म आदमी, आदमी के बीच समानता के भाव की अभिवृद्धि नहीं करता वह धर्म नहीं है क्योंकि आदमी असमान ही जन्म लेते हैं। कुछ मजबूत होते हैं कुछ कमजोर, कुछ अधिक बुद्धिमान होते हैं कुछ कम कुछ एकदम नहीं, कुछ अधिक सामर्थ्यवान होते हैं कुछ कम, कुछ धनी होते हैं तो कुछ गरीब सभी को जीवन संघर्ष में प्रवेश करना पड़ता है और इस जीवन संघर्ष में यदि असमानता को स्वाभाविक स्थिति स्वीकार कर लिया जाए तो जो कमजोर है उसका तो कहीं ठिकाना ही नहीं रहेगा। इसलिए जो धर्म समानता का समर्थक नहीं है वह अपनाने योग्य नहीं है। इस दृष्टि से विश्व के अन्य धर्म प्रवृत्तकों की तुलना में बुद्ध का धर्म अधिक जनतांत्रिक नजर आता है। बुद्ध ने कहा कि मैं ऐसे किसी सिद्धांत को स्वीकार नहीं कर सकता जिसमें सैकड़ों बातों को यूं ही पहले से ही सही मानकर चलना होता है। उनका दृढ़ विश्वास था कि हर व्यक्ति के भीतर अच्छा इंसान बनने की संभावनाएं होती है बशर्ते उस पर विश्वास कर उसे समुचित अवसर परिस्थितियां प्रदान की जाएं। डाकू अंगुलिमाल का हृदय परिवर्तन बुद्ध ने अपनी निर्मल वाणी से ही किया था। एक दिन बुद्ध धनी व्यक्ति के घर भिक्षा मांगने गए। धनी व्यक्ति ने कहा भीख मांगते हो कामकाज क्यों नहीं करते। खेती बारी ही करो। भगवान बुद्ध ने मुस्कराकर कहा खेती ही करता हूं। दिन-रात करता हूं और अनाज भी उगाता हूं। उस धनी व्यक्ति ने पूछा यदि तुम खेती करते हो तो तुम्हारे पास हल-बैल कहां हैं? अन्न कहां है? बुद्ध ने कहा मैं अंतःकरण में खेती करता हूं। विवेक मेरा हल है और संयम तथा वैराग्य मेरे बैल हैं। मैं प्रेम ज्ञान और अहिंसा के बीज बोता हूं और पश्चाताप के जल से सिंचित करता हूं। सारी उपज मैं विश्व को बांट देता हूं। यही मेरी खेती है। बुद्ध से एक दिन एक दुखी व्यक्ति ने कहा कि मैं खुशी हासिल करना चाहता हूं। इसके लिए मुझे क्या करना चाहिए। बुद्ध ने मुस्कुराते हुए कहा कि एक तो मैं को छोड़ दो क्योंकि वह अहंकार है और दूसरे हासिल करना चाहता हूं को छोड़ दो क्योंकि वह लालसा है। इन दोनों को छोड़ दोगे तो मैं खुशी हासिल करना चाहता हूं मे से खुशी ही शेष बचेगी। 'मैं कहां से आया हूं, किधर से आया हूं, मैं क्या हूं।' बुद्ध इस प्रकार के व्यर्थ के मानसिक संकल्प विकल्प उठाते रहने के समर्थक नहीं थे। बुद्ध ने कहा कि मन ही सभी चीजों का केंद्र बिंदु है वही सब का मूल है मालिक है कारण है। मन ही शासन करता है योजना बनाता है। यदि आदमी का मन शुद्ध होता है तो वह शुद्ध वाणी बोलता है अच्छे कार्य करता है। मन काबू में है तो सब कुछ काबू में है। इसलिए मुख्य बात मन की साधना है। अपने चित्त को निर्मल बनाए रखना ही धर्म का सार है।

रफ्तार की नयी सनसनी उमरान मलिक

अरुण नैथानी

भले ही आईपीएल को क्रिकेट का तमाशाई संस्करण कहा जाये मगर इसकी बड़ी उपलब्धि यह भी है कि इसके जरिये देश के दूर-दराज के इलाकों में छिपी खेल प्रतिभाओं को अपना हुनर दिखाने का मौका मिल जाता है। अन्यथा चयनकर्ताओं की नजर कहां गांव-कस्बों के खिलाड़ियों पर जाती है, जो खिलने से पहले ही अनदेखी के चलते मुरझा जाते हैं। इस बार के आईपीएल संस्करण में जम्मू-कश्मीर के उमरान मलिक ने 157 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से गेंद फेंककर सनसनी मचाई है। देश-विदेश के तमाम क्रिकेटर उनकी प्रतिभा को सलाम करते हुए कह रहे हैं कि अब भारत की तेज गेंदबाज की तलाश पूरी हुई है। उम्मीद जतायी जा रही है कि निस्संदेह उमरान मलिक जल्दी ही भारतीय टीम में शामिल होंगे। यहां तक कि उनकी ख्याति विदेशों तक भी जा पहुंची है। उनकी स्पीड के जादू से सम्मोहित इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने उनकी जमकर तारीफ की है और कहा कि बाईस साल का यह युवा तेज गेंदबाज जल्दी ही भारतीय टीम में शामिल होगा। साथ ही सलाह दी कि खेल में परिपक्वता के लिये उमरान मलिक को आईपीएल के बजाय ब्रिटिश काउंटी क्रिकेट के लिये खेलना चाहिए। बहरहाल, आजकल आईपीएल में हर तरफ उमरान मलिक की रफ्तार का जिक्र है। वे लगातार 150 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से गेंद फेंक रहे हैं। हाल ही में उनकी उस गोल्डन बॉल की चर्चा भी हुई, जिसे उन्होंने 157 किलोमीटर की गति से रोवमैन पॉवेल को डाला था। जिसे आईपीएल के इतिहास में सबसे तेज गेंदों में शुमार बताया गया। जाहिर है दुनिया की कोई भी टीम रफ्तार की इस सनसनी को अपनी टीम में शामिल करना चाहेगी। यानी उनका भारतीय क्रिकेट की टीम में आना लगभग तय ही है। लेकिन जरूरत इस बात की भी है कि उनका खेल सधा हो और वे कम से कम रन दें। हाल ही में आईपीएल के मैचों में वे काफी खर्चीले साबित हुए हैं। हालांकि, उनके लिये सीखने के लिये बहुत कुछ है क्योंकि वे दुनिया के अनुभवी बल्लेबाजों के सामने गेंदबाजी कर रहे हैं। निस्संदेह, वे धुरंधर क्रिकेटरों से सीख कर अपने खेल को संवारेंगे। इस दौरान उनके सामने सीखने के तमाम अवसर हैं। निस्संदेह, जम्मू के फल व सब्जी बेचने वाले अब्दुल रशीद के सबसे छोटे बेटे उमरान अपनी मेहनत व कड़े अभ्यास से क्रिकेट के नये हीरो बन गये हैं। जम्मू के लोग उस दिन का इंतजार कर रहे हैं जब वे अपनी रफ्तार व शानदार गेंदबाजी के बूते भारतीय टीम में अपनी जगह बनाएंगे। हालिया आईपीएल के खेल ने उनकी दावेदारी पक्की की भी है। उमरान ने बीते साल सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी व फिर प्रथम श्रेणी के क्रिकेट के रूप विजय हजारे ट्रॉफी में अपने राज्य का प्रतिनिधित्व करते हुए क्रिकेट की शुरुआत की थी। वहीं उनकी आईपीएल में शुरुआत तब हुई जब हैदराबाद की टीम में एक खिलाड़ी के बीमार होने पर उसकी जगह उन्हें मौका मिला। उन्होंने इस मौके का भरपूर लाभ उठाया। उस समय नेट पर प्रैक्टिस करवा रहे कप्तान को उमरान की सधी व तेज गेंद खेलने में खासी दिक्कत हुई। तब टीम प्रबंधन ने उन्हें टीम में शामिल करने का समर्थन किया। इस तरह एक स्थानापन्न खिलाड़ी के रूप में उमरान सनराइजर्स हैदराबाद की टीम का हिस्सा बने। दरअसल, उमरान के खेल को तराशने में जम्मू-कश्मीर टीम के कोच रहे इरफान पठान का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा। उनके मार्गदर्शन में उमरान ने अपने गेंद फेंकने के एक्शन में सुधार किया। इससे पहले उनके कोच रणधीर मन्हास ने भी उनका मार्गदर्शन किया। निस्संदेह बेहतर ट्रेनिंग से उनकी धारदार बॉलिंग असरदार बन सकती है। बहरहाल, आजकल जम्मू में अब्दुल रशीद मलिक के घर पर बधाई देने वालों को हुजूम लगा रहता है। पिता की दिली तमन्ना है कि बेटा भारतीय टीम में शामिल होकर देश का नाम रोशन करे। वे बचपन से ही क्रिकेट के प्रति उमरान के जुनून का जिक्र करना भी नहीं भूलते कि कैसे वह भूख-प्यास छोड़कर दिन-रात क्रिकेट में जुटा रहता था। लेकिन इसके बावजूद चिंता यही है कि उमरान चोटिल हुए बिना अपनी रफ्तार को बनाये रखें। कई बार अधिक क्रिकेट खेलने से क्रिकेटर की क्षमता पर प्रतिकूल असर पड़ता है। वैसे भी तेज गेंदबाजों का खेल ज्यादा लंबा नहीं होता। मुनाफ पटेल भी ऐसे ही तेज गेंदबाज थे, जो चोटिल होने के बाद अपनी रफ्तार खो बैठे। तेज गेंदबाज का उपयोग बेहद सावधानी से किया जाना चाहिए। उन्हें सीमित मैचों में खेलने की सलाह दी जाती है। उन्हें अभी पर्याप्त प्रशिक्षण की भी जरूरत है। आईपीएल में कुछ मौकों पर वे बेहद खर्चीले बॉलर भी साबित हुए हैं। रफ्तार के साथ यह भी जरूरी होता है कि बल्लेबाज को कैसी रणनीति से बांधा जाये। लंबी रेस में बने रहने के लिये उन्हें रफ्तार के साथ ही ज्यादा विकेट भी लेने होंगे। वैसे भी उमरान को अभी बड़े मैच खेलने का अवसर नहीं मिला है और उनके पास अनुभव की भी कमी है। आईपीएल के खेल से उन्हें सही लाइन व लेंथ हासिल करने का अनुभव जरूर मिलेगा। निस्संदेह बीसीसीआई को इस कच्चे हीरे को तराशने के लिये पहल करनी होगी, जिससे भारत की तेज गेंदबाज की तलाश पूरी हो सके। जरूरत उसके हुनर को निखारने की है।

सू-दोकू नवताल -2117

2	9		3	1			8	
3	6		2		7		9	
		7			6		2	1
	7		1					
1	3			4			7	2
					5		4	
6	2		4			9		
	5		6		9		1	8
	1			5	3		6	4

सू-दोकू -2116 का हल

7	6	2	4	5	9	1	3	8
4	1	8	7	3	6	9	5	2
9	5	3	8	1	2	7	6	4
8	7	9	2	4	5	6	1	3
3	2	6	1	7	8	5	4	9
5	4	1	6	9	3	8	2	7
6	3	4	9	8	1	2	7	5
2	9	7	5	6	4	3	8	1
1	8	5	3	2	7	4	9	6

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली-2117

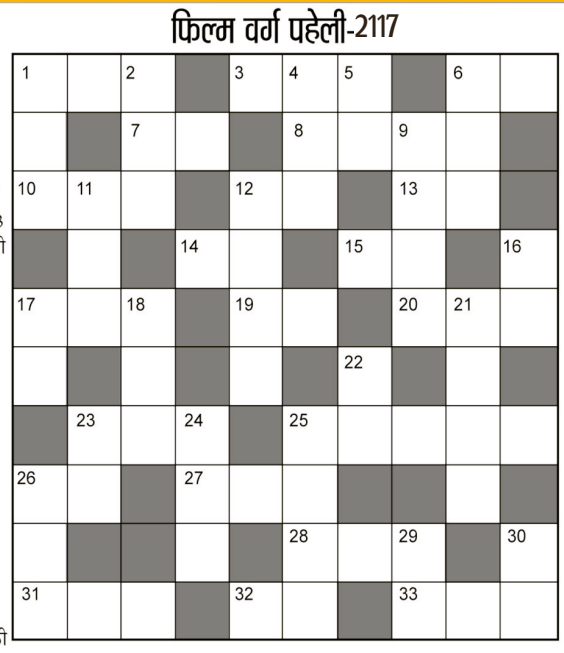

बायें से दायें:-

1. जैकी श्रॉफ, सलमान, रंभा, अश्विनी भावे की फिल्म-3
3. 'छम छम बरसा' गीत वाली फिल्म-3
6. 'जलता है जिया मेरा भीगी भीगी' गीत वाली फिल्म-2
7. राकेश रोशन, सिम्मी की फिल्म-2
8. अमिताभ, शर्मिला, हेमा, परवीन की फिल्म-4
10. 'मरना तेरी गली में जीना तेरी' गीत वाली फिल्म-3
12. फरदीन, करीना की 'रंग दीन्ही रंग' गीत वाली फिल्म-2
13. 'कहना है तुम' गीत वाली आमिर, मनीषा की फिल्म-2
14. 'सिर्फ संडे को करती हूँ मैं तो प्यार' गीत वाली फिल्म-2
15. 'चाँदनी रात है' गीत वाली सलमान, नगमा की फिल्म-2
17. 'जिंदगी ये जिंदगी दो घड़ी की जिंदगी' गीत वाली फिल्म-3
19. नागार्जुन, उर्मिला की फिल्म-2
20. जैकी श्रॉफ, जूही, एकता की एक सस्पेंस फिल्म-3
23. मिलिंद, विक्रम सलूज की फिल्म-3
25. विनोद मेहरा, अनिल कपूर, स्मिता, रति की फिल्म-2,1,2
26. 'याइला रे लड़की मस्त' गीत वाली फिल्म-2
27. धर्मेन्द्र, शर्मिला की 'बहारों की बारात आ' गीत वाली फिल्म-3
28. 'तुझे देखके दिल' गीत वाली फिल्म-3
31. सनी, जॉन, सुनील शेट्टी की फिल्म-3
32. 'जिस का मुझे था' गीत वाली अमिताभ, जीनत की फिल्म-2
33. अक्षय, सैफ, रवीना टंडन, सोनाली बेंद्रे की फिल्म-3

ऊपर से नीचे:-

1. 'रंग भरे मौसम से' गीत वाली फिल्म-3
2. अमिताभ, संजीव, ऋषि, हेमा, शर्मिला की फिल्म-3
4. 'मैं तेरी मुहब्बत में' गीत वाली फिल्म-3
5. बिजॉय आनंद, कृतिका पाने, सोनू वालिया की फिल्म-2
6. 'दिल्ली की सर्दी' गीत वाली फिल्म-3
9. राजबब्बर, अनिता की फिल्म-4
11. 'किसी के दिल में' गीत वाली फिल्म-3
12. नवीन निश्चल, सायरा की 'इधर गया था' गीत वाली फिल्म-4
16. 'तेरे बिना तेरे' गीत वाली फरदीन, करीना की फिल्म-2
17. संजय, उर्मिला की 'ओ भंवरे देखो हम' गीत वाली फिल्म-2
18. 'खाई है रे हमने कसम संग रहने की' गीत वाली फिल्म-3
21. जैकी, नीलम की 'चुराया तूने दिल' गीत वाली फिल्म-4
22. 'अपनी चाहतों पे काबू' गीत वाली जॉन, उदिता की फिल्म-2
23. इरफान खान, की 'मैंने दिल से कहा' गीत वाली फिल्म-2
24. 'हम तीनों की वो यारी' गीत वाली फिल्म-3
25. राजेंद्रकुमार, राखी की फिल्म-2,2
26. 'पहली बार जो' गीत वाली फरदीन, उर्मिला की फिल्म-3
29. 'सुन जरा सोनिये' गीत वाली फिल्म-2
30. रणधीरकपूर, बबीता की फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली-2116

चा	ल	बा	ज		चा	ला	क		जा
ह		रि		आ	ह		र्ज		ल
त	ला	श		र	त	न		प्या	सा
	वा		रा	जू		ज	ख्म		ज
रा		तु	म		जो	र		ना	
म	स्ती		क	ह	र		अ	स्ति	त्व
अ		जीं	स		दा	वा		क	
व	क्त		म	द	र		दा		अं
ता		हे		र्द		फि	दा		जा
र	ह	मा	न		रो	जा		धू	म

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

डब्ल्यूटीओ की बैठक जून में: वाणिज्य मंत्रालय 18 मई को अंतर-मंत्रालयी चर्चा करेगा

नई दिल्ली ।

विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के निर्णय लेने वाले शीर्ष निकाय की बैठक अगले माह जिनेवा में होगी। इस बैठक से पहले वाणिज्य मंत्रालय 18 मई को अंतर-मंत्रालयी विचार-विमर्श करेगा। इसमें डब्ल्यूटीओ की आगामी बैठक से जुड़े मुद्दों पर चर्चा होगी। डब्ल्यूटीओ का 12वां मंत्रिस्तरीय सम्मेलन 12 से 15 जून तक जिनेवा में होगा। 164 सदस्यीय बहुपक्षीय संगठन वैश्विक व्यापार नियम बनाता है और सदस्यों देशों के बीच व्यापार से संबंधित मुद्दों का समाधान करता है। समझा जाता है कि बैठक में मत्स्यपालन सब्सिडी पर प्रस्तावित करार, कृषि, डिजिटल व्यापार या ई-कॉमर्स, महामारी को लेकर डब्ल्यूटीओ की प्रतिक्रिया मसलन बौद्धिक संपदा अधिकारों के व्यापार संबंधी पहलू यानी ट्रिप्स की छूट, संयुक्त वक्तव्य पहल (जेएसआई) से संबंधित मामलों के अलावा डब्ल्यूटीओ में सुधारों से संबंधित मुद्दों पर चर्चा होगी।

जेएसआई बातचीत का एक तरीका है, जिसे डब्ल्यूटीओ के कुछ सदस्य देशों ने कुछ विशेष मुद्दों पर शुरू किया है और इसमें सहमति वाली निर्णय प्रक्रिया के नियम को पूरा किए बिना कुछ मुद्दों पर चर्चा की जाती है। डब्ल्यूटीओ के सदस्यों के बीच प्रस्तावित मत्स्यपालन सब्सिडी पर बातचीत चल रही है। इसका मकसद सतत मत्स्यपालन के लिए अनुशासित सब्सिडी प्रदान करना, गैरकानूनी और गैर-विनियमित और बिना सूचना वाली (आईयूयू) सब्सिडी को बंद करना शामिल है। अधिकारियों ने बताया कि 18 मई को होने वाली चर्चा में विभिन्न विभागों मसलन कृषि, पर्यावरण, उपभोक्ता मामले, पशुपालन, मत्स्यपाल, महिला एवं बाल विकास, एमएसएमई, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी के सचिव और फार्मा सचिव भी भाग लेने वाले हैं। इसके अलावा भारतीय विदेश व्यापार संस्थान (आईआईएफटी), आरआईएस, एनसीएईआर, इक्रियर और नेशनल ऐकेडमी ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज के प्रतिनिधियों को भी बैठक के लिए बुलाया गया है।

टाटा संस समूह के वरिष्ठ प्रबंधन अधिकारियों से सीएम प्रमोद सावंत ने की मुलाकात

पणजी।

गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने टाटा संस समूह के वरिष्ठ प्रबंधन अधिकारियों से मुलाकात कर राज्य में निवेश को बढ़ावा देने के विभिन्न तरीकों पर उनके साथ चर्चा की। सावंत के साथ-साथ उद्योग मंत्री मॉविन गोदिन्हो और प्रमुख सचिव पुनीत कुमार गोयल ने टाटा संस समूह के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन, नियोल टाटा और अन्य शीर्ष मुख्य कार्यपालिक अधिकारियों (सीईओ) के साथ गोवा में निवेश को बढ़ावा देने के बारे में चर्चा की। बैठक के दौरान सूचना प्रौद्योगिकी, विमानन विनिर्माण, खुदरा, आतिथ्य, आतिथ्य के लिए प्रशिक्षण केंद्र आदि पर बात की गई। इसमें कहा गया कि टाटा संस समूह के चेयरमैन ने गोवा में नए दौर के कारोबार को बढ़ावा देने के लिए अपने शीर्ष सीईओ के साथ तत्काल एक आंतरिक बैठक करने का वादा किया।

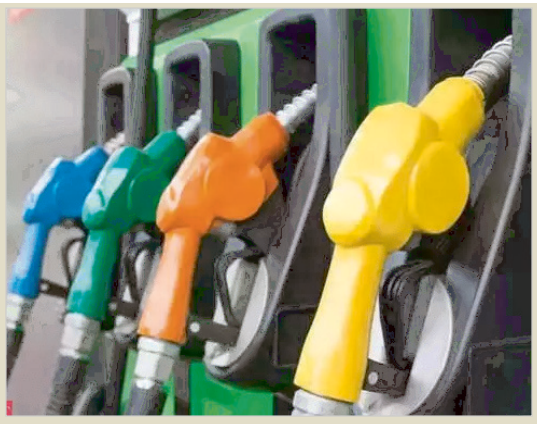

पेट्रोल और डीजल की कीमतें 39वें दिन भी स्थिर

नई दिल्ली । घरेलू बाजार में तेल विपणन कंपनियों ने रविवार को भी पेट्रोल और डीजल की कीमतें नहीं बढ़ाई है। जिसके कारण लगातार 39वें दिन ईंधन के दाम स्थिर बने हुए हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध से अंतरराष्ट्रीय तेल बाजार की कीमत अस्थिर बनी हुई है। सार्वजनिक क्षेत्र की देश की सबसे बड़ी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) के अनुसार दिल्ली में पेट्रोल 105.41 रुपए प्रति लीटर और डीजल 96.67 रुपए प्रति लीटर पर स्थिर रहा। मुंबई में पेट्रोल की कीमत 120.51 रुपए प्रति लीटर और डीजल की कीमत 104.77 रुपए प्रति लीटर है। यूक्रेन तथा रूस के बीच जारी जंग से अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में घट-बढ़ जारी है। अंतरराष्ट्रीय लंदन ब्रेंट क्रूड 111.55 डॉलर प्रति बैरल पर और अमेरिकी क्रूड 3.80 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 110.16 डॉलर प्रति बैरल की कीमत पर कारोबार कर रहा है। देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतें 137 दिन की स्थिरता के बाद पिछले 22 मार्च से बढ़नी शुरू हुई थीं। कंपनियों ने 48 दिन में 14 बार पेट्रोल और डीजल के दामों में वृद्धि की। इस दौरान इनके दामों में करीब 10 रुपए प्रति लीटर की तेजी आई है।

फिल्म वितरण के बारे में बाजार से संबंधित अध्ययन कर रहा

नई दिल्ली । भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) देश में फिल्म वितरण के बारे में बाजार से संबंधित अध्ययन कर रहा है। आयोग के कदम का उद्देश्य उद्योग के भीतर स्व-नियामन की संभावनाओं की तलाश करना है] ताकि इसमें प्रतिस्पर्धी परिदृश्य बना रहे। सीसीआई बाजार में अनैतिक तौर-तरीकों पर नजर रखता है। उसके पास फिल्म उद्योग से संबंधित मामले भी आते रहते हैं। सीसीआई के अधिकारी ने कहा, फिल्म वितरण संबंधी बाजार का अध्ययन शुरू हुआ है, जिससे फिल्म वितरण श्रृंखला में प्रतिस्पर्धी-रोधी तौर-तरीकों को लेकर क्या चिंताएं हैं और प्रतिस्पर्धा की स्थिति क्या है, इस तरह के विभिन्न पहलुओं के बारे में जानकारी मिलेगी। यह अध्ययन उस समय हो रहा है, जब फिल्म उद्योग में डिजिटलीकरण और ओटीटी मंच महत्वपूर्ण कारक बन रहे हैं। बाजार गतिशीलता और निर्माण के बारे में बेहतर समझ हासिल करने के लिए सीसीआई ने अध्ययन शुरू किया है। इसके साथ ही यह पता लगाने का इरादा भी है कि उद्योग में प्रतिस्पर्धी परिदृश्य सुनिश्चित करने के लिए क्या यहां स्व-नियामक व्यवस्था बन सकती है। सीसीआई प्रमुख ने कहा कि सिनेमा के डिजिटलीकरण और प्रौद्योगिकी के उपयोग के साथ नए मुद्दे भी सामने आएंगे। उन्होंने कहा, ''ओटीटी और अन्य मंच सामग्री के वितरण में अहम चैनल बनते जा रहे हैं। यह अध्ययन इन परिवर्तनों का भारत में पारिस्थितिकी पर प्रभाव का पता लगाएगा।'

यूरोप के सैन्य बलों को बैटरी की आपूर्ति करेगी भारतीय स्टार्टअप प्रवेग

मुंबई । भारत में विनिर्मित टैक्टिकल बैटरियों का उपयोग यूरोप के सैन्य बलों द्वारा इस्तेमाल होने वाले उपकरणों में होगा। बेंगलुरु की स्टार्टअप कंपनी प्रवेग को कॉम्पैक्ट एनर्जी स्टोरेज उपकरणों का ऑर्डर मिला है। यूरोप के सैन्य बलों को रक्षा और ऊर्जा उपकरणों की आपूर्ति करने वाली सबसे बड़ी वितरक एम2एम फैक्टरी एंड एएमजी प्रो भारत की प्रवेग के साथ मिलकर भारत में टैक्टिकल बैटरियों का विनिर्माण कर रही है। कंपनी ने बताया कि प्रवेग 'फील्ड पैक' की आपूर्ति रक्षा क्षेत्र के विनिर्माताओं को होगी। प्रवेग के अधिकारी ने कहा, इन बैटरियों को भारत में ही डिजाइन कर बनाया गया है। यह आपूर्ति भारत के रक्षा परिदृश्य में बड़ा बदलाव लेकर आएगी और भारत का उद्योग उपयोगकर्ता से विकास करने वाले और आयातक से निर्यातक की दिशा में बढ़ेगा। बयान में कहा गया कि प्रवेग का फील्ड पैक आधुनिक सैनिकों को उनके उपकरण के लिए इतनी ऊर्जा देगा, जिससे एक मैकबुक को 60 बार चार्ज किया जा सकता है।

अप्रैल से तैयार इस्पात उत्पादों के दाम नीचे आने लगे

कोलकाता । रूस और यूक्रेन के बीच सैन्य संघर्ष के बाद अप्रैल से तैयार इस्पात उत्पादों के दाम नीचे आने लगे हैं। वहीं जिंसों के ऊंचे दाम की वजह से इस्पात क्षेत्र की कंपनियों को कुछ परेशानियों हो रही है। अधिकारियों ने बताया कि कोलकाता के बाजार में 'लॉन्ग' उत्पादों की कीमतें औसतन 10 से 15 प्रतिशत की गिरावट के साथ 57,000 रुपये प्रति टन पर आ गई हैं, जो पहले 65,000 रुपये प्रति टन के उच्चस्तर पर थीं। अधिकारियों ने बताया कि द्वितीयक इस्पात उत्पादकों के लिए कोयला प्रमुख कच्चा माल है। उस समय कोयले के दाम उनके लिए सबसे बड़ी परेशानी हैं। वहीं बड़ी कंपनियों के इस्पात के दाम उस समय 75,000 से 76,000 रुपये प्रति टन पर पहुंच गए थे। स्टील रोलिंग मिल्स एसोसिएशन के अधिकारी ने बताया, ''टीएमटी छड़ और 'स्ट्रक्चरल' जैसे इस्पात उत्पादों की सुस्त मांग के कारण इनकी कीमत 10 से 15 प्रतिशत घट गई है और इसके थोड़ा और कम होने की उम्मीद है। जबकि हमारी लागत बढ़ गई है।'' उन्होंने कहा, कच्चे माल की गुणवत्ता से समझौता करने के बावजूद हमारी लागत में 50 प्रतिशत बढ़ी है। डायरेक्ट रिड्यूस्ड आयरन' (डीआरआई) का उपयोग करने वाले द्वितीयक क्षेत्र के इस्पात उत्पादकों को स्पॉन्ज आयरन बनाने के लिए उच्च गुणवत्ता वाले तापीय कोयले की जरूरत होती है। उन्होंने कहा आयातित कोयले की कीमत 120 डॉलर प्रति टन थी, जो रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध छिड़ने के बाद 300 डॉलर प्रति टन पर पहुंच गई है। इस्पात कंपनियां अब अपने अस्तित्व के लिए कोयले का आयात करने के लिए मजबूर हैं क्योंकि कोल इंडिया उनकी मांग पर ध्यान नहीं दे रही है।

विदेशी निवेशकों ने मई में अब तक शेयर बाजारों से 25,200 करोड़ निकाले

कच्चे तेल की ऊंची कीमतों, ऊंची मुद्रास्फीति, सख्त मौद्रिक रुख का असर शेयर बाजारों पर पड़ा

नई दिल्ली ।

भारतीय शेयर बाजारों से विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) का निकासी का सिलसिला जारी है। एफपीआई ने मई के पहले पखवाड़े में भारतीय बाजारों से 25,200 करोड़ रुपए निकाल लिए हैं। वैश्विक स्तर पर ब्याज दरें बढ़ने और कोरोना के बढ़ते मामलों के बीच विदेशी निवेशक लगातार भारतीय शेयरों से अपना निवेश निकाल रहे हैं। बाजार के जानकारों का कहना है कि कच्चे तेल की ऊंची कीमतों, ऊंची मुद्रास्फीति, सख्त मौद्रिक रुख का असर शेयर बाजारों पर पड़ा है। इसके अलावा निवेशक मुद्रास्फीति के ऊंचे स्तर पर रहने के बीच वृद्धि को लेकर भी चिंतित हैं। हमारा मानना है कि निकट भविष्य में भी एफपीआई का रुख उतार-चढ़ाव वाला रहेगा। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक अप्रैल, 2022 तक लगातार सात माह बिकवाल रहे और उन्होंने भारतीय शेयरों से 1.65 लाख करोड़ रुपए निकाले। आगामी सप्ताहों में भी एफपीआई की निकासी जारी रहेगी। इस समय भारतीय

शेयरों में एफपीआई की हिस्सेदारी घटकर 19.5 प्रतिशत पर आ गई है, जो मार्च, 2019 के बाद का सबसे निचला स्तर है। लगातार छह माह तक बिकवाली के बाद अप्रैल के पहले सप्ताह में एफपीआई ने भारतीय बाजारों में 7,707 करोड़ रुपये डाले थे। हालांकि, उसके बाद 11 से 13 अप्रैल के दौरान कम कारोबारी सत्रों वाले सप्ताह में उनकी निकासी फिर शुरू हो गई। उसके बाद से वे लगातार बिकवाल बने हुए हैं। जानकारी के अनुसार दो से 13 मई के दौरान एफपीआई ने शेयरों से करीब 25,216 करोड़ रुपए की निकासी की है। पिछली चार मई को रिजर्व बैंक ने बिना तय कार्यक्रम के रेपो दर को 0.4 प्रतिशत बढ़ाकर 4.4 प्रतिशत कर दिया था। अमेरिकी केंद्रीय बैंक ने भी ब्याज दरों में 0.50 प्रतिशत की वृद्धि की है। निवेशकों को अब यह आशंका है कि आगे चलकर ब्याज दरों में और वृद्धि हो सकती है। इसकी वजह से विदेशी निवेशक भारतीय बाजारों से निकासी कर रहे हैं।

आरबीआई ने महाराष्ट्र के सहकारी बैंक पर लगाई कई पाबं दियां!

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने महाराष्ट्र के एक सहकारी बैंक पर पैसे निकालने से हित कई पाबें दियां लगा दी है। केंद्रीय बैंक के मुताबिक कोल्हापुर के महशंकरराव पुजारी नूतन नगरी सहकारी बैंक लिमिटेड गंभीर वित्तीय स्थिति में है। यह कामकाज करने की स्थिति में नहीं है। आरबीआई के फैसले के बाद इस बैंक के अकाउंट होल्डर्स फिलहाल पैसे नहीं निकाल पाएंगे। हालांकि बैंक के 99.88 फीसदी जमाकर्ता डिपॉजिट इंश्योरेंस एंड क्रेडिट गारंटी कॉरपोरेशन (डीआईसीजीसी) बीमा योजना के दायरे में हैं। इस योजना के तहत 5 लाख रुपए तक की जमा राशि का बीमा होता है। केंद्रीय बैंक ने बताया कि शंकरराव पुजारी नूतन नगरी सहकारी बैंक पर यह पाबंदी 13 मई, 2022 को कारोबार बंद होने से 6 महीने की अवधि के लिए लागू की गई है। इस दौरान बैंक के कामकाज की समीक्षा होती रहेगी। आरबीआई के अनुसार बैंक में फिलहाल मौजूद धन यानी लिक्विडिटी को ध्यान में रखते हुए सभी बचत, चालू या अन्य खातों में जमा रकम से जमाकर्ताओं को रकम निकालने की अनुमति नहीं दी जा सकती है।

हालांकि, शर्तों के अनुसार जमा के खिलाफ लोन की वसूली की जा सकती है। केंद्रीय बैंक ने साफ किया है कि उसके इस कदम को बैंक का लाइसेंस रद्द करना नहीं माना जाना चाहिए। रिजर्व बैंक की अनुमति के बिना यह बैंक किसी भी लोन और ग्रांट को रिन्यू नहीं कर सकता है। इसके अलावा कोई निवेश भी नहीं कर सकता है और न ही कोई लायबिलिटी ले सकता है। प्रतिबंधों के बीच बैंक अपनी किसी संपत्ति को बेच भी नहीं सकता है।

बहुसंख्यकवाद भारत के भविष्य के लिए बेहद खतरनाकः राजन

नई दिल्ली ।

रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने आगाह किया कि बहुसंख्यकवाद भारत के भविष्य के लिए बेहद खतरनाक साबित हो सकता है और इसका हर कदम पर विरोध किया जाना चाहिए। राजन ने एक वेबिनार को संबोधित करते हुए कहा कि आलोचना पर कुछ विधायी बाधाओं को हटाकर सरकार को आलोचना के प्रति अधिक उत्तरदायी बनना चाहिए। उन्होंने चेताया कि बहुसंख्यकवाद के प्रति हमारे रुझान के व्यापक परिणाम हैं और वे सभी प्रतिकूल हैं। यह हर आर्थिक सिद्धांत के खिलाफ है। अपने स्पष्ट विचारों के लिए पहचाने जाने वाले अर्थशास्त्री राजन ने कहा कि भारत को समावेशी विकास की जरूरत है और आबादी के किसी भी वर्ग के साथ द्वितीय श्रेणी के नागरिक के रूप में व्यवहार करने से देश समावेशी विकास नहीं कर सकता। राजन ने कहा कि बहुसंख्यकवाद विभाजनकारी है और यह भारत को ऐसे समय में विभाजित करने का काम करेगा जब बाहरी खतरों का सामना करने के लिए देश को एकजुट रहना है।

ब्याज दरें बढ़ाने के फैसले लेने में किसी से पीछे नहीं रहा रिजर्व बैंकः आशिमा

- यूक्रेन-रूस युद्ध से मुद्रास्फीति हाल में रिजर्व बैंक के संतोषजनक स्तर छह प्रतिशत को पार कर गई

नई दिल्ली

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ब्याज दरें बढ़ाने को लेकर फैसले लेने में किसी से भी पीछे नहीं रहा रिजर्व बैंक। यह बात मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की सदस्य आशिमा गोयल ने रविवार को कही। गोयल ने एक साक्षात्कार में कहा कि मुद्रास्फीति पर नियंत्रण के लिए ब्याज दरों को बढ़ाने का फैसला लेने में केंद्रीय बैंक पीछे नहीं रहा है। कोरोनो महामारी के बाद जब आर्थिक पुनरुद्धार अस्थिर था, तो इससे निपटने के लिए कुछ अधिक तेज प्रतिक्रिया कतई बुद्धिमानी नहीं होती। प्रसिद्ध अर्थशास्त्री गोयल ने इस बात को स्वीकार किया कि रूस-यूक्रेन युद्ध से उत्पन्न खाद्य और कच्चे तेल की मुद्रास्फीति की दृष्टि से भारत कमजोर या संवेदनशील है। ब्याज दरों में वृद्धि का आर्थिक पुनरुद्धार के साथ तालमेल बैठाने की जरूरत है। रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति ने पिछले दिनों बिना तय कार्यक्रम के रेपो दर में 0.40 प्रतिशत की वृद्धि कर सभी को हैरान कर दिया था। अगस्त, 2018 के बाद केंद्रीय बैंक ने नीतिगत दरों में बढ़ोतरी की है। रिजर्व बैंक ने पिछले साल तरलता को पुनर्संतुलित करना शुरू कर दिया था, जबकि अमेरिकी केंद्रीय बैंक ने अभी अपने बही-खाते को कम करना शुरू नहीं किया है। उन्होंने कहा कि यूक्रेन-रूस युद्ध से मुद्रास्फीति हाल में रिजर्व बैंक के संतोषजनक स्तर छह प्रतिशत को पार कर गई है। भारत में मांग और मजदूरी अभी नरम है। अमेरिका में बड़े सरकारी खर्च के कारण प्रोत्साहन कुछ अधिक है। श्रम बाजार की स्थिति सख्त है। फेडरल रिजर्व ब्याजदर फेडरल रिजर्व भी पीछे नहीं था, रिजर्व बैंक भी ब्याज दर पर निर्णय लेने में पीछे नहीं छूटा है। भारत में मुद्रास्फीति का रुख अमेरिका से भिन्न है। घरेलू मोर्चे पर खुदरा मुद्रास्फीति इस साल अप्रैल में आठ साल के उच्चस्तर 7.79 प्रतिशत पर पहुंच गई है। ऐसे में संभावना जताई जा रही है कि रिजर्व बैंक अपने मौद्रिक रुख को और कड़ा कर सकता है। अप्रैल में लगातार सातवें महीने मुद्रास्फीति चढ़ी है। सरकार ने रिजर्व बैंक को मुद्रास्फीति को चार प्रतिशत के दायरे में रखने का लक्ष्य दिया है। गोयल ने कहा कि यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि वास्तविक ब्याज दरें संतुलन के स्तर से बहुत इधर-उधर नहीं हों। दरों में अनुचित उतार-चढ़ाव को रोक कर वृद्धि और मुद्रास्फीति के बीच संतुलन बैठाने में मदद मिलेगी।

अब विदेशी निवेशकों के बिकवाली की रफ्तार हो सकती है धीमी : विशेषज्ञ

मुंबई ।

विदेशी निवेशकों के भारतीय शेयर बाजारों से बिकवाली रुकने का नाम नहीं ले रही है। मई लगातार आठवां महीना है जब एफपीआई बिकवाल बने हुए हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि बाजार अब लगभग ओवरसोल्ड की स्थिति में जा चुका है। अब विदेशी निवेशकों के बिकवाली की रफ्तार थोड़ी धीमी पड़ती दिख सकती है। एक रिपोर्ट के मुतबाकि रिलायंस सिक्योरिटी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि भारतीय बाजारों में विदेशी निवेशकों की बिकवाली जारी रही सकती है। लेकिन जितनी बिकवाली अब तक हो गई है उसे देखकर अनुमान लगाया जा रहा है कि अब बिकवाली की रफ्तार थमती नजर आएगी। जियोजीत फाइनेंशियल ने कहा कि मई में दुनियाभर के बाजार कमजोर रहे लिहाजा मई में बिकवाली जारी रही। अब आगे बिकवाली में कमी देखने को मिलेगी। एफपीआई की बिकवाली वै श्विक बाजार पर निर्भर करेगी। विशेषज्ञ कहते हैं कि एफपीआई की बिकवाली पर यूएस बॉन्ड यील्ड का भी असर पड़ता है, जो इस समय अच्छे रिटर्न दे रहे हैं। पिछले एक महीने में शेयर बाजार में मची इस तबाही ने निवेशकों का 34 लाख करोड़ रुपए डुबा दिया है। बीसएई पर लिस्टेड कंपनियों का बाजार पूंजीकरण जहां 11 अप्रैल को 275.17 करोड़ रुपए था वह अब टूटकर 241.04 करोड़ रुपए पर पहुंच गया है।

(मार्केट कैप) सेंसेक्स की प्रमुख 10 में से आठ कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 2.48 लाख करोड़ घटा

- शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बरकरार रही

नई दिल्ली ।

बीते सप्ताह सेंसेक्स की प्रमुख 10 में से आठ कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में 2,48,372.97 करोड़ रुपए की गिरावट आई है। इस दौरान सबसे अधिक नुकसान रिलायंस इंडस्ट्रीज को उठाना पड़ा। सप्ताह के दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), एचडीएफसी बैंक, इन्फोसिस, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), एचडीएफसी और भारती एयरटेल का बाजार मूल्यांकन घट गया। वहीं दूसरी ओर हिंदुस्तान यूनिलीवर और कोटक महिंद्रा बैंक का बाजार पूंजीकरण चढ़ गया। समीक्षाधीन सप्ताह में रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 1,30,627.7 करोड़ रुपए घटकर 16,42,568.98 करोड़ रुपए, एसबीआई का बाजार पूंजीकरण 35,073.72 करोड़ रुपए घटकर 3,97,189.84 करोड़ रुपए, आईसीआईसीआई बैंक का बाजार मूल्यांकन 29,279.72 करोड़ रुपए टूटकर 4,70,856.80 करोड़ रुपए पर और इन्फोसिस का 16,869.36 करोड़ रुपए के नुकसान से 6,32,432.92 करोड़ रुपए पर आ गया। एचडीएफसी बैंक की बाजार हैसियत 14,427.28 करोड़ रुपए घटकर 7,16,641.13 करोड़ रुपए पर और भारती एयरटेल की 11,533.26 करोड़ रुपए के नुकसान के साथ 3,78,620.36 करोड़ रुपए पर आ गई। टीसीएस का बाजार मूल्यांकन 7,153.45 करोड़ रुपए घटकर 12,48,998.89 करोड़ रुपए पर और एचडीएफसी का 3,408.48 करोड़ रुपए के नुकसान से 3,86,636.58 करोड़ रुपए पर आ गया। इसके विपरीत हिंदुस्तान यूनिलीवर की बाजार हैसियत 10,514.42 करोड़ रुपए बढ़कर 5,15,582.56 करोड़ रुपए और कोटक महिंद्रा बैंक का बाजार मूल्यांकन 1,231.33 करोड़ रुपए के उछाल के साथ 3,53,200.33 करोड़ रुपए रहा। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही। उसके बाद क्रमशः टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, इन्फोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, आईसीआईसीआई बैंक, एसबीआई, एचडीएफसी, भारती एयरटेल और कोटक महिंद्रा बैंक का स्थान रहा।

फिर महंगा हुआ सीएनजी से गाड़ी चलाना

नई दिल्ली ।

देश के कई हिस्सों में सीएनजी गैस की कीमतें एक बार फिर बढ़ गई हैं। सीएनजी गैस की कीमतों में 2 रुपए प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी हुई हैं। बढ़ी हुई कीमतें रविवार सुबह 6 बजे से लागू हो गई हैं। इस तरह अब दिल्ली में सीएनजी गैस 73.61 रुपए प्रति किलोग्राम में मिलेगी। सीएनजी की कीमतों में ठीक एक महीने बाद यह बढ़ोतरी हुई है। इससे पहले 14 अप्रैल को सीएनजी के दाम ढाई रुपए प्रति किलोग्राम बढ़ाए गए थे। इसके बाद दिल्ली में एक किलो सीएनजी की कीमत 71.61 रुपए गई थी। दिल्ली में सीएनजी की कीमत 2 रुपए प्रति किलोग्राम बढ़कर 73.61 रुपए पर पहुंच गई है। नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गाजियाबाद में गैस की खुदरा कीमत 76.17 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है। वहीं मुजफ्फरनगर, मेरठ और शामली में सीएनजी गैस की कीमत 80.84 रुपए प्रति किलोग्राम हो गई है। गुरुग्राम में 81.94 रुपए प्रति किलोग्राम है। रेवाड़ी में 84.07 रुपए प्रति किलोग्राम, करनाल और कैथल में 82.27 रुपए प्रति किलोग्राम, कानपुर, हमीरपुर और फतेहपुर की में 85.40 रुपए प्रति किलोग्राम हो गई है। इसके अलावा राजस्थान में अजमेर, पाली और राजसमंद में 83.88 रुपए प्रति किलोग्राम हो गई है।

भारत ने पहली बार जीता थॉमस कप

14 बार की चैंपियन इंडोनेशिया को 3-0 से हराया, पीएम मोदी ने दी बधाई

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

भारत ने थॉमस कप बैडमिंटन टूर्नामेंट के फाइनल में 14 बार की चैंपियन इंडोनेशिया को परास्त करके गोल्ड मेडल अपने नाम किया है। इस मुकाबले से शुरुआती तीनों मुकाबले में भारतीय खिलाड़ियों ने इंडोनेशियाई खिलाड़ियों के छक्के छुड़ा दिए। भारतीय पुरुष टीम के लिए लक्ष्य सेन ने एंथोनी गिंटिंग को 65 मिनट में 8-21, 21-17, 21-16 से हराया। इसके बाद डब्ल्स में भी भारत ने शानदार खेल दिखाया। इस दौरान चिराग शेट्टी और सात्विक साईराज की जोड़ी ने मुकाबला अपने नाम किया और अंततः किंदांबी श्रीकांत ने बाजी मारी। उन्होंने जोनाथन क्रिस्टी को 21-15, 23-21 से हराया।

थॉमस कप टूर्नामेंट में लहराया तिरंगा

भारतीय टीम ने पहली बार थॉमस कप टूर्नामेंट में गोल्ड मेडल हासिल किया। इस दौरान भारत ने फाइनल में 3-0 से हरा दिया। यह अपने आप में भारत के लिए सबसे बड़ी जीत थी। भारतीय पुरुष टीम ने मलेशिया और डेनमार्क जैसी टीम को हराकर पहली बार फाइनल में जगह बनाई थी और फाइनल में भी अपना पूरा दम खम दिखाया। भारत के लिए यह एतिहासिक लम्हा है। जब भारतीय तिरंगा लहरा रहा है। भारतीय खिलाड़ियों ने अपने से बेहतर रैंकिंग वाली टीम के खिलाफ आत्मविश्वास के साथ मुकाबला खेला और सफलता हासिल की।

पीएम मोदी ने दी बधाई

भारतीय खिलाड़ियों को थॉमस कप की जीत पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बधाई दी। उन्होंने ट्वीट किया कि भारतीय बैडमिंटन टीम ने रचा इतिहास! भारत के थॉमस कप जीतने से पूरा देश उत्साहित है! हमारी कुशल टीम को बधाई और उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं। यह जीत कई आगामी खिलाड़ियों को प्रेरित करेगी।

नकद पुरस्कार का ऐलान

खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने खिलाड़ियों को जीत की बधाई देते हुए एक करोड़ रुपए के नकद पुरस्कार का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि बधाई हो भारतीय टीम !

जोकोविच 1000वीं जीत के साथ इटली ओपन के फाइनल में, सितसिपास से होगी भिड़ंत

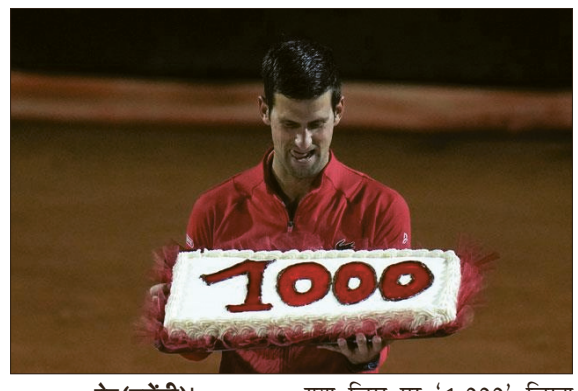

रोम (एजेंसी)।

फ्रेंच ओपन से एक हफ्ता पहले सर्बिया के स्टार खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने शानदार लय हासिल करते हुए शनिवार को यहां कास्पर रूड को सीधे सेटों में हराकर इटली ओपन टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई। दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी जोकोविच ने रूड पर 6-4, 6-3 की जीत के साथ साल के अपने अब तक के सबसे बड़े फाइनल में जगह बनाई जहां वह छठा खिताब जीतने का प्रयास करेंगे।

जोकोविच ने अपने करियर की 1000वीं जीत दर्ज की। वह यह उपलब्धि हासिल करने वाले जिमी कोनर्स(1,274 जीत), रोजर फेडरर (1,251), इवान लेंडल (1,068) और रफेल नडाल (1,051) के बाद सिर्फ पांचवें पुरुष खिलाड़ी हैं। मैच के बाद जोकोविच को केक दिया गया जिस पर '1,000' लिखा था। कोरोना वायरस से जुड़ा टीकाकरण नहीं कराने के कारण जोकोविच को सत्र के दौरान कई टूर्नामेंट से बाहर रहना पड़ा जिसमें आस्ट्रेलियाई ओपन भी शामिल है।

जोकोविच फाइनल में स्टीफनोस सितसिपास से भिड़ेंगे और यूनान के इस खिलाड़ी के खिलाफ लगातार पांच मैच जीतने के क्रम को आगे बढ़ाना चाहेंगे। सितसिपास ने एलेक्सांद्र ज्वेरेव को कड़े मुकाबले में 4-6, 6-3, 6-3 से हराकर पहली बार रोम में फाइनल में जगह बनाई। महिला सेमीफाइनल में शीर्ष वरीय इगा स्वियाटेक ने एरिना सबालेंका को 6-2, 6-1 से हराकर लगातार 27वीं जीत दर्ज की। फाइनल में उनका सामना ओन्स जेबुर से होगा जिन्होंने दारिया कसात्किना को 6-4, 1-6, 7-5 से हराकर लगातार 11वां मुकाबला जीता।

साहा का अर्धशतक, गुजरात टाइटंस ने चेन्नई सुपरकिंग्स को 7 विकेट से हराया

मुबई (एजेंसी)।

चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाफ खेले गए आईपीएल 2022 का 62वां मैच में गुजरात टाइटंस ने सात विकेट से जीत दर्ज की। मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए मैच में चेन्नई ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया और 5 विकेट गंवाकर रुतुराज गायकवाड (53) की अर्धशतकीय पारी की बदौलत 133 रन बनाए। गुजरात की तरफ से शमी ने दो जबकि राशिद खान, अल्ज़ारी जोसेफ और साई किशोर ने एक-एक विकेट अपने नाम किया। इसके जवाब में गुजरात ने अच्छी शुरूआत की और रिद्धिमान साहा की अर्धशतकीय पारी (57 गेंदों पर 8 चौकों और एक छक्के की मदद से 67 रन) की बदौलत टीम ने तीन विकेट गंवाकर पांच गेंदें शेष रहते लक्ष्य हासिल कर लिया।

प्ले आफ की उम्मीद बरकरार रखने उतरेंगे दिल्ली कैपिटल्स और पंजाब किंग्स

नवी मुंबई। (एजेंसी)।

प्रदर्शन में निरंतरता लाने के लिए जूझ रही दिल्ली कैपिटल्स और पंजाब किंग्स की टीम सोमवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग मैच में एक-दूसरे को हराकर प्ले आफ में जगह बनाने की उम्मीद जीवंत रखने के इरादे से उतरेंगी। दोनों ही टीम मौजूदा सत्र में अब तक लगातार दो मैच नहीं जीत पाई हैं और दोनों ही टीम एक और मुकाबला हारने की स्थिति में भी नहीं हैं। पंजाब की टीम 12 अंक के साथ अंक तालिका में सातवें स्थान पर है और उसका नेट रन रेट प्लस 0.023 है। दिल्ली की टीम के भी 12 ही अंक हैं लेकिन प्लस 0.210 के अच्छे नेट रन रेट के कारण टीम पांचवें स्थान पर है जिससे उसे दो या अधिक टीम के समान अंक होने की स्थिति में फायदा मिल सकता है।

पिछले मैच में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ आठ विकेट की जीत के बाद दिल्ली कैपिटल्स की टीम बढ़े हुए आत्मविश्वास के साथ मुकाबले में उतरेगी जबकि पंजाब किंग्स ने भी अपने पिछले मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर को हराया था। दिल्ली के सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर काफी अच्छी लय में हैं लेकिन दूसरा सलामी बल्लेबाज टीम के लिए चिंता का विषय बना हुआ है। मनदीप सिंह और श्रीकर भरत ने पृथ्वी साव की गैरमौजूदगी में निराश किया है। टाइफाइड से उबर रहे पृथ्वी भी हालांकि मौजूदा सत्र में उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। पृथ्वी को अस्पताल से छुट्टी मिल गई है लेकिन यह देखना होगा कि यह युवा खिलाड़ी सोमवार को इस अहम मुकाबले के लिए फिट हो पाता है या नहीं। दिल्ली के लिए हालांकि यह राहत की बात है कि मिशेल मार्श अंततः लय में लौट गए हैं। इस आक्रामक आलराउंडर ने रॉयल्स के खिलाफ बल्ले और गेंद दोनों ने अच्छा प्रदर्शन किया और टीम की सफलता के लिए उनकी और वॉर्नर की भूमिका अहम रहेगी।

सीएसके टीम के कप्तान बन सकते हैं ऋतुराज: सहवाग

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेन्द्र सहवाग ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम के युवा बल्लेबाज ऋतुराज गायकवाड़ की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि उनके पास सीएसके का कप्तान बनने की सभी योग्यताएं हैं हालांकि आईपीएल के इस सत्र में इस क्रिकेटर का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा और उसने 12 मैचों में 26.08 के औसत से केवल 313 रन ही बनाए हैं। सहवाग ने कहा कि अगर यह युवा क्रिकेटर अगले 3-4 सीजन में अच्छा स्कोर करता है तो उसे सीएसके की कप्तानी मिलना तय है। पूर्व सलामी बल्लेबाज के अनुसार धोनी की तरह ही ऋतुराज में भी गुण हैं, केवल उन्हें भाग्य का साथ चाहिये। सहवाग ने कहा, 'अगर रुतुराज 3-4 और सीजन में अच्छा स्कोर करते हैं, तो वह धोनी के बाद लंबे समय तक सीएसके टीम के कप्तान बन सकते हैं।'

पृथ्वी को अस्पताल से छुट्टी मिली

मुंबई । दिल्ली कैपिटल्स के क्रिकेटर पृथ्वी शॉ की आईपीएल में वापसी हो सकती है। पृथ्वी को अस्पताल से छुट्टी मिल गयी है। उन्हें इस महीने की शुरुआत में ही तेज बुखार के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था। दिल्ली कैपिटल्स ने अपने एक बयान में कहा, ' टीम के सलामी बल्लेबाज पृथ्वी को अस्पताल से छुट्टी मिल गयी है। वह टाइफाइड से पूरी तरह से उबर गये हैं पर टीम होटल में चिकित्सा टीम अब भी उनकी हालत पर नजर रखे हुएहै।'

पृथ्वी ने दिल्ली कैपिटल्स की ओर से अपना पिछला मुकाबला एक मई को लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ खेला था और उसके बाद से ही बीमार होने के कारण वह टीम से बाहर थे। उनके तीन मुकाबलों में बाहर रहने से टीम को अच्छी शुरुआत नहीं मिल पायी। अब पृथ्वी की वापसी से टीम की बल्लेबाजी बेहतर होने की उम्मीदें हैं। इस क्रिकेटर ने स्वयं अस्पताल से इस्टाग्राम पर लिखा था कि उन्हें जल्द वापसी की उम्मीद है। पृथ्वी ने इस आईपीएल सत्र में अब तक नौ मैच में 28.77 के औसत से 259 रन बनाए हैं और इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 160 रहा।

एंड्रयू साइमंड्स नहीं रहे, कार एक्सीडेंट में ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर ने 46 साल की उम्र में गवाई जान

सिडनी। (एजेंसी)।

आस्ट्रेलिया के पूर्व टेस्ट क्रिकेटर एंड्रयू साइमंड्स की उत्तरी आस्ट्रेलिया के टाउन्सविले शहर में सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। साइमंड्स 46 बरस के थे। क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने साइमंड्स के निधन की सूचना रविवार को अपनी वेबसाइट के जरिए दी जिसमें पुलिस के बयान के अलावा शनिवार देर रात हुई दुर्घटना की विस्तृत जानकारी दी गई है। वेबसाइट पर साइमंड्स को अपने अंतरराष्ट्रीय करियर के शीर्ष पर रहने के दौरान हीरो और आस्ट्रेलिया के अब तक के सबसे कुशल आलराउंडर में से एक बताया गया है। वेबसाइट पर कहा गया, ''करियर के शीर्ष पर रहने के दौरान क्वीन्सलैंड के इस खिलाड़ी के ढेरों प्रशंसक थे जो उनके आक्रामक खेल के कारण ही नहीं बल्कि उनके व्यक्तित्व के कारण भी थे।'' साइमंड्स ने आस्ट्रेलिया के लिए 26 टेस्ट खेले जिसमें उन्होंने दो शतक जड़े। वह हालांकि सीमित ओवरों के विशेषज्ञ क्रिकेटर के रूप में बेहतर पहचाने जाते हैं। दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने आस्ट्रेलिया के लिए 198 एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले और दो बार विश्व कप जीतने वाली टीम का हिस्सा रहे।

खिलाड़ी के रूप में संन्यास लेने के बाद साइमंड्स ने कमेंटेटर के रूप लोकप्रियता हासिल की। क्वीन्सलैंड पुलिस ने कहा है कि दुर्घटना टाउन्सविले से लगभग 50 किमी दूर हार्वे रेंज पर हुई। पुलिस के बयान के अनुसार, ''शुरुआती सूचना से संकेत मिले हैं कि रात 11 बजे के बाद कार हार्वे रेंज रोड पर चलाई जा रही थी और एलिस नदी के पुल के समीप यह सड़क से उतरकर पलट गई।'' इसमें कहा गया, ''आपात सेवा कर्मचारियों ने 46 साल के चालक को बचाने का प्रयास किया जो गाड़ी में अकेला व्यक्ति था। हालांकि चोटों के कारण उनकी मौत हो

गई।'' साइमंड्स के परिवार ने निजता की अपील की है। आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान एलेन बॉर्डर उन लोगों में शामिल रहे जिन्होंने रविवार को साइमंड्स को श्रद्धांजलि दी।

कोरोना संक्रमण के कारण चीन ने एएफसी एशियाई कप की मेजबानी से इंकार किया

कुआलालंपुर । चीन ने बढ़ते हुए कोरोना संक्रमण को देखते हुए एएफसी एशियाई कप फाइनल चरण की मेजबानी से इंकार कर दिया है। इससे पहले चीन ने एशियाई खेलों और डायमंड लीग ट्रैक की मेजबानी से भी मना कर दिया था। इससे साफ है कि चीन में कोरोना संक्रमण के मामले काबू में नहीं आ रहे हैं। एशियाई फुटबॉल परिसंघ (एएफसी) ने कहा कि चीन के फुटबॉल संघ ने उसे आधिकारिक तौर पर बताया है कि वह अगले साल इस महाद्वीपीय टूर्नामेंट की मेजबानी करने में असमर्थ है। एएफसी ने अपने एक बयान में कहा कि चीनी फुटबॉल संघ (सीएफए) के साथ विचार के बाद एशियाई फुटबॉल परिसंघ (एएफसी) को सीएफए ने आधिकारिक तौर पर जानकारी दी है कि वह एएफसी एशियाई कप 2023 की मेजबानी नहीं कर सकेगा। चीन को जून 2019 में पेरिस में एएफसी की बैठक के बाद 2023 एएफसी एशियाई कप के मेजबान के रूप में नामांकित किया गया था। एशियाई कप 16 जून से 16 जुलाई तक देश के 10 शहरों में रखा गया था। एएफसी ने कहा कि चीन में कोरोना महामारी के कारण हुई असाधारण स्थिति को वह स्वीकार करता है, जिसके कारण चीन ने मेजबानी के अपने अधिकारों को छोड़ने का फैसला किया है।

रायुडू ने 'आईपीएल से संन्यास' की घोषणा के बाद वापस लिया फैसला

मुंबई (एजेंसी)।

चेन्नई सुपर किंग्स के खेमे की उथल-पुथल एक बार फिर सामने आई जब अनुभवी बल्लेबाज अंबाती रायुडू ने सोशल मीडिया पर ' आईपीएल से संन्यास' की घोषणा की, लेकिन एक घंटे के अंदर टीम प्रबंधन द्वारा संपर्क किए जाने के बाद इस वह इस फैसले से पीछे हट गए। चेन्नई की टीम पहले ही प्ले-ऑफ की दौड़ से बाहर हो गयी है। टीम के हालांकि अभी कुछ मैच बाकी हैं। पूर्व कप्तान रवींद्र जडेजा 'चोटिल' होने के कारण पहले ही टीम का साथ छोड़कर अपने घर चले गये है। इस घटना ने हालांकि इन अटकलों को हवा दिया कि उनका प्रबंधन के साथ विवाद हो गया है। रायुडू ने शनिवार की सुबह ट्विटर के जरिये इस लीग से संन्यास की घोषणा की। भारत के सीमित ओवर प्रारूप के इस खिलाड़ी ने ट्वीट किया, '' मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि यह मेरा आखिरी आईपीएल होगा। मुझे इस लीग के अपने 13 साल के सफर में दो महान टीमों का हिस्सा बनने का मौका मिला और उनके साथ मैंने शानदार समय बिताया। इस शानदार यात्रा के लिए मुंबई इंडियंस और चेन्नई सुपर किंग्स को ईमानदारी से धन्यवाद देना चाहूंगा।'' उन्होंने हालांकि एक घंटे के अंदर आपने इस पोस्ट को हटा दिया। पता चला कि उनके इस फैसले से टीम के मालिक और टीम प्रबंधन पूरी तरह से अनजान थे। चेन्नई सुपर किंग्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी काशी विश्वनाथ ने पीटीआई-से कहा, '' मैं पुष्टि कर सकता हूं कि अंबाती रायुडू आईपीएल से सन्यास नहीं ले रहे हैं। हां, उन्होंने इसके बारे में ट्वीट किया था। हो सकता है कि उन्होंने भावनात्मक स्थिति में आकर ट्वीट किया। उनसे बात की गई है जिसके बाद इस ट्वीट को डिलीट कर दिया गया है।''

रोमांचक टाईब्रेक में मकसीम लागरेव नें जीता सुपर बेट क्लासिक शतरंज

बुकारेस्ट, रोमानिया । 2022 ग्रांड चैस टूर का पहले टूर्नामेंट सुपर बेट क्लासिक शतरंज के अंतिम और नौवे राउंड में जोरदार रोमांच देखने को मिला और एक समय प्रतियोगिता में खिताब की दौड़ से दूर नजर आ रहे फ्रांस के दिग्गज ग्रांड मास्टर और वर्तमान विश्व रैपिड चैम्पियन मकसीम लागरेव नें टाईब्रेक में जीत दर्ज करते हुए खिताब अपने नाम कर लिया है । दरअसल हुआ यूं की अंतिम राउंड में सबसे आगे चल रहे यूएसए के वेसली सो और लेवोन अरोनियन नें सुरक्षित खेलते हुए क्रमशः हमवतन दोमिंगेज पेरेज और अजरबैजान के शाखरियर ममेद्यारोव से बाजी ड्रॉ खेली और कुल 5.5 अंक बना लिए ऐसे में 4.5 अंको पर खेल रहे फ्रांस के मकसीम लागरेव नें हमवतन और टूर्नामेंट के टॉप सीड अलीरेजा फिरौजा को काले मोहरो से गुन्फील्ड ओपनिंग में पराजित करते हुए वेसली और अरोनियन की बराबरी हासिल कर ली और फिर टूर्नामेंट के नियमों के अनुसार तीनों के बीच में रैपिड टाईब्रेक हुआ जिसमें मकसीम नें अपनी महारत साबित करते हुए सो और अरोनियन दोनों को मात देकर खिताब अपने नाम कर लिया । मकसीम को खिताब जीतने पर करीब 60 लाख तो वेसली और अरोनियन को 52 लाख पुरुष्कार स्वरूप मिले । अन्य खिलाड़ियों में रोमानिया के डेनियल बोगदान ,यूएसए के दोमिंगेज पेरेज और फबियानों करूआना 4.5 अंक ,फ्रांस के अलीरेजा और रूस के यान नेपोमिन्सी 4 अंक ,हंगरी के रिचर्ड रापोर्ट और अजरबैजान के शाखरियर ममेद्यारोव 3.5 अंक बना सके ।

मैथ्यूज की शतकीय पारी से श्रीलंका ने बांग्लादेश के खिलाफ चार विकेट पर 258 रन बनाये

चटगांव (बांग्लादेश) (एजेंसी)।

पूर्व कप्तान एंजेलो मैथ्यूज के करियर की 12वीं शतकीय पारी के दम पर श्रीलंका ने बांग्लादेश के खिलाफ दो मैचों की श्रृंखला के पहले टेस्ट के शुरुआती दिन रविवार को चार विकेट पर 258 रन बना लिये।

दिन का खेल खत्म होते समय मैथ्यूज 114 और अनुभवी दिनेश चांदीमल 34 रन बनाकर खेल रहे थे। कुशल मेंडिस ने भी 54 रन की पारी खेलने के साथ तीसरे विकेट के लिए मैथ्यू के साथ 92 रन की साझेदारी की। श्रीलंका के कप्तान दिमुथ करुणारत्ने ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया लेकिन वह ऑफ स्पिनर नईम हसन के खिलाफ संघर्ष करते दिखे। पिछले साल फरवरी के बाद अपना पहला टेस्ट खेल रहे नईम ने अंततः करुणारत्ने को नौ रन के निजी स्कोर पर पगबाधा आउट करके बांग्लादेश को पहली सफलता दिलाई। दूसरे छोर से ओशादा फर्नांडो ने नियमित अंतराल पर बाउंड्री लगाई। उन्होंने लांग आन पर छक्का भी जड़ा लेकिन लंच से ठीक पहले नईम की गेंद पर पगबाधा हो गए।

उन्होंने डीआरएस का सहारा भी लिया लेकिन तीसरे अंपायर का फैसला भी गेंदबाज के पक्ष में गया। उन्होंने 36 रन बनाए। इसके बाद मेंडिस और मैथ्यूज ने शानदार साझेदारी कर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। इस दौरान मेंडिस ने ताइजुल इस्लाम (73 रन पर एक विकेट) की गेंद पर एक रन लेकर 93 गेंद पर अपना 13 अर्धशतक पूरा किया।

इसके कुछ समय के बाद मैथ्यूज ने भी 111 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया। दिन के आखिरी सत्र की पहली गेंद पर ताइजुल ने मेंडिस को चलता किया। अनुभवी शाकिब अल हसन ने धनंजय डि सिल्वा (छह रन) को शाकिब अल हसन (27 रन पर एक विकेट) को पवेलियन की राह दिखायी। श्रीलंका का स्कोर चार विकेट पर 183 रन होने के बाद मेंडिस और चांदीमल ने टीम को कोई और नुकसान नहीं होने दिया और 75 रन की अटूट साझेदारी कर मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। मैथ्यूज ने बायें हाथ के तेज गेंदबाज शरीफुल इस्लाम के खिलाफ एक रन लेकर 183 गेंद में अपना शतक पूरा किया। पिछले साल जनवरी के बाद यह

उनकी पहली शतकीय पारी है। मैच से पहले जाहुर अहमद चौधरी स्टेडियम में आस्ट्रेलिया के पूर्व टेस्ट क्रिकेटर एंड्रयू साइमंड्स की याद में एक मिनट का मौन रखा गया। शनिवार रात आस्ट्रेलिया के टाउन्सविले शहर में सड़क दुर्घटना में साइमंड्स की मौत हो गई।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

तिरुपति बालाजी मंत्र अत्यंत प्रभावशाली है

तिरुपति बालाजी का दिव्य-भव्य मंदिर आज भी दक्षिण भारतीय वास्तुकला और शिल्प का सर्वोत्तम उदाहरण है। भगवान तिरुपति बालाजी भगवान विष्णु का ही दूसरा रूप है। तिरुपति बालाजी मंत्र से भगवान बालाजी को प्रसन्न किया जाता है, उनके प्रति सम्मान और श्रद्धा प्रकट की जाती है। तिरुपति बालाजी मंत्र अत्यंत प्रभावशाली है.।

भगवान तिरुपति बालाजी मंत्र-

ऊँ श्री वेंकटेश्वराये नमो नमः.
श्रीमन नारायण नमो नमः.
तिरुमल तिरुपति नमो नमः.
जय बालाजी नमो नमः
ऊँ श्री वेंकटेश्वराये नमो नमः.
श्रीमन नारायण नमो नमः.
तिरुमल तिरुपति नमो नमः.
जय बालाजी नमो नमः.

- यह मंत्र एक शुद्ध ध्वनि कंपन है जो मन को मोह माया और भ्रम से बचाता है।
- इस जप मंत्र को निरंतर दोहराने की प्रक्रिया करने से यह जप मंत्र प्राण में ऊर्जा भर देता है।
- जब इस मंत्र का उच्चारण किया जाता है तो मन शांत होकर ध्यान मुद्रा में चला जाता है।
- उच्चारण के बिना मंत्रों की शक्ति कम हो जाती है और कामना पूर्ति या लक्ष्य प्राप्ति में उनका प्रभाव नहीं होता है।
- इस मंत्र को पढ़ने से खुशी मिलती है। ये मन की भावनाओं को पवित्र कर शरीर में ऊर्जा का प्रवाह करता है।
- यह मंत्र भय की भावनाओं को कम करता है। रचनात्मक प्रक्रिया को बढ़ाता है।
- शारीरिक दर्द और अवसाद को मन से दूर भगाता है।
- मन को शांत कर अच्छी नींद लाने में मदद करता है।
- इस मंत्र को हर रोज सुनने से आध्यात्मिक समृद्धि का अनुभव होता है।

करणी माता मंदिर, जहां होती है चूहों की पूजा

पौराणिक ग्रंथों के अनुसार हिन्दू धर्म में 33 करोड़ देवी-देवता माने गए है, जिनका पूजन भक्तों द्वारा अपने अपने ढंग से किया जाता है। हिन्दू धर्म में हवा, पृथ्वी, जल, पशु-पक्षी आदि को भी भगवान के रूप में पूजा जाता है तथा इनके मंदिरों के बारे में भी आपने कई बार सुना होगा। एक ऐसा ही मंदिर है - बीकानेर राजस्थान में, जो इन दिनों काफी चर्चा में है। ये है देशनोक का करणी माता मंदिर, जो दुनियाभर में 'चूहों के एकमात्र मंदिर' के नाम से भी प्रसिद्द है।

यह मंदिर उन 20 हजार काले और कुछ सफेद चूहों के लिए प्रसिद्ध है, जो इसी मंदिर में रहते है और पूजनीय है। यहां चूहों को पवित्र माना जाता है और इन्हें ''कब्बा'' कहा जाता है। बहुत से लोग दूर-दूर से इस मंदिर में चूहों के प्रति सम्मान व्यक्त करने और अपनी इच्छाओं को वास्तविकता के रूप में प्राप्त करने के लिए आते हैं। इसे 19वी शताब्दी में महाराजा गंगा सिंह द्वारा बनवाया गया था। मुगल शैली में डिजाइन किए गए इस मंदिर को बनाने में संगमरमर के पत्थरों का उपयोग किया गया है।

इस मंदिर का मुख्य द्वार ठोस चांदी से बना हुआ है। मंदिर के भीतर भी अन्य कई चांदी के दरवाजे स्थित है, जिनपर इस मंदिर के इतिहास से जुड़ी कलाकृतियां अंकित है। देवी का मंदिर आतंरिक गर्भगृह में है। साल 1999 में हैदराबाद के जौहरी कुन्दलाल वर्मा के सहयोग से इस मंदिर को और अधिक सजाया गया तथा संगमरमर की नक्काशी और चांदी के चूहे भी उनके द्वारा मंदिर को दान किए गए।

क्या है मंदिर की रोचक कहानी?

स्थानीय लोककथाओं के अनुसार , एक बार 20 हजार सैनिकों की फौज किसी युद्ध से पीठ दिखाकर देशनोक गांव भाग आई। जब करणी माता को इस बात का पता चला कि ये सैनिक युद्ध में पीठ दिखाकर यहां आए हैं, तो माता ने उन सभी सैनिकों को दण्डस्वरुप चूहों में बदल दिया। सैनिकों ने भी बदले में कृतज्ञता व्यक्त की और देवी से हमेशा उनकी सेवा करने का वादा किया। आपको सभी चूहों में से कुछ सफेद चूहे भी मिल सकते हैं, जिनके बारे में माना जाता है कि वे स्वयं करणी माता और उनके चार पुत्र हैं।

एक अन्य किंवदंती कहती है कि एक बार करणी माता का सौतेला पुत्र लक्ष्मण पानी पीने के दौरान कोलायत तहसील के कपिल सरोवर नामक तालाब में डूब गए थे। माता ने मृत्यु के देवता यम से उन्हें जीवनदान देने के लिए प्रार्थना की, जिसे यम ने पहले मना कर दिया और बाद में लक्ष्मण और माता के सभी नर बच्चों को चूहों के रूप में पुनर्जन्म की अनुमति दी। मंदिर का निर्माण 20 वीं शताब्दी की शुरुआत में पूरा हुआ था। यह मंदिर इसकी पौराणिक और लोककथाओं के लिए बहुत प्रसिद्ध है। मंदिर को उच्च आस्था का स्थान भी माना जाता है जहां लोग देवी का आशीर्वाद लेने आते हैं। यह भी माना जाता है कि अगर किसी चूहे को मार दिया जाए तो उसे चांदी के चूहे से बदल दिया जाना चाहिए।

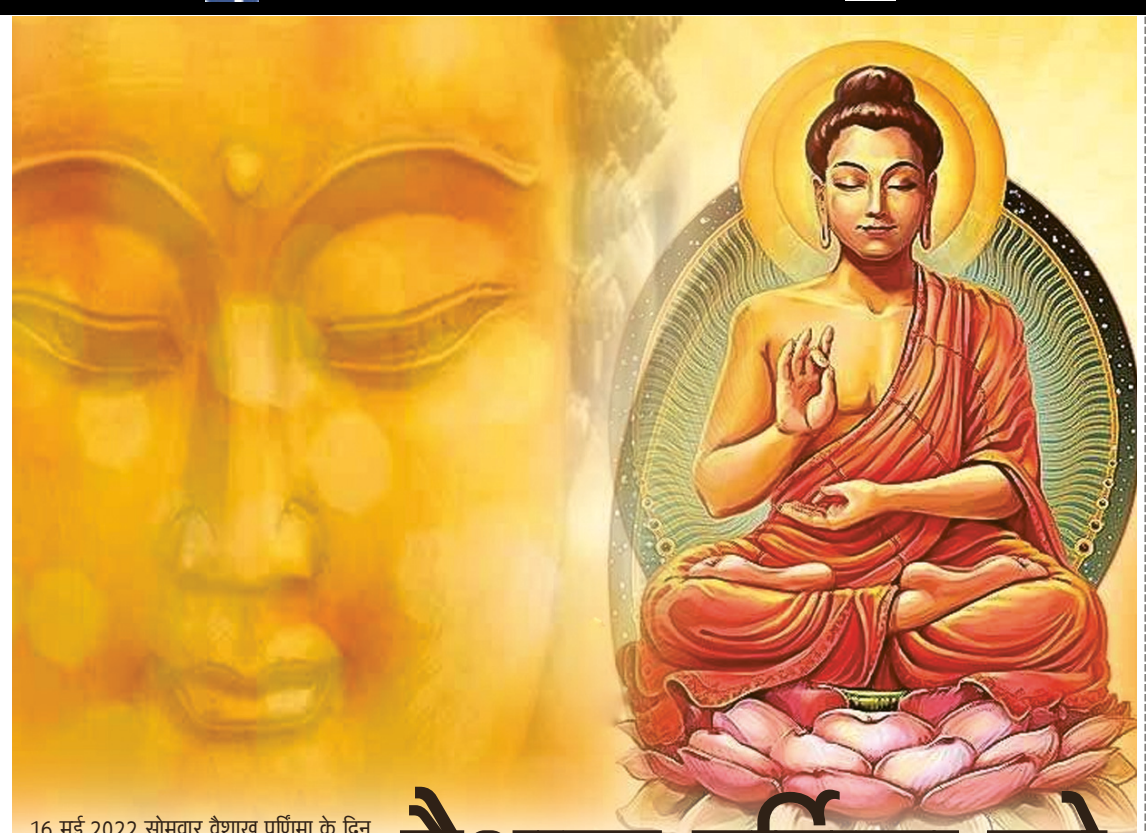

वैशाख पूर्णिमा को जन्मे थे महात्मा बुद्ध

16 मई 2022 सोमवार वैशाख पूर्णिमा के दिन बुद्ध पूर्णिमा यानी बुद्ध जयंती मनाई जाएगी। गौतम बुद्ध ने ही बौद्ध धर्म की स्थापना की थी। वाराणसी के 10 किलोमीटर पूर्वोत्तर में स्थित सारनाथ में गौतम बुद्ध ने अपना पहला उपदेश दिया। यहीं से उन्होंने धर्मचक्र प्रवर्तन प्रारंभ किया था। जानते हैं बौद्ध धर्म की खास बातें।

- ईसाई और इस्लाम धर्म से पूर्व बौद्ध धर्म की उत्पत्ति हुई थी। उक्त दोनों धर्म के बाद यह दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा धर्म है।
- इस धर्म को मानने वाले ज्यादातर चीन, जापान, कोरिया, थाईलैंड, कंबोडिया, श्रीलंका, नेपाल, भूटान और भारत आदि देशों में रहते हैं।
- पूर्व में यह धर्म यूनान, अफगानिस्तान, पाकिस्तान, बांग्लादेश और अरब के कई हिस्सों में फैला, किंतु ईसाई और इस्लाम के प्रभाव के चलते इस धर्म को मानने वाले लोग उक्त इलाकों में अब नहीं के बराबर ही है।
- इस धर्म के मुख्यतः दो संप्रदाय है हिनयान और महायान। हिनयान यानी छोटी गाड़ी या यान और महायान यानी बड़ी गाड़ी। हिनयान को ही थेरवाद भी कहते हैं। महायान के अंतर्गत बौद्ध धर्म की एक तीसरी शाखा थी वज्रयान। झेन, ताओ, शिंतो आदि अनेकों बौद्ध सम्प्रदाय भी उक्त दो सम्प्रदाय के अंतर्गत ही माने जाते हैं।
- बौद्ध धर्म के चार तीर्थ स्थल हैं- लुंबिनी, बोधगया, सारनाथ और कुशीनगर। लुम्बिनी तीर्थ नेपाल में है। बोधगया भारत के बिहार में है। सारनाथ भारत के उत्तरप्रदेश में काशी के पास हैं। कुशीनगर उत्तरप्रदेश के गोरखपुर के पास का एक जिला है।
- बौद्ध धर्म के धर्मग्रंथ को त्रिपिटक कहा जाता है। अर्थात तीन पिटक- विनय पिटक, सुत्त पिटक और अभिधम्म पिटक। त्रिपिटक सुत्तपिटक के खुद्दक निकाय के एक अंश धम्मपद को पढ़ने का ज्यादा प्रचलन है। बुद्ध ने अपने उपदेश पालि भाषा में दिए, जो त्रिपिटकों में संकलित हैं।
- गौतम बुद्ध के पिछले जन्म पर आधारित जातक कथाएं इस धर्म का शिक्षाप्रद ग्रंथ है। बौद्ध जातक कथाएं विश्व प्रसिद्ध हैं। जिनके आधार पर ही ईसप की कथाएं निर्मित हुई।
- बौद्ध धर्म के मूल तत्व है- चार आर्य सत्य, आष्टांगिक मार्ग, प्रतीत्यसमुत्पाद, अव्याकृत प्रश्नों पर बुद्ध का मौन, बुद्ध कथाएँ, अनात्मवाद और निर्वाण।
- वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा के दिन बुद्ध का जन्म हुआ था और इसी दिन उन्हें ज्ञान प्राप्त हुआ था तथा इसी दिन उन्होंने देह छोड़ दी थी अर्थात निर्वाण प्राप्त किया था इसलिए उक्त पूर्णिमा के दिन बुद्ध जयंती और निर्वाण दिवस मनाया जाता है। इसके अलावा आषाढ़ की पूर्णिमा का दिन भी बौद्धों का प्रमुख त्योहार होता है। वैशाख माह की पूर्णिमा के दिन बुद्ध का जन्म नेपाल के लुम्बिनी में ईसा पूर्व 563 को हुआ। इसी दिन 528 ईसा पूर्व उन्होंने भारत के बोधगया में सत्य को जाना और इसी दिन वे 483 ईसा पूर्व को 80 वर्ष की उम्र में भारत के कुशीनगर में निर्वाण (मृत्यु) को उपलब्ध हुए।
- दो शब्दों में बौद्ध धर्म को व्यक्त किया जा सकता है- अभ्यास और जागृति। बौद्ध धर्म नास्तिकों का धर्म है। कर्म ही जीवन में सुख और दुःख लाता है। सभी कर्म चक्रों से मुक्त हो जाना ही मोक्ष है। कर्म से मुक्त होने या ज्ञान प्राप्ति हेतु मध्यम मार्ग अपनाते हुए व्यक्ति को चार आर्य सत्य को समझते हुए अष्टांग मार्ग का अभ्यास कहना चाहिए यही मोक्ष प्राप्ति का साधन है।
- धम्मचक्र के आठ पहिए तथागत बुद्ध के बताए हुए अष्टांगिक मार्ग को दर्शाते हैं। बाद के अनुयायियों ने 24 आवश्यक गुण निर्धारित किए जैसे धैर्य, श्रद्धा, आत्म नियंत्रण आदि, इन्हें भी बाद के धर्मचक्र में 24 आरियों के रूप में प्रतीक रूप दर्शाया जाने लगा। अशोक के प्रस्तर लेखों में भी धर्मचक्र है और अशोक स्तम्भ में यह चक्र 24 आरियों का है। इसे ही भारत के राष्ट्रीय ध्वज में अपनाया गया है।

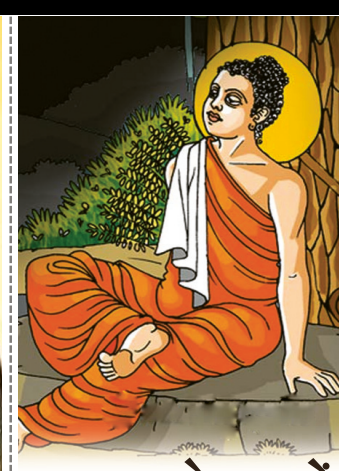

हर तरह के खतरों से सुरक्षित रखता है बौद्ध धर्म का चमत्कारी मंत्र

बौद्ध धर्म का एक विशेष मंत्र है, जो षडाक्षरीय मंत्र के नाम से प्रचलित हैं। यह चमत्कारी मंत्र सभी प्रकार के खतरों से सुरक्षा के लिए जपा जाता है। यह एक ऐसा चमत्कारिक मंत्र हैं, जो मनुष्य को जीवन में आने वाले हर परेशानी में सुरक्षित रखता है तथा संकट से पार लगा देता है। इस षडाक्षरीय मंत्र का उल्लेख अवलोकितेश्वरा में किया गया है।

बौद्ध धर्म का बीज मंत्र - 'ओम मणि पदमे हूम'

- इस मंत्र का जप बौद्ध धर्म की महायान शाखा में प्रमुख रूप से किया जाता है।
- यह मंत्र अक्सर प्रार्थना चक्र, स्तूपों की दीवार, धर्म स्थानों के पत्थरों, मणियों आदि में खुदा हुआ या चित्रित रूप में मिल जाता है।
- जिस प्रार्थना चक्र पर यह मंत्र खुदा होता है उसको 1 बार घुमाने पर माना जाता है कि उसने इस मंत्र को 10 लाख बार जपा है।
- यह मंत्र अंगूठी या अन्य आभूषणों में भी मुद्रित रहता है।
- बताया जाता है कि जो कोई इस मंत्र को जपता है, वह सब खतरों से सुरक्षित हो जाता है।

महात्मा बुद्ध से जुड़ी बड़ी जानकारियां

भगवान बुद्ध का जन्म वैशाख माह की पूर्णिमा के दिन हुआ था। इस बार अंग्रेजी कैलेंडर के अनुसार 16 मई 2022 को गौतम बुद्ध की जयंती मनाई जाएगी।

गौतम बुद्ध का जन्म स्थान : गौतम बुद्ध का जन्म ईसा से 563 साल पहले नेपाल के तराई क्षेत्र में कपिलवस्तु और देवदह के बीच नौतनवा स्टेशन से 8 मील दूर पश्चिम में रुक्मिनदेई नामक स्थान है, जहां एक लुम्बिनी नाम का वन था। वहां उनका जन्म हुआ था। दरअसल, कपिलवस्तु की महारानी महामाया देवी अपने नैहर देवदह जा रही थीं, तो रास्ते में लुम्बिनी वन में ही उन्होंने बुद्ध को जन्म दिया। गौतम बुद्ध का जन्म नाम सिद्धार्थ था। उनके पिता का नाम शुद्धोदन था। सिद्धार्थ के पिता शुद्धोदन कपिलवस्तु के राजा थे और उनका सम्मान नेपाल ही नहीं समूचे भारत में था। सिद्धार्थ ने गुरु विश्वामित्र के पास वेद और उपनिषद् तो पढ़े ही, राजकाज और युद्ध-विद्या की भी शिक्षा ली। कुश्ती, घुड़दौड़, तीर-कमान, रथ हांकने में कोई उसकी बराबरी नहीं कर पाता था।

पत्नि यशोधरा और पुत्र राहुल : गौतम बुद्ध शाक्यवंशी छत्रिय थे। शाक्य वंश में जन्मे सिद्धार्थ का सोलह वर्ष की उम्र में दंडपाणि शाक्य की कन्या यशोधरा के साथ विवाह हुआ। यशोधरा से उनको एक पुत्र मिला जिसका नाम राहुल रखा गया। बाद में यशोधरा और राहुल दोनों बुद्ध के भिक्षु हो गए थे।

भविष्यवाणी : बुद्ध के जन्म के बाद एक भविष्यवक्ता ने राजा शुद्धोदन से कहा था कि यह बालक चक्रवर्ती सम्राट बनेगा, लेकिन यदि वैराग्य भाव उत्पन्न हो गया तो इसे बुद्ध होने से कोई नहीं रोक सकता और इसकी ख्याति समूचे संसार में अनंतकाल तक कायम रहेगी। राजा शुद्धोदन सिद्धार्थ को चक्रवर्ती सम्राट बनते देखना चाहते थे इसीलिए उन्होंने सिद्धार्थ के आस-पास भोग-विलास का भरपूर प्रबंध कर दिया ताकि किसी भी प्रकार से वैराग्य उत्पन्न न हो। बस यही गलती शुद्धोदन ने कर दी और सिद्धार्थ के मन में वैराग्य उत्पन्न हो गया।

शाक्य संघ से मतभेद : जनश्रुति मान्यता अनुसार एक बार वे शाक्यों के संघ में सम्मलित होने गए। वहां उनका विचारिक मतभेद हो गया। मन में वैराग्य भाव तो था ही, इसके अलावा क्षत्रिय शाक्य संघ से वैचारिक मतभेद के चलते संघ ने उनके समक्ष दो प्रस्ताव रखे थे। वह यह कि फांसी चाहते हो या कि देश छोड़कर जाना। सिद्धार्थ ने कहा कि जो आप दंड देना चाहें। शाक्यों के सेनापति ने सोचा कि दोनों ही स्थिति में कौशल नरेश को सिद्धार्थ से हुए विवाद का पता चल जाएगा और हमें दंड भुगतना होगा तब सिद्धार्थ ने कहा कि आप निश्चिंत रहें, मैं संन्यास लेकिन चुपचाप ही देश से दूर चला जाऊंगा। आपकी इच्छा भी पूरी होगी और मेरी भी।

गृहत्याग : आधी रात को सिद्धार्थ अपना महल त्यागकर 30 योजन दूर गोरखपुर के पास अमोना नदी के तट पर जा पहुंचे। वहां उन्होंने अपने राजसी वस्त्र उतारे और केश काटकर खुद को संन्यस्त कर दिया। उस वक्त उनकी आयु थी 29 वर्ष।

तपस्या : ज्ञान की तलाश में सिद्धार्थ घूमते-घूमते अलारा कलम और उद्दाका रामापुत्त के पास पहुंचे। उनसे उन्होंने योग-साधना सीखी। कई माह तक योग करने के बाद भी जब ज्ञान की प्राप्ति नहीं हुई तो उन्होंने उरुवेला पहुंच कर वहां घोर तपस्या की।

बोधिवृक्ष : सुजाता नाम की एक महिला ने वटवृक्ष से मन्नत माँगी थी कि मुझको यदि पुत्र हुआ तो खीर का भोग लगाऊँगी। उसकी मन्नत पूरी हो गई तब वह सोने की थाल में गाय के दूध की खीर लेकर वटवृक्ष के पास पहुँची और देखा की सिद्धार्थ उस वट के नीचे बैठे तपस्या कर रहे हैं। सुजाता ने इसे अपना भाग्य समझा और सोचा कि वटदेवता साक्षात हैं तो सुजाता ने बड़े ही आदर-सत्कार के साथ सिद्धार्थ को खीर भेंट की और कहा 'जैसे मेरी मनोकामना पूरी हुई है यदि तुम भी किसी मनोकामना से यहाँ बैठे हो तो तुम्हारी मनोकामना भी पूर्ण होगी।'

ज्ञान प्राप्ति : छः साल बीत गए तपस्या करते हुए। सिद्धार्थ की तपस्या सफल नहीं हुई। तब एक दिन कुछ स्त्रियां किसी नगर से लौटती हुई वहां से निकलीं, जहां सिद्धार्थ तपस्या कर रहे थे। उनका एक गीत सिद्धार्थ के कान में पड़ा- 'वीणा के तारों को ढीला मत छोड़ दो। ढीला छोड़ देने से उनका सुरीला स्वर नहीं निकलेगा। पर तारों को इतना कसो भी मत कि वे टूट जाएं।' बात सिद्धार्थ को जंच गई। वह मान गए कि नियमित आहार-विहार से ही योग सिद्ध होता है। अति किसी बात की अच्छी नहीं। किसी भी प्राप्ति के लिए मध्यम मार्ग ही ठीक होता है। बस फिर क्या था कुछ ही समय बाद ज्ञान प्राप्त हो गया। बोधी प्राप्ति की घटना ईसा से 528 वर्ष पूर्व की पूर्णिमा के दिन की है जब सिद्धार्थ 35 वर्ष के थे। भारत के बिहार में बोधगया में आज भी वह वटवृक्ष विद्यमान है जिसे अब बोधीवृक्ष कहा जाता है। सम्राट अशोक इस वृक्ष की एक शाखा श्रीलंका ले गए थे, वहां भी यह वृक्ष है।

उपदेश : वाराणसी के 10 किलोमीटर पूर्वोत्तर में स्थित सारनाथ में गौतम बुद्ध ने अपना पहला उपदेश दिया। यहीं से उन्होंने धर्मचक्र प्रवर्तन प्रारंभ किया था। उन्होंने अपने जीवन के अनुभव सुनाने के साथ ही चार आर्य सत्य और आष्टांगिक मार्ग के सिद्धांत को प्रतिपादित किया।

बौद्ध धर्म के पहले अनुयायी : वाराणसी के निकट सारनाथ में महात्मा बुद्द ने अपना पहला उपदेश पांच पंडितों, साधुओं को दिया, जो बौद्ध परंपरा में धर्मचक्रप्रवर्तन के नाम से विख्यात हैं। महात्मा बुद्ध ने तपस्स एवं मल्लक नाम के दो लोगों को बौद्ध धर्म का सर्वप्रथम अनुयायी बनाया, जिन्हें शूद्र माना जाता था। बौद्ध धर्म ने वर्ण व्यवस्था एवं जाति प्रथा का विरोध करता है।

प्रमुख शिष्य : गौतम बुद्ध के प्रमुख शिष्यों में आनंद, अनिरुद्ध, महाकश्यप, रानी खेमा (महिला), महाप्रजापति (महिला), भद्रिका, भृगु, किम्बाल, देवदत्त, उपाली आदि का नाम लिया जाता है।

पूर्व जन्म का ज्ञान : गौतम बुद्ध को अपने कई जन्मों की स्मृतियां थीं और यह भी वे अपने भिक्षुओं के भी कई जन्मों को जानते थे। यही नहीं वे अपने आसपास के पशु, पक्षी और पेड़-पौधे आदि के पूर्वजन्मों के बारे में भी भिक्षुओं को बता देते थे। जातक कथाओं में बुद्ध के लगभग 549 पूर्व जन्मों का वर्णन है।

देह के लिए झगड़ा : कहते हैं कि उनके अवशेषों पर मगध के राजा अजातशत्रु, कपिलवस्तु के शाक्यों और वैशाली के विच्छवियों आदि में भयंकर झगड़ा हुआ। जब झगड़ा शांत नहीं हुआ तो द्रोण नामक ब्राहमण ने समझौता कराया कि अवशेष आठ भागों में बांट लिए जाएं। ऐसा ही हुआ। आठ स्तूप आठ राज्यों में बनाकर अवशेष रखे गये। बताया जाता है कि बाद में अशोक ने उन्हें निकलवा कर 84000 स्तूपों में बांट दिया था। गौतम बुद्ध के अस्थि अवशेषो पर भट्टि (दभारत) में निर्मित प्रचीनतम स्तूप को महास्तूप की संज्ञा दी गई है।

अंतिम संदेश : कहते हैं कि भगवान बुद्ध ने एक वृक्ष के नीचे लेटकर अपने शिष्यों से पूछा कि अंतिम बार कुछ पूछना चाहते हो तो पूछें। अंत में भगवान बुद्ध ने कहा, 'हे भिक्षुओं, इस समय आज तुमसे इतना ही कहता हूंकि जितने भी संस्कार हैं, सब नाश होने वाले हैं, प्रमाद रहित हो कर अपना कल्याण करो। अप्प दीपो भवः। ऐसा कहते हुए देह को त्याग दिया। 483 ईसा पूर्व को 80 वर्ष की उम्र में पर्णिमा के दिन उन्होंने देह छोड़ी।

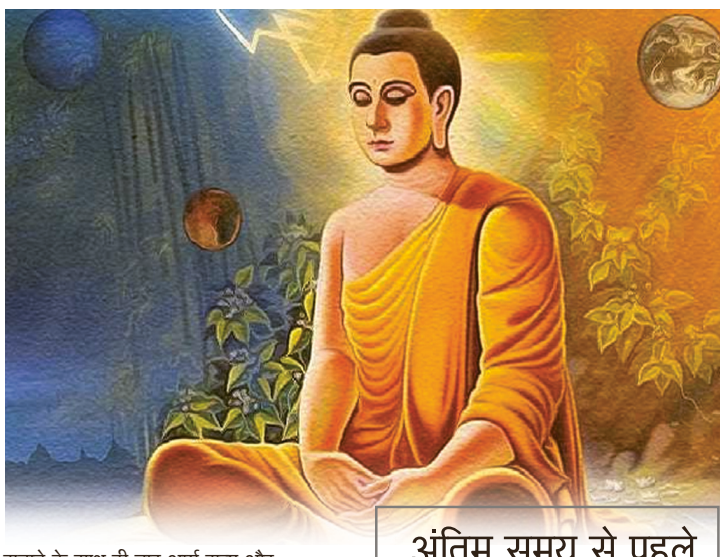

अंतिम समय से पहले

बुद्ध ने कहा, 'मेरा जन्म दो शाल वृक्षों के मध्य हुआ था, अतः अन्त भी दो शाल वृक्षों के बीच में ही होगा। अब मेरा अंतिम समय आ गया है।' आनंद को बहुत दुःख हुआ। वे रोने लगे। बुद्ध को पता लगा तो उन्होंने उन्हें बुलवाया और कहा, 'मैंने तुमसे पहले ही कहा था कि जो चीज उत्पन्न हुई है, वह मरती है। निर्वाण अनिवार्य और स्वाभाविक है। अतः रोते क्यों हो? बुद्ध ने आनंद से कहा कि मेरे मरने के बाद मुझे गुरु मानकर मत चलना।

जन्म, निर्वाण और मृत्यु का एक ही समय

बुद्ध ने अपने जन्म, संबोधि, निर्वाण और महापरिनिर्वाण में सभी समय का गजब तालमेल रखा। वैशाख पूर्णिमा के दिन नेपाल के लुम्बिनी वन में एक वृक्ष के नीचे बुद्ध का जन्म हुआ। इसी दिन उन्होंने बोधगया में एक वृक्ष के नीचे जाना कि सत्य क्या है और इसी दिन 80 वर्ष की उम्र में कुशीनगर में दो वृक्षों ने नीचे अलविदा कह गए।

6 दिन तक देह रही सुरक्षित

कहते हैं कि गौतम बुद्ध ने जब देह त्याग दी तक उनके जाने पर 6 दिनों तक लोग उनकी देह के दर्शनों के लिए आते रहे। सातवें दिन देह को जलाया गया।

आठ स्तूप

तथागत के निर्वाण के पश्चात उनके शरीर के अवशेष (अस्थियाँ) आठ भागों में विभाजित हुए और उन पर आठ स्थानों में आठ स्तूप बनाए गए हैं। आठ मुख्य स्तूप- कुशीनगर, पावागढ़, वैशाली, कपिलवस्तु, रामग्राम, अल्लकल्प, राजगृह तथा बेटद्वीप में बने। पिप्पलीय वन में अंगार स्तूप बना। कुम्भ स्तूप भी संभवतः कुशीनगर के पास ही बना। इन स्थानों में कुशीनगर, पावागढ़, राजगृह, बेटद्वीप (बेट-द्वारका) प्रसिद्ध हैं। पिप्पलीय वन, अल्लकल्प, रामग्राम का पता नहीं है। कपिलवस्तु तथा वैशाली भी प्रसिद्ध स्थान हैं।

सार समाचार

पाकिस्तान के पेशावर में दो सिख व्यापारियों की गोली मारकर हत्या, कैप्टन अमरिंदर सिंह ने की घटना की निंदा

पेशावर। पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों की लक्षित हत्या का एक नया मामला सामने आया है। पाकिस्तान में अज्ञात हथियारबंद लोगों ने दो सिख व्यापारियों की गोली मारकर हत्या कर दी। मृतकों की पहचान रंजीत सिंह और कुलजीत सिंह के रूप में हुई है, जो पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के पेशावर जिले के सरबंद इलाके के बड़ा बाजार में किराना कारोबार करते थे। जानकारी के अनुसार वे अपनी दुकानों पर बैठे थे तभी बदमाशों ने आकर उन पर फायरिंग कर दी। पुलिस के अनुसार बाइक सवार दो लोगों द्वारा सुबह हमला किए जाने के बाद सलजीत सिंह (42) और रंजीत सिंह (38) की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि ये दोनों लोग मसालों का कारोबार करते थे और पेशावर से लगभग 17 किलोमीटर दूर सरबंद के बाटा ताल बाजार में उनकी दुकानें थीं। अभी तक किसी भी समूह ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री महमूद खान ने हमले की कड़ी निंदा की है। खान ने पुलिस को दोषियों की गिरफ्तारी के लिए तत्काल कदम उठाने का निर्देश दिया है। उन्होंने घटना को अंतर-धार्मिक सौहार्द बिगाड़ने की साजिश करार देते हुए कहा कि मृतकों के परिवारों को न्याय दिलाया जाएगा। एसजीपीसी के अध्यक्ष हरजिंदर सिंह धामी ने घटना पर दुख व्यक्त करते हुए कहा कि पाकिस्तान और भारत की सरकारें पाकिस्तान में अल्पसंख्यक सिखों के जीवन और संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करने में विफल रही हैं। इस तरह की घटनाएं बार-बार हुईं लेकिन कभी न्याय नहीं मिला। हम एक बार फिर दो सिखों की कायरतापूर्ण हत्याओं की कड़ी निंदा करते हैं। पाकिस्तान सरकार को अपनी जिम्मेदारी पूरी लगन से निभानी चाहिए क्योंकि अल्पसंख्यकों की इस तरह की हत्याएं पूरी दुनिया, खासकर सिखों के लिए गंभीर चिंता का विषय है। हम मांग करते हैं कि दोषियों को तुरंत पकड़ा जाए और पीड़ित परिवारों को जल्द से जल्द न्याय दिया जाए।

अमेरिका : टीका लगवाने से इनकार करने पर वायुसेना के चार कैडेट नियुक्ति नहीं हासिल कर पाएंगे

वाशिंगटन। अमेरिकी वायुसेना अकादमी के चार कैडेट इस महीने न तो स्नातक की उपाधि हासिल कर सकेंगे, न ही सैन्य अधिकारियों के रूप में नियुक्त हो पाएंगे, क्योंकि उन्होंने कोविड-19 रोधी टीका लेने से इनकार कर दिया है। वायुसेना अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि चारों कैडट को उनके प्रशिक्षण पर खर्च हुए हजारों डॉलर का भुगतान भी करना पड़ सकता है। अमेरिका में यह पहली सैन्य अकादमी होगी, जहां कैडेट को इस तरह के दंड का सामना करना पड़ेगा। सेना और नौसेना ने कहा है कि वेस्ट प्वाइंट, न्यूयॉर्क तथा एनापोलिस स्थित सैन्य अकादमी व मेरीलैंड में मौजूद नौसेना अकादमी में अब तक किसी भी कैडेट को टीका लेने से इनकार करने के कारण ग्रैजुएट होने से नहीं रोका गया है। ग्रैजुएशन लगभग दो सप्ताह में होने वाला है। रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने पिछले साल सभी सैनिकों के लिए कोविड-19 टीकाकरण अनिवार्य कर दिया था। उन्होंने कहा था कि सैन्य तैयारी और सैनिकों के स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए टीकाकरण महत्वपूर्ण है। सैन्य अधिकारियों ने दलील दी है कि सैनिकों के लिए दशकों से कम से कम 17 टीके लगवाना अनिवार्य रहा है। सैन्य अकादमियों में पहुंचने वाले छात्रों को टीका न लगा होने की सूरत में पहले दिन ही खसरा, मम्प्स और रूबेला के टीकों की खुराक दी जाती है। अमेरिकी संसद और सेना के सदस्यों ने सवाल किया था कि क्या सैन्य सेवाओं को टीकाकरण से छूट की समीक्षा निष्पक्ष रही है। टीकाकरण की अनिवार्यता के खिलाफ कई मुकदमे दायर किए गए हैं, जो मुख्य रूप से इस तथ्य पर केंद्रित हैं कि बहुत कम सैन्य कर्मियों को टीकाकरण से धार्मिक छूट प्रदान की गई है।

लंदन स्थित कंपनी अपने कर्मचारियों को कैश में नहीं गोल्ड में वेतन देगी

लंदन । लंदन स्थित कंपकर्मचारियों को कैश में नहीं गोल्ड में वेतन देगीनी के सीईओ कैमरन पैरी अपने कर्मचारियों को कैश में नहीं गोल्ड में वेतन देगी।कंपनी का नाम टैलीमनी हैं, यह वित्तीय सेवाएं मुहैया कराती है। स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, पैरी ने कंपनी के कुछ शीर्ष अधिकारियों के साथ इसका प्रयोग शुरू किया है, जल्द ही इस सभी कर्मचारियों के लिए लागू किया जाएगा। पैरी का कहना है कि वह ऐसा अपने कर्मचारियों को मुद्रास्फीति के प्रभाव से बचाने के लिए कर रहे हैं। बकौल पैरी, इस समय में जब पारंपरिक धन लगातार अपनी क्रय शक्ति खो रहा है, सोना लोगों को मुद्रास्फीति से आगे रहने का सबसे अच्छा मौका देता है। पैरी ने कहा कि पाउंड की वैल्यू खतरनाक गति से घट रही थी, जबकि इस साल सोने का मूल्य लगातार चढ़ रहा था। उन्होंने कहा कि ये बदलाव एक खुले घाव पर मरहम लगाने जैसा है। कंपनी के पास 20 से कुछ अधिक कर्मचारी हैं और फिलहाल के लिए ये प्रयोग केवल वरिष्ठ कर्मचारियों के साथ किया जा रहा है। लेकिन कंपनी की योजना पूरे बोर्ड में नई वेतन योजना का विस्तार करने की है। बताया जा रहा हैं कि पैरी खुद अपना वेतन सोने में ले रहे हैं। पैरी ने कहा, जब पाउंड और पेंस में बिकने वाली वस्तुओं और सेवाओं को गोल्ड से खरीदा जाता है, तब इसकी वैल्यू और बढ़ जाती है। दरअसल, कंपनी की इस नई वेतन व्यवस्था से तात्पर्य कर्मचारियों को गोल्ड की ब्रिक या बिस्किट देना नहीं है। कर्मचारियों को वेतन भुगतान के समय पाउंड से गोल्ड का एक्सचेंज रेट उनके बैंक खातों में ट्रांसफर किया जाएगा। हालांकि, कर्मचारी इस नई व्यवस्था से बाहर रहना भी चुन सकते हैं और सीधे पाउंड में वेतन प्राप्त कर सकते हैं। गौरतलब है कि यूनाइटेड किंगडम में रहने की लागत लगातार बढ़ रही है और पाउंड का मूल्य दो साल के निचले स्तर पर आ गया है। बैंक ऑफ इंग्लैंड ने चेतावनी दी है कि 2022 अर्थव्यवस्था के लिए मंदी का साल होगा।

अमेरिका में गर्भपात पर सुप्रीम कोर्ट के सुझाव के बाद सड़कों पर उतरे लोग

वाशिंगटन । अमेरिका में सैकड़ों मार्च और रैलियां निकालकर प्रदर्शन कर रहे गर्भपात अधिकार समर्थकों ने आशंका जतायी है कि उच्चतम न्यायालय गर्भपात के संवैधानिक अधिकार को रद्द कर सकता है, जो लगभग आधी सदी से कायम है। उन्हें डर है कि इससे महिलाओं के प्रजनन के अधिकारों पर असर पड़ सकता है। वे एक मसौदा लीक होने के बाद से नाराज हैं, जिसमें संकेत दिया गया है कि अदालत की रूढ़िवादी बहुमत पीठ ऐतिहासिक रोए बनाम वेड फैसले को पलट सकती है। कार्यकर्ताओं ने फौरन एकजुट होने की आवश्यकता पर जोर दिया क्योंकि रिपब्लिकन पार्टी की अगुवाई वाले राज्य कड़े प्रतिबंध लागू करने की तैयारी में है। राष्ट्रीय राजधानी वाशिंगटन में बारिश के बीच हजारों समर्थक उच्चतम न्यायालय की ओर मार्च करने से पहले भाषण सुनने के लिए एकत्रित हुए। संघीय सरकार की कर्मचारी 64 वर्षीय सामंथा रीवर्स ने कहा कि मुझे यकीन नहीं होता कि इस उम्र में भी मुझे इस मुद्दे पर प्रदर्शन करना पड़ रहा है। एक अन्य महिला ने कहा कि मुझे लगता है कि महिलाओं के पास यह चुनने का अधिकार होना चाहिए कि वे अपने शरीर और अपनी जिंदगियों के साथ क्या करना चाहती हैं। मुझे नहीं लगता कि गर्भपात पर प्रतिबंध लगाने से गर्भपात बंद हो जाएगा। इससे बस चीजें असुरक्षित हो जाएगी और महिलाओं की जान को खतरा हो सकता है।

यूक्रेन की राजधानी कीव में अमेरिकी सीनेटरों का स्वागत करते हुए राष्ट्रपति ब्लादिमिर जेलेंस्की।

यूक्रेन का दावा खारकीव के कई इलाकों से पीछे हटी रूस की सेना, पूर्वी क्षेत्र में भीषण संघर्ष जारी

कीव (एजेंसी)

यूक्रेन की सेना ने बताया कि रूसी सैनिक देश के दूसरे सबसे बड़े शहर खारकीव पर हफ्तों तक बमबारी करने के बाद उसके आसपास के इलाकों से वापस जा रहे हैं। दूसरी ओर, कीव और मॉस्को के सैनिक देश के पूर्वी औद्योगिक क्षेत्र के लिए जंग लड़ रहे हैं। यूक्रेन की सेना ने कहा कि रूसी सैनिक उत्तरपूर्वी शहर खारकीव से पीछे हट रहे हैं और अब अपना पूरा ध्यान आपूर्ति मार्ग की सुरक्षा पर केंद्रित कर रहे हैं।

उन्होंने कहा रूसी सेना ने पूर्वी इलाके दोनेत्स्क में मोर्टार, तोपों के साथ-साथ हवाई हमले शुरू कर दिए हैं, ताकि ह्यायूक्रेनी सैनिकों को निशाना बनाया जा सके और उनकी मोचार्बंदी को नष्ट किया जा सके। यूक्रेन के रक्षामंत्री ओलेक्सी रेजनिकोव ने कहा कि यूक्रेन दीर्घकालिक युद्ध के नए दौर में प्रवेश कर रहा है। इस बीच अमेरिकी सीनेट (कांग्रेस के उच्च सदन) के प्रतिनिधिमंडल ने रिपब्लिकन नेता मिच मैक्कॉनेल के नेतृत्व में यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से मुलाकात की। यह मुलाकात यूक्रेन के प्रति अमेरिका का समर्थन व्यक्त करने के लिए की गई है।

जेलेंस्की के टेलीग्राम अकाउंट पर साझा एक वीडियो में मैक्कॉनेल, सुजैन कॉलिंस, जॉन ब्रासो और जॉन कॉर्निन राजधानी कीव में

उनसे मुलाकात करते नजर आ रहे हैं। यूक्रेनी राष्ट्रपति ने अपने टेलीग्राम पोस्ट में इस यात्रा को अमेरिकी कांग्रेस और अवाम की ओर से यूक्रेन के लिए द्विदलीय समर्थन का मजबूत संकेत बताया।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने 24 फरवरी को हमले के बाद कीव पर कब्जा जमाने में नाकाम रहने के बाद अब अपना ध्यान पूर्वी डोनबास क्षेत्र पर केंद्रित कर दिया है। यह एक औद्योगिक क्षेत्र है जहां यूक्रेन 2014 से मॉस्को समर्थित अलगाववादियों से लड़ाई लड़ रहा है। रूसी सेना का मकसद यूक्रेन के सबसे अनुभवी और उच्च कौशल वाले सैनिकों को घेरना है, जो पूर्वी क्षेत्र में तैनात हैं। इसके साथ ही उसका उद्देश्य डोनबास के क्षेत्रों और यूक्रेन के कब्जे वाले बाकी के क्षेत्रों पर नियंत्रण करना है।

लगातार हवाई हमलों और गोलाबारी के कारण पत्रकारों के लिए पूर्वी क्षेत्र में काम करना बहुत खतरनाक हो गया है, जिससे युद्ध की पूरी तस्वीर सामने लाने के प्रयास बाधित हुए हैं। रूस ने डोनबास के कुछ गांवों और शहरों पर कब्जा जमा लिया है, जिसमें रुबिझने भी शामिल है जहां युद्ध से पहले करीब 55,000 की आबादी थी। जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन की सेना ने पूर्वी क्षेत्र में भी प्रगति की है और छह शहरों या गांवों को फिर से अपने कब्जे में लिया है। शनिवार रात को दिए संबोधन में उन्होंने कहा डोनबास में हालात बहुत मुश्किल हैं और रूसी सेना अब भी किसी न किसी तरह विजयी होने की कोशिश में लगी है।

राष्ट्रपति ने कहा कदम दर कदम, हम रूसी सैनिकों को यूक्रेन की सरजमीं छोड़ने पर मजबूर कर रहे हैं। रूसी सीमा के समीप स्थित खारकीव में हफ्तों से भीषण बमबारी हो रही है। क्षेत्रीय गवर्नर ओलेह सिनेगुबोव ने कहा कि पिछले दिन खारकीव में कोई बमबारी नहीं हुई। उन्होंने बताया कि यूक्रेन ने खारकीव के दक्षिण में स्थित शहर लिजियम के समीप आक्रमण विरोधी अभियान शुरू किया है। यूक्रेन की सेना के एक स्वतंत्र विश्लेषक ओलेह झदानोव ने बताया सेवेरोदोनेत्स्क शहर के समीप सिवेस्की दोनेत्स रीवर पर भीषण लड़ाई हुई, लेकिन यूक्रेन, रूस की बढ़त रोकने में नाकाम रहा है। हालांकि, रूसी सेना को यूक्रेन के हमले में काफी नुकसान पहुंचा है। वहीं, जेलेंस्की ने यूक्रेन के अनाज को रूस द्वारा बंदरगाह पर रोके जाने के कारण वैश्विक खाद्य संकट की चेतावनी दी है।

चीन के बाद अब दक्षिण अफ्रीका में कोरोना की रफ्तार ने डराया, हर सप्ताह आ रहे आठ हजार नए केस

जोहान्सबर्ग । दक्षिण अफ्रीका में ओमीक्रोन के दो सब वेरिएंट की वजह से कोविड-19 के मामलों में तेज वृद्धि देखी गई है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका जैसे हालात दुनिया के किसी भी देश में पैदा हो सकते हैं। सोवेतो के क्रिस हानी बरगवनाथ अस्पताल में टीका और संक्रामक बीमारी विश्लेषण की अनुसंधानकर्ता प्रो मार्टा नून्स ने कहा कि गत तीन सप्ताह से देश में कोविड-19 के मामलों और अस्पताल में भर्ती होने वाले मरीजों की संख्या बढ़ रही है। हालांकि, राहत की बात यह है कि इस दौरान गंभीर मामलों और मौतों की संख्या में वृद्धि दर्ज नहीं की गई है। नून्स ने कहा कि हम मामलों में वृद्धि के लिहाज से अब भी शुरूआती दौर में हैं। इसलिए वास्तव में मैं इसे लहर नहीं कहना चाहती। उन्होंने कहा, हम अस्पताल में भर्ती होने वाले संक्रमितों की संख्या में हल्की वृद्धि देख रहे हैं, लेकिन मौतों की संख्या बहुत कम है। उल्लेखनीय है कि दक्षिण अफ्रीका में अप्रैल में रोजाना औसतन 300 नए मामले सामने आ रहे हैं, जिनकी संख्या इस सप्ताह संख्या बढ़कर आठ हजार हो गई है। नून्स ने कहा कि नए संक्रमितों की वास्तविक संख्या संभवत अधिक है क्योंकि संक्रमितों में हल्के लक्षण है और बीमार पड़ने पर ही लोग जांच करा रहे हैं। दक्षिण अफ्रीका में ओमीक्रोन के दो सब वेरिएंट बीए.4 और बीए.5 की पहचान की गई है जो बहुत हद तक मूल स्वरूप से मेल खाते हैं जिसकी सबसे पहले पहचान पिछले साल के उत्तरार्ध में दक्षिण अफ्रीका और बोत्सवाना में की गई थी।

मैंने सत्ता प्रतिष्ठान में मौजूद लोगों के नंबर 'ब्लॉक' किए : इमरान खान

इस्लामाबाद। (एजेंसी)

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने दावा किया है कि सत्ता प्रतिष्ठान के लोग उन्हें फोन कर रहे हैं लेकिन उन्होंने उनके नंबर 'ब्लॉक' कर दिए हैं। उन्होंने कहा कि वह आम चुनाव की घोषणा होने तक उनसे बात नहीं करना चाहते हैं। इमरान ने तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा कि 'इन अपराधियों को सत्ता में रहने देने की तुलना में पाकिस्तान पर परमाणु बम गिरा देना कहीं ज्यादा बेहतर है।' उल्लेखनीय है कि इमरान को संसद में अविश्वास प्रस्ताव के जरिये पदच्युत किया गया था। इसके साथ ही वह पाकिस्तान के पहले प्रधानमंत्री बन गए हैं जिन्हें संसद में अविश्वास मत के जरिये हटाया गया है। खान ने लोगों से संघीय राजधानी (इस्लामाबाद) के लिए 'ऐतिहासिक मार्च' करने के वास्ते तैयार रहने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि 'जब लोग सड़कों पर उतरेंगे तो कई विकल्प खुल जाएंगे।' पाकिस्तान के अखबार डॉन ने खान के हवाले से लिखा, 'सत्ता प्रतिष्ठान से संदेश

आ रहे हैं। लेकिन मैं किसी से तब तक बात नहीं करूंगा, जब तक आम चुनावों की घोषणा नहीं हो जाती।' खान ने कहा कि उन्होंने 'उनके नंबर ब्लॉक कर दिए हैं।' इमरान खान लगातार आरोप लगा रहे हैं कि अमेरिका ने विपक्ष के साथ मिलकर उनकी सरकार को पदच्युत करने के लिए षडयंत्र रचा। जियो न्यूज चैनल की खबर के अनुसार, खान ने लोगों से पूछा कि जिन्होंने 'षडयंत्र' का समर्थन किया, क्या वे पाकिस्तान के भविष्य को लेकर चिंतित हैं? उन्होंने कहा, 'इन अपराधियों को सत्ता में रहने देने की तुलना में पाकिस्तान पर परमाणु बम गिरा देना कहीं ज्यादा बेहतर है।

पाकिस्तान-चीन संबंधों को किसी को नुकसान नहीं पहुंचाने देंगे: बिलावल भुट्टो

इस्लामाबाद (एजेंसी)

पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी ने शनिवार को प्रतिबद्धता जताई कि किसी को भी पाकिस्तान और चीन की दोस्ती को नुकसान नहीं पहुंचाने दिया जाएगा। साथ ही उन्होंने कराची विश्वविद्यालय हमले की मुकम्मल जांच कराने और अपराधियों को सजा दिलाने का वादा भी किया। कराची विश्वविद्यालय हमले में चार लोगों की मौत हो गयी थी, जिनमें तीन चीनी नागरिक भी शामिल थे। कराची के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय में कन्फ्यूशियस संस्थान के बाहर एक वाहन में प्रतिबंधित बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) की एक बुर्का पहने महिला आत्मघाती हमलावर द्वारा किए गए विस्फोट में तीन चीनी के प्रोफेसर की मौत हो गई थी। इस घटना में वाहन का चालक भी मारा गया था। इस आतंकवादी हमले में मारे गये लोगों की याद में विदेश मंत्रालय द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में बिलावल भुट्टो ने कहा कि पूरा पाकिस्तान जान गंवाने वाले चीनी व्यक्तियों के परिजनों और वहां की जनता के साथ दुखी है। विदेश कार्यालय ने एक बयान में कहा, 'बिलावल ने कराची आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की और 'घटना की मुकम्मल जांच करने और अपराधियों को सजा दिलाने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता जताई। उन्होंने पाकिस्तान और चीन की पक्की दोस्ती को नुकसान नहीं पहुंचाने देने का दृढ़ संकल्प व्यक्त किया और इस बात पर जोर दिया कि पाकिस्तान-चीन का ह्यघनिष्ठ-भाईचारा बढ़ता रहेगा।'

जी-सात ने यूक्रेन में युद्ध से वैश्विक खाद्य संकट के प्रति आगाह किया

वेसेनहॉस (जर्मनी) (एजेंसी)

विकसित अर्थव्यवस्था वाले सात देशों के समूह ने शनिवार को आगाह किया कि यूक्रेन में युद्ध वैश्विक खाद्य और ऊर्जा संकट को भड़का रहा है जिससे गरीब देशों को खतरा है। जी-सात ने कहा कि यूक्रेन से अनाज के भंडार के अवरोध को हटाने के लिए तत्काल उपायों की आवश्यकता है जिसके मार्ग में रूस अड़चनें पैदा कर रहा है।

जर्मनी के बाल्टिक सागर तट पर स्थित वेसेनहॉस में तीन दिवसीय बैठक के अंत में जारी एक बयान में जी-सात ने सबसे कमजोर लोगों को और मानवीय सहायता प्रदान करने का संकल्प लिया। बैठक की मेजबानी करने वालीं जर्मन विदेश मंत्री एनालेना बारबॉक ने कहा कि युद्ध एक 'वैश्विक संकट' बन गया है। बारबॉक ने कहा कि आने वाले महीनों में पांच करोड़ लोग विशेष रूप से अफ्रीका और मध्य पूर्व में, भुखमरी का सामना करेंगे, जब तक कि यूक्रेन के अनाज भंडार को जारी के तरीके नहीं मिल जाते।

जी-सात ने बयान में कहा, 'रूस के युद्ध ने हाल के इतिहास में सबसे गंभीर खाद्य और ऊर्जा संकटों में से एक को उत्पन्न किया है, जो अब दुनिया भर में सबसे कमजोर लोगों के लिए खतरा बन गया है।' बयान में कहा गया, 'हम वैश्विक खाद्य सुरक्षा को सुरक्षित करने के लिए एक समन्वित बहुपक्षीय उपाय में तेजी लाने को लेकर प्रतिबद्ध हैं और इस संबंध में अपने सबसे कमजोर भागीदारों के साथ खड़े हैं।'

कनाडा की विदेश मंत्री मेलानी जोली ने कहा कि उनका देश यूरोपीय बंदरगाहों पर जहाज भेजने के लिए तैयार है ताकि यूक्रेन का अनाज जरूरतमंदों तक पहुंचाया जा सके। जी-सात में ब्रिटेन, कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान और अमेरिका शामिल हैं। जी-सात देशों ने चीन से अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों की अवहेलना कर रूस की मदद नहीं करने और यूक्रेन में रूस की कार्रवाई को उचित नहीं ठहराने का आह्वान किया। हैम्बर्ग के उत्तर-पूर्व में स्थित वेसेनहॉस में विदेश मंत्रियों ने भू-राजनीति, ऊर्जा और खाद्य सुरक्षा के लिए युद्ध के व्यापक प्रभावों और जलवायु परिवर्तन तथा महामारी से निपटने के लिए मौजूदा अंतरराष्ट्रीय प्रयासों पर भी चर्चा की।

जी-सात के बयान में कहा गया कि सदस्य देशों ने अफगानिस्तान की स्थिति, मध्य पूर्व में तनाव समेत अन्य वैश्विक मुद्दों पर भी विचार-विमर्श किया। यूक्रेन के विदेश मंत्री दिमित्रो कुलेबा ने शुक्रवार को मित्र देशों से कीव को और अधिक सैन्य सहायता प्रदान करने तथा रूसी नागरिकों की विदेशों में संपत्तियों पर रोक लगाने समेत रूस पर और दबाव बनाने की अपील की थी। कुलेबा ने कहा कि यूक्रेन के भंडार में फंसे अनाज की आपूर्ति को खोलने और युद्ध को समाप्त करने के लिए राजनीतिक समझौते पर पहुंचने के बारे में रूस से बात करने के लिए तैयार है, लेकिन अभी तक मास्को से 'कोई सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं' मिली है। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन कोरोना वायरस से संक्रमित हो गए थे जिसके कारण वह जी-सात की बैठक में शामिल नहीं हो पाए। नाटो (उत्तर अटलांटिक संधि संगठन) की बैठक में उनके भाग लेने की संभावना है। यह बैठक शनिवार और रविवार को होने वाली है।

पेड़ जलवायु परिवर्तन का मुकम्मल इलाज नहीं : अध्ययन

(विलियम आर एल एंडेरेग, एसोसिएट प्रोफेसर ऑफ इकोलॉजी, स्कूल ऑफ बायोलॉजिकल साइंसेज, यूनिवर्सिटी ऑफ उटाह) सॉल्ट लेक सिटी (अमेरिका) (एजेंसी)

जब लोग जलवायु परिवर्तन को कम करने के तौर-तरीकों के बारे में बात करते हैं तो वे अक्सर अच्छे परिप्रेक्ष्य में पेड़ों का जिक्र करते हैं। वन पृथ्वी को गर्म करने वाली कार्बन डाइऑक्साइड की बड़ी मात्रा को अवशोषित कर लेते हैं, जो लोगों के जीवाश्म ईंधन जलाने से वातावरण में पैदा होती है। यही वन जीवनदायिनी ऑक्सीजन गैस देते हैं। लेकिन यह अरबों डॉलर का सवाल है कि क्या पेड़ वैश्विक ताप वृद्धि को देखते हुए इस गति को बरकरार रख पाएंगे? तेजी से वनों में निवेश कर रही कंपनियों ने कहा कि पेड़ निरंतर ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को खत्म करता है। पत्रिका साइंस एंड इकोलॉजी लेटर्स में 12 मई 2022 को प्रकाशित दो अध्ययनों के नतीजों में ये नए सवाल उठाए गए हैं कि दुनिया भविष्य में तापमान वृद्धि के मद्देनजर कार्बन की बढ़ती मात्रा का भंडार करने को लेकर वनों पर कितना निर्भर कर सकती है। दोनों अध्ययनों में शामिल पारिस्थितिकी वैज्ञानिक एंडेरेग ने इसका जवाब दिया है। नया अध्ययन पेड़ों तथा कार्बन को सोखने की उनकी क्षमता के बारे में हमें क्या बताता है? जंगलों का भविष्य चाकू की धार पर है, जो दो बहुत महत्वपूर्ण ताकतों के बीच का युद्ध है : कार्बन डाइऑक्साइड के बढ़ते स्तर से पेड़ों को मिलने वाले फायदे और गर्मी, सूखा, आग, कीटनाशक तथा रोगजनकों जैसी जलवायु का सामना करने से पड़ने वाला दबाव। धरती वैज्ञानिकों के अनुमान से कहीं ज्यादा गर्म हो रही है। हम जंगलों में आग लगने की घटनाएं देख रहे हैं और सूखे की वजह से जंगल अनुमान से पहले समाप्त हो जाते हैं। जब ये पेड़ समाप्त हो जाते हैं तो कार्बन वापस वातावरण में चली जाती है। हम उन फायदों के सबूत भी देख रहे हैं कि पेड़ों को कार्बन डाइऑक्साइड के उच्च स्तर से मिलती है। पेड़ और जंगल सभी तरह की शानदार चीजें करते हैं - वे हवा और जल को स्वच्छ करते हैं और वे इमारती लकड़ी तथा पर्यटन और परागण के रूप में आर्थिक फायदा देते हैं। ऐसी बहस छिड़ी है कि वातावरण में अधिक कार्बन डाइऑक्साइड से पेड़ अधिक तेजी से वृद्धि करेंगे और कार्बन को सोख लेंगे। आपके अध्ययन से क्या पता चला? दो चीजें पेड़ों की वृद्धि को प्रभावित करती है : प्रकाश संश्लेषण, कि कैसे पेड़ सूर्य की रोशनी और कार्बन डाइऑक्साइड को भोजन में बदलते हैं और शाखाओं का विभाजन तथा विस्तार की प्रक्रिया। लोग मानते हैं कि प्रकाश संश्लेषण लगभग हर जगह प्रभावी प्रक्रिया है, लेकिन हमें इसके मजबूत सबूत मिले हैं कि सूखे के प्रति अधिक संवेदनशील ये कोशिकीय प्रक्रियाएं वृद्धि को बढ़ाने या सीमित रखने के लिए अधिक जिम्मेदार हैं। आपने भविष्य में पेड़ों के खत्म होने के खतरे के बारे में क्या सीखा है? एक अन्य अध्ययन में हमने पाया कि वैश्विक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन कम करने का वन में लगने वाली आग, सूखा और कीटों से वनों को होने वाले नुकसान से बचने पर बड़ा असर पड़ सकता है।

पीएम विक्रमसिंघे ने रक्षामंत्री और यूएनपी के उप नेता को गाले फेस की सुरक्षा का जिम्मा सौंपा

कोलंबो (एजेंसी)

श्रीलंका के नए प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे ने श्रीलंकाई रक्षा मंत्री और यूएनपी के उप नेता रुवान विजेवर्धने को गाले फेस क्षेत्र की सुरक्षा का जिम्मा सौंपा है। इस क्षेत्र का नाम प्रदर्शनकारियों द्वारा बदला है। श्रीलंका के पीएम ने कहा कि उन्होंने गोटा गो गामा की सुरक्षा के लिए एक कमेटी बनाई है। इसके तहत कोलंबो नगर परिषद की सहायता प्राप्त करने के लिए कोलंबो के मेयर की एक समिति नियुक्त की गई है। गाले फेस विरोध स्थल के मालिक, जो शहरी विकास प्राधिकरण के प्रतिनिधि हैं, को स्वास्थ्य मंत्रालय के एक प्रतिनिधि के साथ-साथ इसकी गतिविधियों के लिए आवश्यक एक प्रतिनिधि और सेना और पुलिस के एक अन्य प्रतिनिधि को इस पर शांति बनाए रखने का जिम?मा सौंपा गया है। पीएम के अनुसार, वहां रहने वाले समूह को गोटा गो गामा क्षेत्र को नियंत्रित करने का अधिकार है, न कि श्रीलंकाई सरकार का। विक्रमसिंघे ने साफ किया कि सरकार केवल वहां के लोगों का समर्थन करने के लिए है। प्रधानमंत्री ने इंटरव्यू में साफ कहा कि गोटा गो गामा विरोध जारी रहना चाहिए, ताकि देश में वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य में बदलाव लाया जा सके। उन्होंने कहा कि देश के युवाओं को श्रीलंका में राजनीतिक संकट को खत्म करने की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। इसके पहले, गोटा गो गामा में प्रदर्शनकारी अपनी दो विशिष्ट मांगों पर अड़े थे। इसमें पहली थी कि राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे को इस्तीफा देना चाहिए और राजपक्षे के परिवार के सभी सदस्यों को सरकार छोड़ देनी चाहिए। गौरतलब है कि श्रीलंका अपने इतिहास के सबसे बुरे दौर से गुजर रहा है। भोजन और ईंधन की कमी, बढ़ती कीमतों और बिजली और गैस कटौती से बड़ी संख्या में नागरिकों का जीवन प्रभावित हो रहा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

उपराष्ट्रपति नायडू शेख खलीफा के निधन पर शोक व्यक्त करने यूएई पहुंचे

अबू धाबी। उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के राष्ट्रपति शेख खलीफा बिन जायद अल नाहयान के निधन पर भारत की ओर से शोक व्यक्त करने रविवार को अबू धाबी पहुंचे। कई वर्षों तक बीमारी से जूझने के बाद शुक्रवार को शेख खलीफा का निधन हो गया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने उपराष्ट्रपति के आगमन की एक तस्वीर साझा करते हुए ट्वीट किया, 'उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू संयुक्त अरब अमीरात के दिवंगत राष्ट्रपति शेख खलीफा बिन जायद अल नाहयान को श्रद्धांजलि देने अबू धाबी पहुंचे।' विदेश मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान में कहा कि उपराष्ट्रपति नायडू यूएई के राष्ट्रपति के निधन पर भारत सरकार की ओर से संवेदना व्यक्त करने के लिए 15 मई को यूएई की यात्रा करेंगे। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को शेख खलीफा के निधन पर शोक व्यक्त किया। विदेश मंत्री एस जयशंकर भारत की ओर से संवेदना व्यक्त करने के लिए शनिवार को नयी दिल्ली में यूएई दूतावास गए। भारत ने शेख खलीफा के सम्मान में शनिवार को एक दिन का राष्ट्रीय शोक रखा। विदेश मंत्रालय ने कहा, 'शेख खलीफा बिन जायद अल नाहयान के नेतृत्व में भारत-यूएई संबंध दोनों देशों के लोगों के पारस्परिक लाभ के लिए बहुत समृद्ध हुए। उन्होंने यूएई में मौजूद भारतीय समुदाय की असाधारण देखभाल की, जो उनके प्रति बेहद सम्मान रखते थे।' मंत्रालय ने कहा कि दोनों देश नए और विविध क्षेत्रों में अपने ऐतिहासिक और व्यापक रणनीतिक संबंधों को आगे बढ़ाना जारी रखेंगे।

लिट्टे के संभावित हमले की खबर के मद्देनजर सुरक्षा बढ़ाई जा रही : श्रीलंका

कोलंबो। श्रीलंका ने रविवार को कहा कि प्रतिबंधित संगठन 'लिट्टे' के हमला करने की योजना के बारे में मीडिया में आईखबरों के मद्देनजर देश की सुरक्षा मजबूत करने के लिए सभी प्रयास किये जा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि भारतीय मीडिया में ऐसी खबरें आई थीं कि लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम (लिट्टे) 18 मई को श्रीलंका पर हमला कर सकता है। गौरतलब है कि 18 मई 2009 को श्रीलंका में गृहयुद्ध समाप्त हुआ था और इस दिन मुल्लिवैकल दिवस मनाया जाता है। आर्थिक संकट से देश को उबारने में असफल रहने के आरोपों का सामना कर रहे राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे को लिट्टे के साथ 30 साल तक चले गृहयुद्ध को समाप्त करने का श्रेय दिया जाता है। श्रीलंका के रक्षा मंत्रालय की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि 13 मई को 'द हिंदू' अखबार में प्रकाशित खबर में भारतीय खुफिया एजेंसियों के हवाले से बताया गया कि लिट्टे श्रीलंका पर 18 मई को हमला कर सकता है। बयान में कहा गया, 'भारतीय खुफिया एजेंसियों ने श्रीलंका को बताया कि यह सूचना एक सामान्य जानकारी के तौर पर दी गई है और इस संबंध में जांच की जाएगी तथा इस सिलसिले में की गई कार्रवाई से श्रीलंका को अवगत कराया जाएगा।' मंत्रालय ने कहा, 'राष्ट्रीय सुरक्षा के संबंध में प्राप्त सभी सूचनाओं की जांच की जाएगी और सुरक्षा मजबूत करने के लिए सभी कदम उठाए जा रहे हैं।

गोरखपुर में सीएम योगी ने 144 करोड़ की परियोजनाओ का लोकार्पण और शिलान्यास किया

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को गोरखपुर के दिग्विजय नाथ पार्क में सड़क, संपर्क मार्ग, बाढ़ सुरक्षा एवं शिक्षा आदि की 144 करोड़ रुपए की 100 विकास परियोजनाओ का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इस अवसर पर भाजपा नेता रवि किशन समेत कई पदाधिकारी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने कहा अगर कोई प्रशासनिक अधिकारी नियमित रूप से एक घंटा जनता की समस्या के निस्तारण के लिए बैठ जाए तो मुझे लगता है कि हम समाज की तमाम विवाद खत्म कर सकते हैं। सबकी सुनवाई हो, सबको न्याय मिले, हर व्यक्ति सुरक्षित महसूस करे, यही हर सरकार का ध्येय होता है। उन्होंने कहा अगर हम विकास कार्यों की लंबी चौड़ी बात करें और सुरक्षा की गारंटी नहीं दे और व्यक्ति को समय से न्याय न मिल पाए तो मुझे लगता है कि उस विकास के उतने मायने नहीं रहते हैं। मुख्यमंत्री ने ट्वीट कर गोरखपुरवासियों को विकास कार्यों की बधाई दी। उन्होंने कहा कि नए उत्तर प्रदेश का नया गोरखपुर विकास के सुपथ पर तीव्र गति से आगे बढ़ रहा है। गोरखपुर वासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। उन्होंने कहा गोरखपुर जिन कारणों से 'बदनाम' था, आज उनसे मुक्त हो चुका है। सबसे तेज विकास की प्रक्रिया के साथ आगे बढ़ते हुए गोरखपुर की पहचान एक महानगर के रूप में स्थापित हो रही है। विकास ही उज्ज्वल और मंगलमय भविष्य की गारंटी हो सकता है। उन्होंने कहा हर एक को न्याय मिले, हर व्यक्ति स्वयं को सुरक्षित महसूस करे किसी भी लोक-कल्याणकारी सरकार का यही ध्येय होता है।

दिल्ली में लू के थपेड़ों की मार, केरल में बारिश की चेतावनी

नई दिल्ली । दिल्ली में लू के थपेड़ों से लोगों का बुरा हाल है। धूप में रहकर काम करने वालों की मुश्किलें बढ़ी हुई हैं। उधर, देश के दक्षिणी हिस्से में मौसम करवट ले रहा है। जी हां, केरल में बारिश शुरू हो गई है। मौसम विभाग ने अगले पांच दिनों के लिए केरल में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। अरब सागर में तेज पश्चिमी हवाओं के चलते केरल में बादल आ गए हैं। 15 मई को केरल के 6 जिलों में आईएमडी ने ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। राज्य में भारी बारिश की संभावना के मद्देनजर सभी जिलों में जरूरी तैयारियां कर ली गई हैं। उधर, अंडमान सागर में रविवार को मॉनसून पहुंचने वाला है।
केरल के मुख्य सचिव ने शनिवार की शाम को ही सभी संबंधित विभागों की मीटिंग बुलाई थी और जिलाधिकारियों को युद्ध स्तर पर तैयारी करने का निर्देश दिया था। बाढ़ के लिहाज से संवेदनशील इलाकों के लिए 24 घंटे चलने वाला कंट्रोल रूम शुरू कर दिया गया है। प्रशासन को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि भूस्खलन वाले क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को शिफ्ट करने के लिए जरूरत के हिसाब से कैंप शुरू किए जाएं। पानी इकट्ठा होने वाले इलाकों से पंप चलाने के लिए भी तैयारियां की गई हैं। आपदा प्रबंधन विभाग ने लोगों से पहाड़ी क्षेत्रों की तरफ जाने से बचने को कहा है। पर्यटकों से कहा गया है कि फिलहाल वे जहां हैं, वहीं रहें। केंद्रीय मौसम विभाग ने अनुमान लगाया है कि दक्षिण अंडमान सागर, निकोबार द्वीप समूह और दक्षिण पूर्वी बंगाल की खाड़ी तक मॉनसून पहुंचने वाला है। मौसम वैज्ञानिकों ने कहा है कि गर्म और शुष्क पछुआ हवा से प्रभावित दिल्ली में लू का प्रकोप चरम पर पहुंच सकता है। रविवार को कई इलाकों में अधिकतम तापमान 46 डिग्री सेल्सियस से ऊपर रहने का अनुमान है। सफदरजंग वेधशाला में अधिकतम तापमान 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की आशंका है।

राजनीतिक परिस्थितियों के अनुरूप गठबंधन के विकल्प खुले हैं: कांग्रेस

उदयपुर। (एजेंसी)

कांग्रेस ने समान विचारधारा वाले राजनीतिक दलों के साथ संपर्क स्थापित करने की प्रतिबद्धता जताते हुए रविवार को कहा कि राजनीतिक परिस्थितियों के अनुरूप गठबंधन का विकल्प उसने खुला रखा है। कांग्रेस कार्य समिति ने जिस 'उदयपुर नवसंकल्प' को स्वीकृति प्रदान की है उसमें गठबंधन को लेकर अपनी स्थिति स्पष्ट करने के साथ ही 'फर्जी राष्ट्रवाद', ध्रुवीकरण और सुरक्षा के मुद्दों को लेकर भाजपा पर निशाना साधा गया है। इस नवसंकल्प में कहा गया है कि 'भारतीय राष्ट्रवाद' ही कांग्रेस का मूल चरित्र है और इसके विपरीत, भाजपा का छद्म राष्ट्रवाद सत्ता की भूख पर केंद्रित है।
हर कांग्रेसजन का कर्तव्य है कि वह इस अंतर को जन-जन तक पहुंचाए। कांग्रेस ने आरोप लगाया, 'आज सत्तासीन दल द्वारा भारतीय संविधान, उसमें निहित सिद्धांतों व अधिकारों तथा बाबा साहेब आंबेडकर की सोच पर षड्यंत्रकारी हमला बोला गया है। संवैधानिक अधिकारों पर आक्रमण का पहला आघात देश के दलितों, आदिवासियों, पिछड़ों, अल्पसंख्यकों, महिलाओं व गरीबों को पहुंचा है।' उसने कहा, 'भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का संकल्प है कि सभी कांग्रेसजन गांधीवादी मूल्यों व नेहरू जी के आजाद भारत के सिद्धांत की रक्षा हेतु हर हालत में संघर्षरत रहेंगे।' कांग्रेस के अनुसार, वह 'विघटनकारी ताकतों' का मुकाबला करने के लिए संगठन के साथ-साथ सभी सामाजिक, सांस्कृतिक, गैर सरकारी संगठनों, ट्रेड यूनियन, थिंक टैंक व सिविल सोसायटी समूहों से व्यापक संपर्क और संवाद स्थापित करेगी।
कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मल्लिकार्जुन खड़गे की अध्यक्षता वाली समन्वय समिति की सिफारिश के आधार पर तैयार नवसंकल्प में कहा गया है, 'राष्ट्रीयता की भावना व प्रजातंत्र की रक्षा के लिए कांग्रेस सभी समान विचारधारा के दलों से संवाद व संपर्क स्थापित करने को कटिबद्ध है तथा राजनैतिक परिस्थितियों के अनुरूप जरूरी गठबंधन करने के रास्ते खुले रखेगी।' पार्टी ने सीमा पर चीन की आक्रामकता को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा और कहा, 'इस पूरे मामले पर केंद्र सरकार की जवाबदेही सुनिश्चित न होना व प्रधानमंत्री की रहस्यमयी चुप्पी देश के लिए गंभीर चिंता का विषय है। कई दौर की वार्ता के बावजूद चीन द्वारा भारत की सरजमीं से अनधिकृत कब्जा न छोड़ना अपने आप में भारत की अखंडता को चुनौती है। भाजपा द्वारा राष्ट्रीय सुरक्षा से किया जा रहा यह खिलवाड़ अस्वीकार्य है।' उसने यह भी कहा कि राजनीतिक स्वार्थों हेतु असम-मिजोरम-मेघालय सीमा विवाद, नागालैंड - मणिपुर राष्ट्रीय राजमार्ग का लंबे समय तक बंद रहना, रहस्यमयी नागा शांति समझौते का 2019 से क्रियान्वयन न हो पाना व पूरे उत्तर-पूर्व में सत्ता प्राप्ति हेतु सामाजिक व राजनीतिक अस्थिरता का माहौल पैदा कर देना भाजपा की नाकामियों को दशार्ता है।

कांग्रेस ने दावा किया, 'जम्मू-कश्मीर से पूर्ण राज्य का दर्जा छीन लेना, प्रांत को केंद्र शासित दर्जे में तब्दील कर देना, प्रांतीय विधानसभा की बहाली न कर चुनाव न करवाना, लोगों से वोट का अधिकार छीन लेना, त्रुटिपूर्ण परिसीमन लागू करना, अस्थिरता व असुरक्षा के माहौल के चलते उग्रवादियों द्वारा सुरक्षा बलों व कश्मीरी पंडितों सहित हजारों मासूम नागरिकों को निशाना बनाकर उनकी हत्या किया जाना, अपने आप में केंद्र सरकार की गंभीर नाकामी का परिचायक है।' उसने कहा, 'हम भाजपा-राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) द्वारा देश में सांप्रदायिक विभाजन फैलाने के एजेंडा की निंदा करते हैं। कांग्रेस धर्म, भाषा, जाति, रंग व क्षेत्रवाद के आधार पर अल्पसंख्यकों, गरीबों व वंचितों को निशाना बना वोट बटोरने की राजनीति का सिरे से खंडन करती है।

नेपाल की यात्रा का उद्देश्य 'समय की कसौटी पर खरे' उतरे संबंधों को और गहरा करना है : पीएम मोदी

नयी दिल्ली। (एजेंसी)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि भारत और नेपाल के संबंध 'अद्वितीय' हैं। उन्होंने यह टिप्पणी बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर पड़ोसी देश की अपनी यात्रा से एक दिन पहले की। यहां जारी बयान में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पिछले महीने नेपाली प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा की भारत यात्रा के दौरान हुई 'लाभप्रद' चर्चा के बाद दोबारा उनसे मिलने को लेकर उत्सुक हूं। उन्होंने कहा कि दोनों पक्ष जलविद्युत, विकास और संपर्क सहित विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को विस्तार देने को लेकर बनी समझ को आगे बढ़ाएंगे।
और नेपाल के बीच सभ्यतागत और लोगों से लोगों के संबंध हमारे करीबी रिश्तों की स्थायी इमारत पर खड़े हैं।' उन्होंने कहा, 'मेरी इस यात्रा का उद्देश्य समय की कसौटी पर खरे उतरे इन संबंधों को और मजबूत करना है, जिन्हें सदियों से पोषित किया गया है और ये हमारे आपसी मेलजोल के लंबे

इतिहास में दर्ज हैं।' उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री मोदी बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर सोमवार को एक दिवसीय यात्रा पर भगवान बुद्ध के जन्मस्थान लुम्बिनी जाएंगे।
वर्ष 2014 में पद संभालने के बाद प्रधानमंत्री की यह पांचवी नेपाल यात्रा है। मोदी ने कहा, 'मैं बुद्ध पूर्णिमा के पावन अवसर पर मायादेवी मंदिर में पूजा-अर्चना करने को लेकर उत्सुक हूं। भगवान बुद्ध के पवित्र जन्मस्थान पर श्रद्धा प्रकट करने वाले लाखों भारतीयों का अनुकरण कर सम्मानित महसूस कर रहा हूं।' उल्लेखनीय है कि मोदी और देउबा लुम्बिनी में बातचीत करेंगे जिसके केंद्र में जल विद्युत और संपर्क सहित विभिन्न क्षेत्रों में सहायोग बढ़ाना होगा।

पंजाब में कैदियों के पास से 710 मोबाइल फोन बरामद किए

वीआईपी सेलों को खत्म करेगी मान सरकार

चंडीगढ़ (एजेंसी)

पंजाब की जेलों से अपराधिक गतिविधियां चलाने वाले गैंगस्टरों और अपराधियों के गठजोड़ के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई कर पुलिस ने अब तक जेलों से 710 मोबाइल फोन बरामद किए हैं। इस बीच जेलों से वीआईपी कल्चर को जड़ से मिटाने के लिए पंजाब सरकार ने सभी वीआईपी सेलों को खत्म करने और इन्हें प्रशासनिक ब्लॉकों में बदलने का निर्णय लिया है। जानकारी के मुताबिक 16 मार्च से 10 मई तक एक विशेष मुहिम चलाई गई, जिसके तहत कैदियों से 710 के करीब मोबाइल फोन बरामद किए गए। 16 मार्च से 31 मार्च तक 166 मोबाइल फोन बरामद किए गए, जबकि 1 अप्रैल से 30 अप्रैल तक 354 मोबाइल बरामद हुए हैं। इसके अलावा 1 मई से 10 मई तक की कार्यवाही के दौरान 190 मोबाइल फोन पकड़े गए है।
मुख्यमंत्री भगवंत मान ने बताया कि इन मोबाइल फोनों का प्रयोग गैंगस्टर और तस्कर जेलों से अपनी कार्यवाहियों को चलाने के लिए करते थे। मुख्यमंत्री ने बताया कि जिन व्यक्तियों के नाम पर यह फोन नंबर चल रहे हैं,उन्हें पकड़ने के लिए जांच चल रही है। उन्होंने बताया कि जल्द ही सख्त कार्रवाई की जाएगी।सीएम मान ने कहा है कि जिन जेलों से मोबाइल बरामद हुए हैं, उनके अधिकारियों और स्टाफ की जिम्मेदारी भी तय की जाएगी। मुख्यमंत्री मान ने कहा कि जो जेलों में बंदी हैं, उन्हें अदालतों ने कानून तोड़ने के लिए सजाएं दी हैं और वह जेलों में बैठे हुए सुख-सुविधाओं का आनंद नहीं ले सकते।

असम में भूस्खलन से तीन लोगों की मौत, बाढ़ का अलर्ट जारी

गुवाहाटी। (एजेंसी)

असम के दीमा हसाओ जिले में भूस्खलन में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई। एक आधिकारिक बुलेटिन में यह जानकारी दी गई। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) द्वारा शनिवार रात जारी बुलेटिन के अनुसार, दीमा हसाओ के हाफलोंग राजस्व क्षेत्र में एक महिला सहित तीन लोगों की जान चली गई। राज्य के अन्य हिस्सों से रेल और सड़क संपर्क टूट जाने के कारण कई स्थानों पर अचानक आई बाढ़ और भूस्खलन से पहाड़ी जिला प्रभावित हो गया है।
एएसडीएमए ने कहा कि न्यू कुंजंग, फियांगपुई, मौलहोई, नामजुरंग, दक्षिण बगेतार, महादेव टीला, कालीबाड़ी, उत्तरी बगेतार, सिय्योन और लोदी पंगमौल गांवों से भूस्खलन की सूचना मिली है। यहां करीब 80 घर बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। बयान में कहा गया है जटिंगा-हरंगाजाओ और माहूर-फाइडिंग में रेलवे मार्ग भूस्खलन के कारण अवरुद्ध हो गया था। गेरेमलाम्ब्रा गांव में माईबांग सुरंग तक पहुंचने से पहले भूस्खलन के कारण सड़क मार्ग अवरुद्ध होने की आशंका है। एएसडीएमए ने आगे कहा कि असम के पांच जिलों में बाढ़ से लगभग 25,000 लोग प्रभावित हैं। सबसे बुरी तरह कछार क्षेत्र प्रभावित है, जिसमें 21,000 से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। इसके बाद कार्बी आंगलोंग पश्चिम में लगभग 2,000 पीड़ित हैं और धेमाजी में 600 से अधिक लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। दो जिलों में स्थापित कुल दस राहत शिविरों और वितरण केंद्रों में कम से कम 227 लोग शरण ले रहे हैं।
कछार और होजई जिलों से सेना, अर्द्धसैनिक बलों, अग्निशमन और आपातकालीन सेवाओं, राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ), नागरिक प्रशासन और प्रशिक्षित स्वयंसेवकों द्वारा लगभग 2,200 लोगों को बचाया गया। गुवाहाटी के विभिन्न हिस्सों से जलभराव की घटनाएं सामने आई हैं। एएसडीएमए ने अगले 12-72 घंटों के लिए कछार, करीमगंज, धेमाजी, मोरीगांव और नगांव जिलों के लिए बाढ़ का अलर्ट जारी किया है।

शिवसेना ने हिंदुत्व को छोड़ दिया है, 10 जनपथ के निर्देश पर काम कर रही : नवनीत राणा

नई दिल्ली (एजेंसी)

लोकसभा की निर्दलीय सदस्य नवनीत राणा ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे पर अपना हमला तेज करते हुए आरोप लगाया कि वह शिवसेना संस्थापक बाला साहेब ठाकरे के रास्ते से भटक गए हैं। उन्होंने तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा कि वह (उद्धव) 10 जनपथ में रह रही 'मातोश्री' के निर्देश पर काम कर रहे हैं। नवनीत राणा और उनके विधायक पति रवि राणा ने ठाकरे को मुंबई में शनिवार को आयोजित रैली में किसानों और बेरोजगारी के 'ज्वलंत मुद्दों' को न उठाने पर आड़े हाथ लिया। रवि राणा महाराष्ट्र विधानसभा के निर्दलीय सदस्य हैं।
राणा दंपती ने यहां आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'शिवसेना ने घोषणा की थी कि वह औरंगाबाद का नाम बदलकर संभाजी नगर करेगी, लेकिन अब मुख्यमंत्री दावा कर रहे हैं कि इसकी जरूरत नहीं है।' उन्होंने कहा कि ठाकरे को इस बात की चिंता है कि अगर वह औरंगाबाद का नाम बदलने के काफी समय से लंबित वादे को पूरा करने के लिए कदम उठाते हैं, तो शिवसेना के सहयोगी दल समर्थन वापस ले लेंगे, और इससे उनकी सरकार गिर सकती है। नवनीत ने कहा, 'मुख्यमंत्री के दिमाग में केवल भय है।' उन्होंने आरोप लगाया कि शिवसेना ने हिंदुत्व का रास्ता छोड़ दिया है। रवि राणा ने कहा कि बाला साहेब ठाकरे ने घोषणा की

थी कि उन्हें कांग्रेस से हाथ मिलाना पड़ा तो वह शिवसेना को भंग कर देंगे। राणा दंपती ने संभवतः कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी का संदर्भ देते हुए कहा, 'लेकिन उद्धव ठाकरे ने बालासाहेब ठाकरे के आदर्शों को खारिज कर दिया है।
अब वह '10 जनपथ की मातोश्री' के निर्देश पर कार्य कर रहे हैं।' दंपती ने आरोप लगाया कि ठाकरे हनुमान चालीसा का पाठ करने वालों पर देशद्रोह का मुकदमा दर्ज करने के लिए सत्ता का दुरुपयोग कर रहे हैं, जबकि मुगल शासक औरंगजेब की कब्र पर फूल चढ़ाने वालों को छूट दे रहे हैं। नवनीत राणा ने कहा, 'अगर बाला साहेब ठाकरे होते तो ऐसे लोगों को उसी कब्र में औरंगजेब की तरह दफनाया जाता। कैसे कोई व्यक्ति दूसरे राज्य से आकर औरंगजेब की कब्र पर फूल चढ़ा सकता है।' उन्होंने यह टिप्पणी ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एमआईएमआईएम) नेता अकबरुद्दीन ओवैसी के औरंगाबाद के खुल्दाबाद स्थित औरंगजेब की कब्र पर जाने के संदर्भ में की। नवनीत राणा ने सवाल किया, 'उद्धव ठाकरे स्वयं के हिंदुत्ववादी होने का दावा करते हैं। क्या उन्होंने औरंगजेब के रास्ते पर चलने की तैयारी कर ली है? क्या शिवसेना, औरंगजेब सेना बन गई है?' राणा दंपति ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की भी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि ठाकरे मुख्यमंत्री के तौर पर उन उपलब्धियों का एक छोटा सा हिस्सा भी हासिल नहीं कर सके हैं, जितना फडणवीस के कार्यकाल में हासिल की गई थी। बदनेरा से विधायक रवि राणा ने कहा, 'फडणवीस लोगों के लिए काम करते हैं। वे (लोग) अब भी उन्हें (फडणवीस को) मुख्यमंत्री बनाने के लिए लालायित हैं। आप (उद्धव) ने मोदी के नाम पर वोट हासिल किया और बाद में उनके पीठ में छुरा घोंपा।' नवनीत राणा ने कहा कि वह हनुमान चालीसा का पाठ करने के लिए महाराष्ट्र सरकार द्वारा जेल भेजकर दिये गये जख्म से अब भी उबरने की कोशिश कर रही हैं। उन्होंने कहा कि ठाकरे उनके दर्द को तभी समझ सकते हैं जब उनके परिवार की महिला बिना किसी गलती के जेल जाए। नवनीत राणा ने मुख्यंत्री की पत्नी का संदर्भ देते हुए कहा, 'जब उद्धव ठाकरे मुख्यमंत्री नहीं होंगे और रश्मि ठाकरे जेल जाएंगी, तब मैं उनसे पूछूंगी कि उन्हें दर्द हो रहा है कि नहीं।

गोवा में सबसे ज्यादा परिवारों के पास अपनी कार, बिहार इस मामले में सबसे नीचे

नई दिल्ली (एजेंसी)

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण 2019-21 (एनएफएचएस-5) की रिपोर्ट के मुताबिक भारत में 7.5 प्रतिशत परिवारों के पास अपनी खुद की कार है। बीते 4 वर्षों में यह संख्या 1.5 प्रतिशत बढ़ी है। साल 2018 में यह आंकड़ा 6 प्रतिशत था। राज्यवार बात करें तब इस मामले में गोवा पहले, केरल दूसरे और अविभाजित जम्मू-कश्मीर तीसरे स्थान पर है। गोवा के 45.2 प्रतिशत परिवारों के पास अपनी खुद की कार है। केरल में यह आंकड़ा 24.2 प्रतिशत और जम्मू-कश्मीर में 23.7 प्रतिशत है। हिमाचल प्रदेश में 22.1 प्रतिशत परिवारों के पास अपनी कार है, पंजाब में यह आंकड़ा 21.9 प्रतिशत और नागालैंड में 21.3 प्रतिशत है। सिक्किम में 20.9 प्रतिशत परिवारों के पास अपनी कार है। इस मामले में पहाड़ी और पूर्वोत्तर के राज्य सबसे आगे हैं। अरुणाचल प्रदेश में 19.3 प्रतिशत, मणिपुर में 17.0 प्रतिशत, मिजोरम में 15.5 प्रतिशत, मेघालय में 12.9 प्रतिशत, असम में 8.1 प्रतिशत परिवारों के पास अपनी कार है। पहाड़ी राज्यों में जम्मू-कश्मीर और हिमाचल के बाद उत्तराखंड में 12.7 प्रतिशत परिवारों के पास अपनी कार है। दिल्ली में 19.4 प्रतिशत परिवारों के पास अपनी कार है। हरियाणा में 15.3 प्रतिशत परिवारों के पास कार है। आबादी के लिहाज से देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में सिर्फ 5.50 प्रतिशत परिवारों के पास अपनी कार है। बिहार में सबसे कम परिवारों के पास अपनी कार है। इस राज्य के सिर्फ 2.0 प्रतिशत परिवार अपनी खुद की कार रखते हैं। इसके बाद ओडिशा का नंबर आता है। ओडिशा के 2.7 प्रतिशत परिवार कार रखते हैं। वहीं पश्चिम बंगाल और आंध्रप्रदेश में 2.8 प्रतिशत, झारखंड में 4.1 प्रतिशत, मध्य प्रदेश में 5.3 प्रतिशत, छत्तीसगढ़ में 4.3 प्रतिशत, तेलंगाना में 5.2 प्रतिशत, तमिलनाडु में 6.5 प्रतिशत, कर्नाटक में 9.1प्रतिशत, महाराष्ट्र में 8.7 प्रतिशत, राजस्थान में 8.2 प्रतिशत और गुजरात में 10.9 प्रतिशत परिवारों के पास अपनी खुद की कार मौजूद है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण एक विस्तृत सर्वे प्रक्रिया है, जिसके तहत सरकार हर दो साल के अंतराल पर भारतीय घरों में विभिन्न क्षेत्रों से आंकड़े इकट्ठा करती है। इसके आधार पर सरकार अपनी जनहित नीतियां और योजनाएं बनाती है।

कश्मीरी पंडितों पर हमला सीधे कश्मीर की आत्मा पर हमला है: फारूक अब्दुल्ला

श्रीनगर। नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने शनिवार को कहा कि कश्मीरी पंडितों पर होने वाला हर हमला कश्मीर की आत्मा पर सीधा हमला है। उन्होंने कहा कि हत्या की घटनाओं में बढ़ोतरी घाटी में सामान्य स्थिति होने संबंधी सरकार के दावों के विपरीत है। पार्टी के एक प्रवक्ता के अनुसार, श्रीनगर से सांसद अब्दुल्ला ने पार्टी के अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के उपाध्यक्ष अमित कौल के नेतृत्व में कश्मीरी पंडितों के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ बातचीत के दौरान उक्त बातें कहीं। अब्दुल्ला ने कहा, हमारे पंडित भाइयों पर हर हमला कश्मीर की आत्मा पर सीधा हमला है। मैं ऐसा समय देखना चाहता हूं, जब कश्मीरी मुसलमान और कश्मीरी पंडित दोनों साथ-साथ रहें। हालांकि, मौजूदा सरकार केवल दिखावे तक ही सीमित है। उनकी सुरक्षित और स्थायी वापसी के लिए एक सक्षम वातावरण बनाने के वास्ते जमीनी स्तर पर कोई प्रयास नहीं किए जा रहे। गौरतलब है कि 2010-11 में जम्मू-कश्मीर में प्रवासियों के लिए विशेष रोजगार पैकेज के तहत क्लर्क की नौकरी पाने वाले राहुल भट्ट की आतंकवादियों ने बृहस्पतिवार को बडगाम जिले के चडूरा कस्बे में गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस घटना के बाद प्रतिनिधिमंडल ने अब्दुल्ला से मुलाकात की।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आईटीआई के जरिए कैसे कराए जा सकते हैं सार्वजनिक व्यवस्था सरकारी सिस्टम में जनहितकारी जरूरी बदलाव/सुधार

" सूचना का अधिकार केवल जानकारी प्राप्त करने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका असल उद्देश्य है-जनहित में व्यवस्था में सुधार कर सुशासन कायम करना

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

मध्य प्रदेश के पूर्व सूचना आयुक्तश्री आत्मदीप

"बुनियादी ढांचे की गुणवत्ता बढ़ाने में, सिस्टम को सुधारने में और भ्रष्टाचार निवारण में आरटीआई की भूमिका" विषय पर आयोजित हुआ 99 वां राष्ट्रीय आरटीआई वेबिनार।

हरियाणा के पूर्व सूचना आयुक्त श्री भूपेंद्र धर्माणी, मध्य प्रदेश के पूर्व सूचना आयुक्त श्री आत्मदीप और वरिष्ठ पत्रकार श्री रमेश शर्मा ने विषय पर प्रकाश डाला. कार्यक्रम का संचालन- संयोजन एक्टिविस्ट शिवानंद द्विवेदी ने किया .

*जब तक जवाबदेही तय नहीं होती आरटीआई कानून का वास्तविक औचित्य स्पष्ट नहीं हो पाएगा - भूपेंद्र धर्माणी

हरियाणा के पूर्व राज्य सूचना आयुक्तवरिष्ठ पत्रकार भूपेंद्र धर्माणी ने बताया कि आरटीआई कानून में सबसे बड़ी समस्या यह है कि अधिकारियों की जवाबदेही तय नहीं है। हम मात्र छोटे-छोटे सक्सेस स्टोरी में ही अपने आप को प्रसन्न रखते हैं , जबकि बड़ी जगह में कोई बदलाव नहीं हो पा रहा है।

लोक सूचना अधिकारी के महत्वपूर्ण दायित्व को लेकर देखें तो बहुत निचले स्तर के कर्मचारी को

लोक सूचना अधिकारी बनाया जाता है, जिसकी पूरे सिस्टम में अधिकारिकता कम रहती है। जबकि होना यह चाहिए कि उस विभाग के विभागाध्यक्ष की जिम्मेदारी तय होनी चाहिए, तभी कुछ हो पाएगा. आरटीआई कानून के तहत जो जुर्माने की कार्यवाही की जाती है ,वह इन वरिष्ठ अधिकारियों के सर्विस बुक में चढ़ाई जानी चाहिए और पेनल्टी वसूलने की त्वरित व्यवस्था की जानी चाहिए। उन्होंने अपने कार्यकाल के कुछ महत्वपूर्ण निर्णय भी साझा किए . उन्होंने बताया कि किस प्रकार से वृद्ध की रुकी पेंशन दिलवाए जाने पर वृद्ध ने बहुत प्रसन्नता महसूस की।

हरियाणा के पूर्व राज्य सूचना आयुक्त ने यह भी बताया कि आरटीआई कानून के क्रियान्वयन के 17 वर्ष पूरे होने को है और आज स्थिति यह है कि जनता के बड़े हिस्से तक सूचना के अधिकार की पर्याप्त जानकारी नहीं पहुंची है.

इसके अलावा धारा 4(1)(बी) के तहत जो बाध्यताएं लोक प्राधिकारीयों की निर्धारित की गई है ,वह आज तक पूरी नहीं हो पाई है। धारा 4(1)(बी) में बहुत सारी ऐसी जानकारियां हैं ,जो कानून

के क्रियान्वयन के 120 दिन के भीतर पब्लिक के बीच साझा की जानी चाहिए थी . लेकिन वह आज भी पूरी नहीं हो पाई हैं ,जो काफी चिंता का विषय है।

*आरटीआई से प्राप्त जानकारी को पत्रकारिता को सार्थक करने और जनता के हितों का संरक्षण करने का बनाया अधिकार - पत्रकार रमेश शर्मा

भोपाल के वरिष्ठ पत्रकार एवं "ओपन आई" मैगजीन के संपादक रमेश शर्मा ने कहा कि उन्हें आरटीआई के माध्यम से प्राप्त जानकारियों से जो कमियां उजागर हुई उन्हें उच्चाधिकारियों तक पहुंचा कर उन्होंने व्यवस्था में सुधार कराने में सफलता पाई . उन्होंने ऐसे 20 से अधिक मामले

जिन नौकरशाहों को नियंत्रित करने आरटीआई कानून लाया गया , सरकार ने उन्हें ही बना दिया इस कानून का पहरेदार आत्मदीप, पूर्व मध्य प्रदेश सूचना आयुक्त

आरटीआई कानून के क्रियान्वयन के लिए 120 दिन के भीतर मिलने वाली जानकारी आज भी बनी है सपना-भूपेंद्र धर्माणी ,पूर्व हरियाणा सूचना आयुक्त

पत्रकारिता में रहते हुए आरटीआई कानून का उपयोग कर जनहित में कराए बड़े बदलाव - पत्रकार रमेश शर्मा

बताएं .

उन्होंने समय-समय पर आरटीआई से काफी जानकारियां एकत्रित की ,उन्हें अपनी पत्रिका में प्रकाशित किया और उनसे सामने आए मुद्दों को संबंधित मंच ऊपर उठाकर सार्वजनिक हित में आवश्यक निर्देश जारी कराएं .

उन्होंने समय-समय पर सरकार और विभागों को भी लिखा ,जिसके बाद बड़े बदलाव हुए हैं। उन्होंने आरटीआई से संबंधित कुछ कटु अनुभवों को भी साझा किया ,जिसमें अफसरों ने उन्हें किस तरह से टॉर्चर किया और यहां तक कह डाला कि यह व्यक्ति आरटीआई लगाकर ब्लैकमेल कर रहा है। लेकिन उन पर इस बात का कोई प्रभाव नहीं पड़ा और वह अपने कर्तव्य मार्ग पर अडिग रहे। उनके द्वारा आरटीआई लगा कर कराए गए कई बदलावों में से एक के विषय में बताया कि कैसे उन्होंने आरटीआई लगा कर आवासीय व व्यवसायिक भवन, अस्पताल, नर्सिंग होम, होटल ,रेस्टोरेंट आदि द्वारा कचरे के निष्पादन सहित पर्यावरणीय स्वीकृति नहीं लिए जाने की जानकारी हासिल की और नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के सामने यह मामला उठाया.

इस पर एनजीटी ने आवश्यक निर्देश जारी कर इन संस्थानों को पर्यावरणीय मंजूरी लेने और कचरे व जलमल (सीवेज) के समुचित निपटारे के लिए पाबंद किया.

* दस्तावेजों के स्थान पर लोक सूचना अधिकारी निरीक्षण के आदेश नहीं दे सकता - आत्मदीप

* विशिष्ट अतिथि पूर्व मध्य प्रदेश राज्य सूचना आयुक्तआत्मदीप ने कहा - " सूचना का अधिकार केवल जानकारी प्राप्त करने तक सीमित नहीं है ,बल्कि यह सार्वजनिक व्यवस्था / सरकारी सिस्टम में जरूरी बदलाव/ सुधार कराने का प्रभावी उपकरण है .

सूचना के अधिकार के जरिए सार्वजनिक क्रियाकलाप में जन भागीदारी को और नौकरशाही में जनता के प्रति जवाबदेही बढ़ावा देकर ही सुशासन लाया जा सकता है. आरटीआई एक्ट के इस महान उद्देश्य की पूर्ति के लिए नागरिक आरटीआई के जरिए पहल कर सकते हैं और सूचना आयोग इस पहल को व्यवस्था में सुधार के निर्देश देकर कारगर बना सकते हैं .

उन्होंने ऐसे कई वाकयों का हवाला दिया, जिनमें आरटीआई से प्राप्त जानकारी के आधार पर सुधी नागरिक व्यवस्था में आवश्यक बदलाव/ सुधार कराने में सफल रहे.

दीप ने आरटीआई कानून को पारदर्शिता सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण औजार बताया।

उन्होंने एक आवेदक के प्रश्न के जवाब में देते हुए बताया कि आरटीआई कानून में यदि दस्तावेज मांगे गए हैं तो दस्तावेज दिए जाने चाहिए एवं निरीक्षण मांगा गया है तो निरीक्षण करवाया जाना चाहिए। लोक सूचना अधिकारी आरटीआई में मांगे गए दस्तावेज देने के स्थान पर, मनमाने ढंग से आवेदक को दस्तावेजों का निरीक्षण करने के लिए बाध्य नहीं कर सकता है ।

आत्मदीप ने भोपाल से फिजियोथैरेपिस्ट व आरटीआई कार्यकर्ता डॉ.प्रकाश अग्रवाल द्वारा आरटीआई के जरिए कई विभागों की व्यवस्था(सिस्टम)में कराए गए अनेक बदलावों / सुधारो के बारे में विस्तार से जानकारी दी .

और बताया कि कैसे जनहित में बुनियादी ढांचे की गुणवत्ता सुनिश्चित करने और भ्रष्टाचार उन्मूलन में उन्होंने आरटीआई को माध्यम बनाकर बड़े बदलाव कराए ।

आत्मदीप ने बताया कि डॉ. प्रकाश अग्रवाल ने रेलवे मंत्रालय में आरटीआई लगा जानकारी चाही कि रेल टिकट जो कंफर्म नहीं होते हैं एवं वेटिंग रहते हैं ,उनके निरस्तीकरण के बाद किन नियमों के तहत नाजायज कटौतिया आईआरटीसी द्वारा की जाती है ,उसका क्या आधार है? अर्थात उसमें कैंसिलेशन चार्ज, कन्वीनियंस चार्ज, बैंक शुल्क आदि किस आधार पर काटा जाता है ? रेलवे विभाग ने उनके आरटीआई आवेदन को कई जगह घुमाया, पर अंत में जब मामला आईआरसीटीसी के पास पहुंचा, तो मात्र इतना जवाब प्राप्त हुआ कि रेलवे के नियमों के तहत ही कार्यवाही की जाती है और शुल्क काटा जाता है।

समाधान कारक उत्तर ना मिलने पर डॉ अग्रवाल ने केंद्रीय सूचना आयोग में द्वितीय अपील की तो मामले का निराकरण हुआ . आयोग ने रेल मंत्रालय और रेलवे बोर्ड के चेयरमैन को निर्देश दिया कि वे ऑनलाइन और ऑफलाइन बुक कराए गए रेल टिकटों पर की जाने वाली नाजायज वसूली , खासकर कैंसिलेशन से जुड़े चार्जेस पर विचार कर आवश्यक सुधार करें .

यह प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मिशन डिजिटल इंडिया के भी अनुरूप होगा .

प्रकाश अग्रवाल के इस तर्क से भी केंद्रीय सूचना आयोग ने सहमति जताई कि डिजिटल तरीके से बुक कराए गए टिकटों पर लागत कम आती है .इसलिए ऐसे टिकटों पर चार्जेस कम वसूले जाने चाहिए. जबकि रेलवे इसके उलट ज्यादा चार्ज वसूल रहा है जो गलत है. सूचना आयोग ने रेल मंत्रालय और रेलवे बोर्ड को इस मुद्दे पर विचार कर न्याय संगत निर्णय लेने को कहा .

यह भी कहा कि ऑनलाइन टिकटों पर अधिक शुल्क लिया जाना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के डिजिटल इंडिया अभियान के विरुद्ध है। डिजिटल इंडिया के तहत सभी सेवाएं कम से कम शुल्क पर और आसानी से उपलब्ध होनी चाहिए. ।

आत्मदीप ने बताया कि डॉ अग्रवाल द्वारा आरटीआई के जरिए किए गए प्रयासों से पासपोर्ट के लिए पुलिस वेरीफिकेशन की प्रक्रिया में आवश्यक सुधार हुए हैं , पुलिस वेरीफिकेशन के नियम और समय सीमा भी तय हुई है.

बैंकिंग लोकपाल कार्यालयों की हेल्पलाइन और शिकायत निवारण व्यवस्था में जरूरी सुधार हुए हैं, लोगों के डेबिट कार्ड और क्रेडिट कार्ड पर बैंकों द्वारा बाय डिफॉल्ट लागू किया गया सीएनपी फीचर बंद हुआ है ,जिससे लोग साइबर ठगी से बचे हैं.

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)